बजट सत्र : संसद के दोनों सदनों में पक्ष विपक्ष के बीच घमासान जारी - 7

केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण बोलीं- अधिक आयकर संग्रह मध्य वर्ग के आगे बढ़ने का सबूत- 10

बांग्लादेश में हिंसा की घटनाओं के बीच 13वें आम चुनाव के लिए हुआ मतदान - 11

इटली ने नेपाल को रौंदकर आईसीसी टूर्नामेंट में जीत का खाता खोला- 12

आज का मौसम

24.0° अधिकतम तापमान

11.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.52

सूर्यास्त 06.01

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

फाल्गुन कृष्ण पक्ष एकादशी 02:26 उपरांत द्वादशी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 13 फरवरी 2026, वर्ष 7, अंक 80, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

85 करोड़ की मनी लॉन्ड्रिंग में लोढ़ा डेवलपर्स के पूर्व निदेशक गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- ईडी ने की कार्रवाई, सितंबर 2025 में दर्ज हुई थी राजेंद्र लोढ़ा समेत कई पर एफआईआर

अमृत विचार : ईडी ने लोढ़ा डेवलपर्स के पूर्व निदेशक राजेंद्र लोढ़ा को गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया है। ईडी ने यह कार्रवाई 85 करोड़ रुपये के घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में की है।

पिछले वर्ष सितंबर में लंबी जांच के बाद लोढ़ा ग्रुप के पूर्व निदेशक व कई अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच ने प्रॉपर्टी से संबंधित जांच कर रही थी। इस दौरान राजेंद्र लोढ़ा समेत कई आरोपियों को हिरासत में लिया गया था। इसके बाद ईडी ने गिरफ्तारी की कार्रवाई की है। ईडी के मुताबिक राजेंद्र लोढ़ा पर कंपनी से जमीन अधिग्रहण के नाम पर करोड़ों रुपये की हेराफेरी का आरोप है।

पुलिस ने इस संबंध में करीब चार दर्जन से अधिक गवाहों के बयान दर्ज किये। इनमें से सात ने मजिस्ट्रेट के सामने भी बयान दर्ज करा दिया है। गवाहों में राजेंद्र लोढ़ा का चालक भी शामिल हैं। उनसे बताया था कि नकदी एक आरोपी को ले जाकर दी थी। इसके अलावा फोर्ट व बोरीवली में एक करोड़ रुपये जुटाकर राजेंद्र को दिये थे। जांच में सामने आया कि कंपनी ने जमीन को कम दाम पर राजेंद्र लोढ़ा के बेटे की कंपनी को ट्रांसफर किया था। राजेंद्र के लेन-देन का रिकार्ड कंप्यूटर व मोबाइल में मिले हैं। जांच में यह भी सामने आया कि सीसीटीवी फुटेज में राजेंद्र के भाई दीपक लोढ़ा को संदिग्ध बैग घर से बाहर ले जाते देखा गया।

बैग से नकद लेनदेन और कंपनी के दस्तावेज थे। ईडी के अधिकारी पीएमएलए के तहत गिरफ्तार किया है। उनको कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लेने की तैयारी की जा रही है।

114 राफेल विमानों को खरीदने की मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

- रक्षा मंत्रालय का बड़ा फैसला, 3.60 लाख करोड़ की डिफेंस डील, फ्रांस के राष्ट्रपति के भारत आने पर हो सकता है सौदा

रक्षा मंत्रालय ने फ्रांस से 114 राफेल लड़ाकू विमान की खरीद के काफी समय से लंबित प्रस्ताव को गुरुवार को मंजूरी दे दी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने सशस्त्र बलों की युद्धक तैयारी को मजबूत करने के लिए 3.60 लाख करोड़ रुपये के सैन्य उपकरणों की पूंजीगत खरीद को मंजूरी दी।

इस परियोजना के तहत, राफेल बनाने वाली कंपनी दसॉल्ट एविएशन द्वारा 18 विमान सीधे ''उड़ान भरने की स्थिति'' में आपूर्ति किए जाएंगे और शेष विमानों का निर्माण भारत में किया जाएगा, जिसमें 50 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी उत्पादन शामिल होगा और यह उत्पादन चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा।

रक्षा मंत्रालय ने खरीद की लागत का खुलासा नहीं किया है, लेकिन अनुमान है कि यह 2.90 लाख करोड़ रुपये से 3.15 लाख करोड़ रुपये के बीच होगी। राफेल विमानों की खरीद को मंजूरी फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की भारत यात्रा से ठीक चार दिन पहले मिली। इस सौदे को हालांकि अंतिम रूप देने के लिए औपचारिक अनुबंध इस साल के अंत से पहले होने की संभावना नहीं है, क्योंकि रक्षा मंत्रालय को अब हथियारों के पैकेज की लागत और बारीक विवरणों को अंतिम रूप देने के लिए दसॉल्ट एविएशन के साथ बातचीत करनी होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति को भी अधिग्रहण कार्यक्रम को अंतिम मंजूरी देनी होगी।

तटरक्षक बल को कानपुर एचएएल से मिलेंगे 8 डोर्नियर 228 विमान

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने भारतीय तटरक्षक बल के लिए आठ डोर्नियर 228 विमानों की खरीद के उद्देश्य से सार्वजनिक क्षेत्र के रक्षा उपक्रम हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के साथ 2,312 करोड़ रुपये के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि यह अनुबंध 'बाय (इंडियन)' श्रेणी के अंतर्गत किया है और इसमें संचालन भूमिका संबंधी उपकरण की खरीद भी शामिल है। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में इस अनुबंध पर यहां एचएएल के ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट डिवीजन, कानपुर के साथ हस्ताक्षर किए गए। इस अनुबंध से एलएएल का उत्पादन तंत्र सुदृढ़ होगा तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों और सहायक उद्योगों के व्यापक नेटवर्क को समर्थन मिलेगा।

ब्रीफ न्यूज

दूरदर्शन की पूर्व समाचार वाचिका सरला माहेश्वरी का निधन

नई दिल्ली। दूरदर्शन की पूर्व समाचार वाचिका सरला माहेश्वरी का गुरुवार को यहां निधन हो गया। वह 71 वर्ष की थीं। वह 1980 और 1990 के दशक में टीवी समाचार जगत के सबसे जाने-माने चेहरों में से एक थीं और जिनकी शांत शैली आज के टेलीविजन समाचार बुलेटिन के शोरगुल से बिल्कुल अलग थी। माहेश्वरी 1976 से लेकर 2005 तक टीवी समाचारों का जाना-पहचाना चेहरा थीं। उनके साथ सलमा सुल्तान, मीनू तलवार, शम्मी नारंग, गीतांजलि अय्यर, नीति रविंद्रन और अन्य भी थीं। उनका नाम सुनते ही प्रसारण जगत और उसके श्वेत-श्याम से रंगीन प्रसारण में परिवर्तन की यादें ताजा हो जाती हैं।

ब्राजील के राष्ट्रपति 18 को पांच दिवसीय यात्रा पर भारत आएंगे

नई दिल्ली। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा 18 फरवरी को भारत की पांच दिवसीय यात्रा पर आएंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा कि लूला की राजकीय यात्रा से दोनों देशों की द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी और मजबूत होगी। साथ ही द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मंचों पर सहयोग बढ़ाने में मदद मिलेगी। मंत्रालय ने बताया कि मोदी 21 फरवरी को राष्ट्रपति लूला से मिलेंगे और दोनों नेता द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा करेंगे।

असम राइफल्स श्वान दस्ते में भारतीय नस्ल के कुत्तों को करेगा शामिल

जोरहाट। केंद्र सरकार के स्वदेशीकरण के आह्वान को मजबूती प्रदान करते हुए असम राइफल्स अपने अभियानों को अंजाम देने के लिए दस्ते में भारतीय नस्ल के कुत्तों को शामिल करने की योजना बनाई है। कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल आलोक ने बताया कि आत्मनिर्भर भारत के तहत 'तंगखुल हुई' नस्ल के कुत्तों को श्वान दस्ते में शामिल कर लिया है।

रेरा को समाप्त कर देना चाहिए, यह दागी बिल्डरों के लिए काम कर रहा

सुप्रीम कोर्ट ने लगाई फटकार, कहा- जिनके लिए रेरा बनाया वे पूरी तरह से निराश और हताश

- कोर्ट की सख्त टिप्पणी से रियल एस्टेट सेक्टर में मची हलचल

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि सभी राज्यों के लिए रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (रेरा) के गठन पर पुनर्विचार करने का यह सही समय है क्योंकि यह संस्था दागी बिल्डरों को सुविधा प्रदान करने के अलावा कुछ नहीं कर रही है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि जिन लोगों के लिए रेरा बनाया गया था, वे पूरी तरह से निराश और हताश हैं।

पीठ ने जोर देकर कहा कि अगर इस संस्था को समाप्त कर दिया जाए तो उसे कोई आपत्ति नहीं होगी। पीठ ने हिमाचल प्रदेश सरकार को रेरा के कार्यालय को अपनी पसंद के स्थान पर स्थानांतरित करने की अनुमति देते हुए ये टिप्पणियां कीं। हिमाचल प्रदेश सरकार और अन्य द्वारा दायर याचिका पर पीठ ने नोटिस जारी किया, जिसमें हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी गई थी जो राज्य के रेरा कार्यालय को शिमला से धर्मशाला स्थानांतरित करने से संबंधित था।

उच्च न्यायालय ने इससे पहले रेरा कार्यालय के स्थानांतरण से संबंधित जून 2025 की अधिसूचना पर अगले आदेश तक रोक लगा दी थी। बाद में, 30 दिसंबर 2025 को अपने आदेश में, उच्च न्यायालय ने अंतरिम आदेश को जारी रखने का निर्देश दिया। उच्चतम न्यायालय ने 30 दिसंबर के उच्च न्यायालय के निर्देश पर रोक लगा दी है।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, दागी बिल्डरों को सुविधा देने के अलावा यह संस्था (रेरा) कुछ नहीं कर रही है। बेहतर होगा कि इस संस्था को समाप्त कर दिया जाए, हमें इसमें कोई आपत्ति नहीं है ...अब समय आ गया है कि सभी राज्य इस प्राधिकरण के गठन पर ही पुनर्विचार करें। राज्य सरकार ने अधिवक्ता सुगंधा आनंद के माध्यम से उच्चतम न्यायालय में दायर अपनी याचिका में कहा कि हिमाचल प्रदेश रेरा कार्यालय को शिमला से धर्मशाला स्थानांतरित करने का निर्णय शिमला शहर में भीड़भाड़ कम करने के लिए लिया गया था, और यह पूरी तरह से प्रशासनिक कारणों पर आधारित था। प्रतिवादी की ओर से पेश एक वकील ने कहा कि प्राधिकरण जिन परियोजनाओं से संबंधित मामलों को देखता है, उनमें से 90 प्रतिशत शिमला, सोलन, परवानू और सिरमौर में हैं, जो अधिकतम 40 किलोमीटर के दायरे में आते हैं। उन्होंने कहा कि रेरा के समक्ष लंबित शिकायतों में से लगभग 92 प्रतिशत इन्हीं जिलों से हैं।

किसी को अरावली को छूने की अनुमति नहीं देंगे

नई दिल्ली। शीर्ष कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि वह किसी को भी अरावली की पहाड़ियों को छूने की अनुमति नहीं देगा। इसी के साथ विशेषज्ञों द्वारा पर्वतमाला की परिभाषा स्पष्ट किए जाने तक हरियाणा सरकार को जंगल सफारी पर विस्तृत योजना प्रस्तुत करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने कहा कि अरावली पहाड़ियों से संबंधित मुख्य मामले पर विचार करते समय 'जू सफारी' के मुद्दे पर भी संज्ञान लिया जाएगा। हरियाणा का पक्ष रखने के लिए पेश हुए अधिवक्ता ने कहा कि उन्होंने सफारी परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) को 10,000 एकड़ से संशोधित करके 3,300 एकड़ से अधिक कर दिया है। उन्होंने कहा कि वे केवल इतना चाहते हैं कि उन्हें डीपीआर को केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति (सीईसी) के समक्ष समीक्षा के लिए प्रस्तुत करने की अनुमति दी जाए। पीठ ने कहा, हम विशेषज्ञ नहीं हैं। अरावली की परिभाषा विशेषज्ञ तय करेंगे। सीजेआई ने कहा कि अरावली केवल हरियाणा या राजस्थान की ही नहीं है, बल्कि यह एक ऐसी पर्वत शृंखला है जो कई राज्यों से होकर गुजरती है। उन्होंने हरियाणा सरकार के वकील से कहा, हम जू सफारी के मुद्दे पर मुख्य मामले के साथ ही विचार करेंगे। इस पर हरियाणा सरकार के वकील ने कहा कि मुख्य मामला बिल्कुल अलग है और जंगल सफारी का मुद्दा अलग है। पीठ ने इसपर टिप्पणी की, कभी-कभी, सीईसी अनुमति देने में बहुत चुनिंदा रवैया अपनाता है। अगर हम अनुमति देते हैं, तो वे बहुत ही आकर्षक तस्वीर पेश करेंगे कि ये पेड़, वन्यजीव और जंगल हैं। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि विशेषज्ञ समिति की राय आने के बाद वह सफारी परियोजना पर विचार करेगी।

बिजली-कानून व्यवस्था के मुद्दे पर विधानसभा में तीखी बहस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- ऊर्जा मंत्री एके शर्मा और सपा नेता शिवपाल यादव आमने-सामने

ऊर्जा मंत्री एके शर्मा एवं सपा विधायक शिवपाल सिंह

अमृत विचार: विधानसभा में गुरुवार को राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। बिजली आपूर्ति, कानून व्यवस्था, किसान और बजट के मुद्दों पर सदन का माहौल बार-बार गरमाया। ऊर्जा मंत्री और सपा नेता शिवपाल सिंह यादव के बीच तीखी बहस केंद्र में रही।

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा की शुरुआत होते ही भाजपा विधायकों ने सरकार की उपलब्धियों का बखान किया। भाजपा विधायक महेश चंद्र गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शासनकाल में उत्तर प्रदेश में शिक्षा, कानून व्यवस्था और निवेश का माहौल बेहतर हुआ है। उन्होंने प्राथमिक विद्यालयों में सुविधाओं, बेहतर भवनों और निवेशकों के बढ़ते भरोसे को सरकार की बड़ी उपलब्धि बताया।

सदन में सबसे तीखी बहस ऊर्जा मंत्री एके शर्मा और सपा विधायक शिवपाल सिंह यादव के बीच हुई। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश पीएम सूर्य घर योजना सहित कई केंद्रीय योजनाओं में देश में अग्रणी है और आज प्रदेश में कहीं 24 तो कहीं 21 घंटे बिजली आपूर्ति हो रही है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जब सपा कानून व्यवस्था और बिजली की बात करती है तो हंसी आती है। इस पर शिवपाल सिंह यादव ने पलटवार करते हुए कहा कि सपा सरकार के कार्यकाल में भी बिजली और सड़क के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर काम हुआ था।

किसान, डीजल व अधिग्रहण पर सरकार का जवाब

किसानों की बदहाली, डीजल की कीमत और जमीन अधिग्रहण को लेकर सपा विधायक अनिल प्रधान ने सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि किसान कर्ज, मौसम की मार और आवारा पशुओं से परेशान हैं, वहीं खाद के लिए लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ता है। जवाब में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि यूपी में डीजल पर वैट देश के कई राज्यों की तुलना में कम है और डीजल की कीमतें पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु सहित करीब 20 राज्यों से कम हैं। उन्होंने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने और लागत घटाने के लिए सरकार लगातार योजनाओं पर काम कर रही है। भूमि अधिग्रहण पर उन्होंने कहा कि किसानों से संवाद कर बाजार दर पर मुआवजा दिया जाता है।

देशव्यापी हड़ताल का मिलाजुला असर, बैंकिंग सेवाएं सुचारू रहीं

नई दिल्ली। केंद्रीय श्रमिक संगठनों के संयुक्त मंच की सरकार की नीतियों के खिलाफ गुरुवार को आहूत एक दिवसीय देशव्यापी हड़ताल का सामान्य जनजीवन पर खास असर नहीं पड़ा।

श्रमिक संगठनों ने कई राज्यों में मुख्य रूप से कार्यालय परिसर के बाहर प्रदर्शन किया। कुछ जगहों पर श्रमिक हड़ताल में समर्थन दिखाने के लिए कार्यस्थल पर देर से पहुंचे। उत्तर प्रदेश, ओडिशा, केरल, तमिलनाडु, गोवा सहित कई राज्यों में इसका मिला-जुला असर

देखने को मिला। श्रमिक संगठनों ने दावा किया कि हड़ताल में 30 करोड़ से अधिक श्रमिकों, किसानों और अन्य वर्गों ने भाग लिया। बैंकिंग सेवाएं भी सुचारू रूप से चलती रहीं।

आंशिक तौर से चालू एक्सप्रेसवे पर टोल दरों में कटौती 15 से लागू

नई दिल्ली। सरकार ने आंशिक रूप से चालू राष्ट्रीय एक्सप्रेसवे के उपयोगकर्ताओं के लिए टोल शुल्क कम करने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग शुल्क नियमों में संशोधन किया है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने कहा कि संशोधित नियम 15 फरवरी से लागू होंगे। इसके तहत यदि कोई एक्सप्रेसवे शुरू से अंत तक पूरी तरह चालू नहीं है, तो उसके केवल तैयार हिस्से पर सामान्य राष्ट्रीय राजमार्ग के अनुसार कम दर से टोल शुल्क लिया जाएगा

पत्नी पर शक में एक साल के बेटे का गला घोंटा

भुता/बरेली, अमृत विचार : पत्नी के चरित्र पर शक में शराब के नशे में युवक ने एक साल के बेटे की गला घोंटकर हत्या कर दी और शव तालाब किनारे फेंक दिया। पुलिस ने शव को बरामद कर लिया है। पत्नी की तहरीर पर मुकदमा दर्जकर आरोपी पति को जेल भेज दिया गया है।

अठाना गांव निवासी राम बेटी ने बताया कि वह दो महीने से बीसलपुर स्थित ग्राम बोनी में मायके में रह रही थी। आरोप है कि सोमपाल बुधवार को ससुराल पहुंचा और दोनों बेटों एक वर्षीय वरुण और बड़े बेटे अरुण को जबरन अठाना ले आया।

गिरफ्तार आरोपी।

- शराबी पिता ने मासूम का शव तालाब किनारे फेंका पुलिस ने किया बरामद

सोमपाल ने देर शाम वरुण की गला दबाकर हत्या कर शव तालाब किनारे छिपा दिया। सूचना मिलने पर वह ससुराल पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फॉरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंच कर साक्ष्य जुटाए। भुता थाना के प्रभारी निरीक्षक रविंद्र कुमार ने बताया कि पत्नी राम बेटी की तहरीर पर पति सोमपाल के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर मासूम के हत्यारोपी पिता सोमपाल को ग्राम अठाना के जंगल से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में हत्यारोपी ने स्वीकार किया कि पत्नी अधिकतर मायके में रहती है और उसे शक है कि वहां पर किसी युवक के साथ उसका संबंध है। इसी शक में गुस्से में आकर बेटे वरुण की गला घोंट का हत्या कर दी। सोमपाल को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया। आरोपी पिता राजस्थान में रहकर मजदूरी करता था।

संसद में पारित हुआ औद्योगिक संबंध संहिता संशोधन विधेयक

नई दिल्ली, एजेंसी

- सरकार ने कहा यह संहिता श्रमिकों को न्यूनतम वेतन की देती है गारंटी
- देश में महिलाओं और पुरुषों को समान वेतन पाने का अधिकार होगा

संसद ने गुरुवार को औद्योगिक संबंध संहिता (संशोधन) विधेयक, 2026 को पारित कर दिया। विपक्ष की आशंकाओं को खारिज करते हुए सरकार ने संहिता के संबंध में कहा कि यह श्रमिकों के लिए न्यूनतम वेतन की गारंटी देती है। राज्यसभा में, विधेयक पर हुई संक्षिप्त चर्चा का केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया द्वारा जवाब दिए जाने के बाद इसे ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। हालांकि, श्रम मंत्री के जवाब से पहले ही प्रवाधानों के प्रति विरोध जताते हुए कांग्रेस सहित कई विपक्षी दलों ने सदन से वॉक आउट किया।

मांडविया ने कहा, इस श्रम संहिता में हमने सुनिश्चित किया है कि संवैधानिक सुरक्षा मानकों के साथ न्यूनतम वेतन मानक तय करेंगे। देश में महिलाओं और पुरुषों को समान वेतन पाने का अधिकार होगा। मंत्री ने कहा कि औद्योगिक संबंध संहिता तो 2020 में ही पारित हो चुकी है और ढाई महीने पहले लागू भी हो चुकी है, लेकिन अधिकतर सदस्यों ने चर्चा में संहिता की ही बात की है और इसे कामगार विरोधी बताया है। मांडविया ने कहा, हम तो एक छोटा सा संशोधन लाए हैं। यह संशोधन केवल कानूनी स्पष्टता के लिए सदन में लाया गया। मांडविया ने कहा, हम श्रमिकों के हित में एक संहिता लाए हैं। तीन कानूनों को इसमें शामिल किया गया।

एसआईआर | मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने कहा- 3.26 करोड़ मतदाताओं को भेजे गए नोटिस

नो-मैपिंग के 1.04 करोड़, विसंगतियों के 2.22 करोड़ मतदाता चिह्नित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- दस दिन में आपत्ति का मौका 1.09 करोड़ को भेजे जा चुके हैं नोटिस

अमृत विचार : प्रदेश में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के तहत मतदाता सूची में नो-मैपिंग और तार्किक विसंगतियों को लेकर बड़े पैमाने पर नोटिस जारी किए जा रहे हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि छह जनवरी को प्रकाशित आलेख्य मतदाता सूची के आधार पर कुल 3 करोड़ 26 लाख मतदाताओं को नोटिस जारी किए जाने हैं। इनमें से अब तक लगभग एक करोड़ 9 लाख मतदाताओं को नोटिस निर्गत किए जा चुके हैं। 10 दिन में आपत्ति देनी होगी।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि पुनरीक्षण के दौरान नो-मैपिंग से संबंधित 1 करोड़ 04 लाख और तार्किक विसंगतियों से संबंधित 2 करोड़ 22 लाख मतदाताओं की पहचान की गई है। इन सभी श्रेणियों में आने वाले मतदाताओं की सूचियां संबंधित बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को उपलब्ध करा दी गई हैं। साथ ही, पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से इन सूचियों को तहसील, पंचायत भवन, वार्ड कार्यालय सहित अन्य सार्वजनिक स्थलों पर प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त, मतदाता इन सूचियों को ऑनलाइन भी देख सकते हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय की वेबसाइट के साथ-साथ जनपदवार, विधानसभा-वार और बूथ-वार जिला निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर भी ये सूचियां उपलब्ध कराई गई हैं, ताकि किसी भी मतदाता को जानकारी के अभाव में असुविधा न हो। रिणवा ने बताया कि सभी मतदाता सहायता केंद्रों पर बूथ लेवल अधिकारियों को कार्यदिवस में पूर्वाह्न 10 बजे से मध्याह्न 12 बजे तक अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। केंद्रों पर वर्ष 2003 की अंतिम मतदाता सूची, 6 जनवरी 2026 को प्रकाशित आलेख्य मतदाता सूची, नो-मैपिंग एवं तार्किक विसंगतियों से संबंधित सूचियां, फार्म-6, फार्म-7, फार्म-8 तथा घोषणा-पत्र पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहेंगे। जिन मतदाताओं के नाम नो-मैपिंग अथवा तार्किक विसंगतियों की श्रेणी में आए हैं, वे सूची प्रदर्शित होने की तिथि से 10 दिनों के भीतर आपत्तियां व्यक्तिगत रूप से दे सकते हैं।

मंडलायुक्त, डीएम और एसडीएम करेंगे औचक निरीक्षण

सीईओ रिणवा ने शहरी क्षेत्रों में कामकाजी दंपतियों की सुविधा को देखते हुए अवकाश के दिनों में भी सुनवाई आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही मंडलायुक्त (रोल ऑब्जर्वर), जिला निर्वाचन अधिकारी और उप जिला निर्वाचन अधिकारियों को सुनवाई केंद्रों का औचक निरीक्षण कर समीक्षा करने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रत्येक सुनवाई केंद्र पर हेल्प डेस्क स्थापित करने के दिए निर्देश

नवदीप रिणवा ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देशित किया है कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार सुनवाई से संबंधित सभी अभिलेखों और आपत्तियों का सुरक्षित रख-रखाव सुनिश्चित किया जाए। मतदाताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक सुनवाई केंद्र पर हेल्प डेस्क स्थापित करने के निर्देश दिए गए हैं।

अमृत विचार

बरेली , शुक्रवार,13 फरवरी 2026

विधानसभा में गूंजे एआई व किन्नर कल्याण के मुद्दे

बजट सत्र का चौथा दिन : विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना बोले, एआई का दुरुपयोग राजनीति के लिए खतरनाक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: बजट सत्र के चौथे दिन गुरुवार को विधानसभा में प्रश्नकाल शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। न तो किसी दल ने वॉकआउट किया और न ही कोई सदस्य वेल में आया। कार्यवाही के दौरान किन्नर समुदाय, एआई तकनीक के दुरुपयोग और औद्योगिक निवेश जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा हुई।

सपा विधायक अतुल प्रधान ने नियम-300 के तहत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के दुरुपयोग का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि एआई एक खतरनाक तकनीक बनती जा रही है और इसके जरिए किसी व्यक्ति की आवाज और चेहरा हूबहू नकल कर गलत संदेश फैलाए जा सकते हैं। उन्होंने बताया कि इस संबंध में उन्होंने अपने जिले के एसएसपी से शिकायत की थी, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। सपा विधायक के आग्रह पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना को मामले का संज्ञान लेने के निर्देश दिए। अध्यक्ष ने कहा कि एआई का दुरुपयोग खासतौर पर राजनीति में सक्रिय लोगों को प्रभावित कर सकता है, इसलिए ऐसी शिकायतों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा- एआई पर लेंगे विधिक राय

इससे पहले सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री सुनील कुमार शर्मा ने कहा कि इस विषय पर केंद्र सरकार ने 10 फरवरी 2026 को दिशा-निर्देश जारी किए हैं और उन्हीं के अनुसार कार्रवाई की जा सकती है। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि विधिक राय लेने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

किन्नर समुदाय के मुद्दे पर असीम अरुण हुए तल्ख

प्रश्नकाल में सपा विधायक सचिन यादव ने किन्नर (ट्रांसजेंडर) समुदाय से जुड़े मुद्दे को सदन में उठाया। उन्होंने कहा कि किन्नर समाज के लोगों को शिक्षा, राशन कार्ड, स्वास्थ्य और रोजगार जैसी बुनियादी सुविधाएं आज भी समुचित रूप से नहीं मिल पा रही हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सरकार ने ट्रांसजेंडर कल्याण आयोग तो बनाया है, लेकिन उसके अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सचिव पुरुष हैं, जिससे इस वर्ग को न्याय मिलना कठिन है। जवाब देते हुए समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने कहा कि लोकतंत्र के मंदिर में यह इस तरह का पहला सवाल है। उन्होंने बताया कि थानों में इस समुदाय के लिए अलग सेल बनाई गई है, किन्नर समाज के लोग आज स्कूलों और विश्वविद्यालयों में पढ़ाई कर रहे हैं तथा पहचान सुनिश्चित करने के लिए ट्रांसजेंडर कार्ड बनाए जा रहे हैं। स्वास्थ्य सुविधा के तहत आयुष्मान कार्ड भी उन्हें उपलब्ध कराए गए हैं। इसके अलावा ट्रांसजेंडर महोत्सव आयोजित कर उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं।

कानून-व्यवस्था को लेकर सपा का परिषद से वॉकआउट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **नियम 105 के तहत सपा सदस्यों ने उठाए सवाल सत्तापक्ष के जवाब से असंतुष्ट सदस्यों ने की नारेबाजी**

अमृत विचार : विधान परिषद में बजट सत्र के चौथे दिन गुरुवार को कानून-व्यवस्था को लेकर जोरदार हंगामा हुआ। सपा विधायकों ने आरोप लगाया कि राज्य में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है और महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा खतरे में है। सत्तापक्ष से मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने 2016 और 2025 में अपराधिक आंकड़ों का तुलनात्मक विवरण पेश करना शुरू किया, विरोध करते हुए नेता विरोधी दल लाल बिहारी यादव के नेतृत्व में सपा सदस्यों ने सदन से सामूहिक वॉकआउट कर दिया।

सदन में प्रश्नकाल के बाद नियम-105 अंतर्गत सपा के मुकुल यादव ने प्रदेश की गिरती कानून व्यवस्था और बढ़ते अपराध का मुद्दा उठाया, सपा के अन्य सदस्यों में आशुतोष सिन्हा ने जौनपुर में दो पुलिस कर्मियों द्वारा मोबाइल चोरी की घटना समेत विभिन्न जिलों में घटित कई अपराधिक घटनाओं से प्रदेश की कानून व्यवस्था को तार-तार दिखाने का प्रयास किया। राज्य सरकार की तरफ से मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने बताया कि वर्ष 2016 में प्रदेश की हालत किसी से छिपी नहीं है, योगी सरकार में आजमगढ़ से मां-बेटी रात 12 बजे भी सफर कर रही हैं। अब फावड़ा भी चोरी नहीं हो सकता है, जबकि पहले तो ट्रैक्टर उठा लेते थे। वर्ष 2017 के बाद एक भी दंगा नहीं हुआ है, सपा सदस्य किरण पाल कश्यप ने सरकार की बयानबाजी का विरोध करते हुए कहा कि दंगा कराने वाले सरकार चला रहे हैं, हम सपाई दंगा नहीं कराते हैं, नेता विरोधी दल ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं के साथ घटित 55292 मामलों को लेकर सरकार जवाब नहीं दे रही है, गुमराह कर रही है और सदन छोड़ दिया।

इसके अलावा 105 अंतर्गत निर्दलीय राज बहादुर सिंह चंदेल ने संविदा शिक्षकों के खाते में सीधे मानदेय देने का मुददा उठाया, सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह के हस्तक्षेप के बाद बेसिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने आश्वासन दिया। शिक्षक नेता ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने 2002 से नियुक्त विषय विशेषज्ञों को पुरानी पेंशन व्यवस्था में शामिल करने का मुद्दा उठाया, मंत्री गुलाब देवी ने आश्वासन दिया।

विधानसभा में मंत्रियों के जवाब...

2017 से पहले अपराध था उद्योग : नंदी

मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी

अमृत विचार, लखनऊ : विधानसभा के बजट सत्र 2026-27 के चौथे दिन औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने सपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि 2017 से पहले प्रदेश में उद्योग की परिभाषा अपहरण, गुंडा टैक्स और अपराध तक सीमित थी, जबकि आज उद्योग की पहचान निवेश, निर्यात और आर्थिक समृद्धि से होती है। विधायकों के तारांकित प्रश्नों का उत्तर देते हुए मंत्री नंदी ने कहा कि 2016-17 में प्रदेश का सकल घरेलू उत्पाद 13 .30 लाख करोड़ रुपये था, जो 2024-25 में बढ़कर 30 .25 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया है। इस प्रकार जीएसडीपी में 127 प्रतिशत की ऐतिहासिक वृद्धि दर्ज हुई है। उन्होंने बताया कि 2018 से अब तक चार ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के माध्यम से 12 .10 लाख करोड़ रुपये की लागत से 16,478 औद्योगिक इकाइयों की ग्राउंडिंग हुई, जिनमें से 6,352 इकाइयों ने उत्पादन शुरू कर दिया है।

ओडीओपी से 3.16 लाख को रोजगार : सचान

मंत्री राकेश सचान

अमृत विचार, लखनऊ : विधानसभा में प्रश्नों का उत्तर देते हुए सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री राकेश सचान ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में शुरू की गई 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' (ओडीओपी) योजना ने प्रदेश के पारंपरिक कारीगरों और उत्पादकों को नई पहचान दी है। उन्होंने बताया कि अब तक 1.31 लाख कारीगरों को नि :शुल्क प्रशिक्षण और टूल किट दी गई है। सहारनपुर में 2275 कारीगरों को प्रशिक्षित किया गया और 454 लाभार्थियों को 16 .26 करोड़ रुपये की मार्जिन मनी वितरित की गई। मंत्री सचान ने कहा कि वर्ष 2017-18 में प्रदेश का निर्यात 86 हजार करोड़ रुपये था, जो बढ़कर 1 .86 लाख करोड़ रुपये हो गया है, जिसमें लगभग 50 प्रतिशत योगदान ओडीओपी और हस्तशिल्प उत्पादों का है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2018 से अब तक ओडीओपी योजना के माध्यम से 3 .16 लाख लोगों को रोजगार मिला है और इसकी सफलता को देखते हुए इसे देशभर में लागू किया गया है।

पात्र विद्यार्थी छात्रवृत्ति से वंचित नहीं रहेगा: कश्यप

मंत्री नरेंद्र कश्यप

अमृत विचार, लखनऊ : पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप ने विधानसभा में कहा कि योगी सरकार में पिछड़े वर्ग के एक भी पात्र छात्र-छात्रा को छात्रवृत्ति से वंचित नहीं रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि वर्तमान में छात्रवृत्ति के लिए आय सीमा 2 लाख रुपये है, जिसे सरकार निरंतर लागू रखे हुए है। वर्ष 2023-24 से अब तक एक भी पात्र छात्र छात्रवृत्ति से वंचित नहीं रहा है। मंत्री कश्यप ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार में विभाग का बजट 1286 करोड़ रुपये था, जो अब बढ़कर लगभग 3500 करोड़ रुपये हो गया है। यह लगभग तीन गुना वृद्धि है। उन्होंने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष में 38 लाख छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति देने का लक्ष्य रखा गया है और छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए धन की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। मंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार केवल घोषणाओं में नहीं, बल्कि धरातल पर काम करने में विश्वास रखती है।

विवि संशोधन विधेयक पुरस्थापित : उपाध्याय

उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय

अमृत विचार, लखनऊ : उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने विधानसभा में उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक 2026 और द्वितीय संशोधन विधेयक 2026 को पुरस्थापित किया। सदन ने बहुमत से दोनों विधेयकों को पुरस्थापित करने की अनुमति प्रदान की। मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार उच्च शिक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि इन संशोधन विधेयकों के माध्यम से विश्वविद्यालयों के प्रशासनिक और शैक्षणिक ढांचे को और सुदृढ़ किया जाएगा, जिससे शैक्षणिक अनुशासन, जवाबदेही और शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार होगा।

लोकलेखा समिति के तीन प्रतिवेदन विस में पेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **कैग की रिपोर्टों में ऑडिट आपत्तियों के आधार पर किए गए तैयार**

अमृत विचार: विधानसभा के बजट सत्र के चौथे दिन गुरुवार को सदन में लोकलेखा समिति (पीएसी) के तीन प्रतिवेदन प्रस्तुत किए गए। ये प्रतिवेदन भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्टों में दर्ज ऑडिट आपत्तियों के आधार पर तैयार किए गए हैं। लोकलेखा समिति ने संबंधित विभागों की कार्यप्रणाली, वित्तीय अनुशासन और सार्वजनिक धन के उपयोग की गहन समीक्षा के बाद अपनी सिफारिशें सदन के पटल पर रखीं।

सदन में प्रस्तुत पहला प्रतिवेदन कैग की उस रिपोर्ट पर आधारित है, जो 31 मार्च 2010 को समाप्त वर्ष के लिए थी और जिसमें कृषि विभाग से जुड़ी ऑडिट आपत्तियों का उल्लेख है। समिति ने कृषि योजनाओं के क्रियान्वयन, बजट उपयोग और प्रक्रियागत खामियों पर टिप्पणी करते हुए विभाग से स्पष्ट जवाबदेही तय करने की सिफारिश की है। दूसरा प्रतिवेदन 31 मार्च 2011 को समाप्त वर्ष की कैग रिपोर्ट पर आधारित है, जिसमें पंचायती राज विभाग से संबंधित ऑडिट आपत्तियों को शामिल किया गया है। इस प्रतिवेदन में ग्राम पंचायतों से लेकर जिला स्तर तक वित्तीय प्रबंधन, कार्यों के निष्पादन और अभिलेखों के रख-रखाव में पाई गई अनियमितताओं की ओर ध्यान दिलाया गया है। समिति ने पंचायत स्तर पर पारदर्शिता और निगरानी व्यवस्था को मजबूत करने की आवश्यकता रेखांकित की है। तीसरा प्रतिवेदन 31 मार्च 2014 को समाप्त वर्ष की कैग रिपोर्ट पर आधारित है, जो सामान्य (जनरल एवं सोशल सेक्टर) से संबंधित ऑडिट आपत्तियों पर केंद्रित है।

तेल और गरम तासीर वाले पदार्थों का कम सेवन करे विपक्ष, गुस्सा नहीं आएगा : पाठक

विधान परिषद में उप मुख्यमंत्री ने सपा नेताओं को लिया आड़े हाथ

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

सदन में बोलते उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक।

अमृत विचार : उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक विधान परिषद में गुरुवार को प्रश्नकाल में प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं के मुद्दे पर सपा सदस्यों को जवाब दे रहे थे। उन्होंने नेता विरोधी दल समेत अन्य सदस्यों को तेल और गरम तासीर वाली पदार्थों का कम सेवन की सलाह देते हुए कहा कि इससे गुस्सा जल्दी आता है और शरीर बीमार होता है।

ब्रजेश पाठक ने कहा कि प्रकृति द्वारा शरीर को अनुमन्य भोज्य पदार्थों का ही सेवन करना चाहिए, शारीरिक श्रम जरूर करना चाहिए। कोई काम न हो तो खुद को घर के काम में व्यस्त रखकर स्वस्थ रहें। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार गंभीर रोगों से ग्रसित रोगियों के लिए लगातार काम कर रही है। हर जिले में मेडिकल कॉलेज की सुविधा है। हमारे पास गोरखपुर और रायबरेली में दो एम्स हैं, जो रोगियों का गुणवत्तापूर्ण इलाज कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मानक विहीन चिकित्सालयों के विरुद्ध विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जाती रहती है। वर्तमान में प्रदेश में 16520 चिकित्सक तैनात हैं। नए चिकित्सकों की तैनाती भी की जा रही है।

ब्राह्मणों के सम्मान को लेकर उठाए सवाल

अमृत विचार : विधान परिषद में सपा सदस्यों ने पीडीए के साथ ही ब्राम्हण कार्ड भी खेला, प्रश्नकाल में सपा के मुकुल यादव ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को स्नान करने से रोके जाने का मुद्दा उठाया, उन्होंने रामचरित मानस की चौपाई का वाचन करते हुए कहा कि शिखा काटना ही ब्राम्हण की मृत्यु समान होता है। प्रदेश में आराजकता का माहौल है, इस पर सत्तापक्ष कहा कि 2015 में सपा सरकार ने उन पर लाठीचार्ज करवाया था।

इलाज डॉक्टरों से मिलता है इमारत से नहीं : विधान परिषद में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक सपा सदस्य आशुतोष सिन्हा पर जमकर बरसे। सपा सरकार के कामकाज को कुकर्म बताते हुए गाय-पड़वा की एक देशी कहानी सुनाकर तंज भी कसा। उन्होंने कहा कि सपा ने मेट्रो ही नहीं, अस्पतालों की इमारतें बनवाईं, मगर डॉक्टर की व्यवस्था नहीं की, उनका चलाने का कोई इरादा नहीं था, सिर्फ ठेकेदारी व लूट का खेल खेला गया। उप मुख्यमंत्री प्रश्नकाल में सपा के आशुतोष सिन्हा के कन्नौज मेडिकल कॉलेज में हृदय और कैंसर हास्पिटल में पद व उपलब्ध इलाज के मुद्दे पर जवाब दे रहे थे, उन्होंने कहा कि सिर्फ बिल्डिंग से अस्पताल नहीं चलता। बिल्डिंग बनाकर छोड़कर चले गए। उन्होंने कहा कि अभी सहायक शिक्षकों की संख्या पर्याप्त है, चार साल की सेवाएं देने के बाद ये प्रमोशन के बाद असिस्टेंट प्रोफेसर और प्रोफेसर बन जाएंगे, शिक्षकों की कमी दूर हो जाएगी।

एएम ग्रुप और इन्वेस्ट यूपी के बीच एमओयू

289 एकड़ में कार्बन-फ्री डेटा सेंटर, 2030 तक एक गीगावॉट क्षमता से संचालन का लक्ष्य

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

एएम ग्रुप के प्रतिनिधियों को लेटर ऑफ इंटेंट सौंपते यीडा के सीईओ। अमृत विचार

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप प्रदेश को देश का अग्रणी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर हब बनाने की दिशा में एक बड़ी पहल हुई है। राज्य सरकार की निवेश प्रोत्साहन एजेंसी इन्वेस्ट यूपी और एएम ग्रुप के बीच एक गीगावॉट हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूट (एचपीसी) एवं एआई हब की स्थापना के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

गुरुवार को यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी राकेश कुमार सिंह ने एएम ग्रुप के प्रतिनिधियों को लेटर ऑफ इंटेंट (एलओआई) सौंपा। यीडा द्वारा सेक्टर-28 में 114 एकड़ और सेक्टर-8डी में 175 एकड़, कुल 289 एकड़ भूमि के लिए एलओआई जारी किया गया है। इस भूमि पर अत्याधुनिक, वैश्विक मानकों वाला एआई एवं हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग हब विकसित किया जाएगा। परियोजना यीडा क्षेत्र में चरणबद्ध तरीके से स्थापित की जाएगी, जिसमें लगभग 25 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश का प्रस्ताव है।

परियोजना के तहत लगभग पांच लाख हाई-परफॉर्मेंस चिपसेट्स से युक्त डेटा सेंटर विकसित किया जाएगा, जो 24×7 कार्बन-फ्री ऊर्जा पर आधारित होगा। इसके लिए पवन ऊर्जा, सौर ऊर्जा और पम्प्ड स्टोरेज जैसी स्वच्छ ऊर्जा प्रणालियों का उपयोग किया जाएगा। पहले चरण का संचालन वर्ष 2028 तक शुरू करने का लक्ष्य है, जबकि वर्ष 2030 तक पूर्ण 1 गीगावॉट क्षमता प्राप्त करने की योजना है।

पर्यटन विकास पारदर्शिता के साथ होगा: जयवीर

अमृत विचार, लखनऊ : विधानसभा के बजट सत्र 2026-27 के चौथे दिन विधान परिषद में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने प्रदेश में पर्यटन विकास को लेकर सरकार की नीति और प्राथमिकताओं को स्पष्ट किया। सदस्यों द्वारा उठाए गए प्रश्नों का तथ्यात्मक उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि पर्यटन स्थलों का विकास निर्धारित गाइडलाइन, बजट की उपलब्धता और निर्विवाद, निःशुल्क भूमि की शर्तों के आधार पर ही किया जाता है। मंत्री ने ललितपुर, सीतापुर, झांसी और मिर्जापुर के धार्मिक एवं आस्था केंद्रों के संबंध में बताया कि बुनियादी पर्यटक सुविधाएं- जैसे शौचालय, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और साइनेज ही पर्यटन विभाग के दायरे में आती हैं, जबकि जीर्णोद्धार एवं संरचनात्मक कार्य वर्तमान गाइडलाइन्स में अनुमन्य नहीं हैं।

ब्रह्मोस के संग 'हार्ड पावर' विजन का संदेश

- **मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर बदली कवर इमेज**

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में अब तक का सबसे बड़ा बजट पेश करने वाली सरकार के मुखिया योगी आदित्यनाथ ने 'नए यूपी' की बढ़ती ताकत का संकेत दिया। बजट 2026-27 के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कवर इमेज बदल दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ब्रह्मोस संग अपनी फोटो लगाकर 'हार्ड पावर' विजन का संदेश दिया। सोशल मीडिया हैंडल पर मुख्यमंत्री का यह संदेश बताता है कि लखनऊ में ब्रह्मोस निर्माण के जरिए उत्तर प्रदेश एक तरफ रक्षा उत्पादन का उभरता वैश्विक हब हो गया है।

श्रृंगवेरपुर को मिलेगा अयोध्या जैसा वैभव

अमृत विचार, लखनऊ : रामनगरी अयोध्या की तर्ज पर निषादराज की राजधानी श्रृंगवेरपुर को भव्य और आकर्षक रूप दिया जा रहा है। प्रयागराज जिले के इस ऐतिहासिक व पौराणिक स्थल पर निषादराज गुह्य सांस्कृतिक केंद्र का निर्माण तेज गति से जारी है। उप्र. संस्कृति विभाग की इस परियोजना की लागत 19.61 करोड़ रुपये है और लगभग 70 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि इस परियोजना में लगभग 400 लोगों की क्षमता वाला आधुनिक ऑडिटोरियम भी है, जहां विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। ऑडिटोरियम में स्टेप स्लैब का काम प्रगति पर है और ब्रिकवर्क पूरा हो चुका है। साथ ही पूरे परिसर में आर्किटेक्चरल व स्ट्रक्चरल कार्य, विद्युत और आंतरिक जल आपूर्ति की व्यवस्था की जा रही है।

नए बिजली कनेक्शन पर वसूले गए 6016 रुपये समायोजित हों

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने नए बिजली कनेक्शनों पर स्मार्ट प्रीपेड मीटर के नाम पर की गई 6016 प्रति उपभोक्ता की अतिरिक्त वसूली के समायोजन और अविकसित कॉलोनियों में बिजली कनेक्शन संबंधी नियमों में संशोधन की मांग उठाई है। यह प्रस्ताव परिषद के अध्यक्ष एवं सप्लाई को रिव्यू पैनल सब कमेटी के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष से मुलाकात कर दिया है। परिषद के अध्यक्ष ने गुरुवार को बताया कि 31 दिसंबर से प्रदेश में नई कॉस्ट डाटा बुक लागू की गई है, लेकिन उससे पूर्व बिना आयोग की अनुमति के स्मार्ट प्रीपेड मीटर के नाम पर प्रति उपभोक्ता 6016 की वसूली की गई।

पायलट प्रोजेक्ट | लाभार्थियों को नहीं भरना होगा फार्म, पोर्टल कर लेगा ट्रेस

फैमिली आईडी से ऑटोमेटिक बनेगी वृद्धा पेंशन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- **गोरखपुर, कन्नौज, हरदोई ललितपुर व गाजियाबाद में शुरू होगी व्यवस्था**

अमृत विचार : नियोजन विभाग की तरफ से चल रहा अभियान ''एक परिवार एक पहचान'' के तहत फैमिली आईडी बनवाने वाले बुजुर्ग लाभार्थियों को वृद्धा पेंशन के लिए न कोई आवेदन करना होगा, न ही कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ेंगे। बल्कि उनकी फैमिली आईडी से उम्र और आय के आधार पर ऑटोमेटिक वृद्धा पेंशन का फार्म भर जाएगा। सिर्फ लाभार्थी की सहमति लेकर उसकी बायोमेट्रिक कराकर पेंशन स्वीकृत कर दी जाएगी।

समाज कल्याण विभाग ये नई व्यवस्था पायलट प्रोजेक्ट के रूप में गोरखपुर, कन्नौज, हरदोई, ललितपुर व गाजियाबाद में शुरू करेगा। इन जिलों में एनआईसी पोर्टल विकसित कर रहा है। नये पोर्टल पर समाज कल्याण विभाग और साथ फैमिली आईडी का विवरण लिंक होगा। यदि फैमिली आईडी में 60 वर्ष से ऊपर का कोई लाभार्थी पेंशन योजना से वंचित होगा तो उसका विवरण समाज कल्याण विभाग से ट्रेस होकर ऑटोमेटिक फार्म भर जाएगा। इसके अलावा जो पहले से पेंशन पा रहे या अपात्र हैं, उन्हें लाभ नहीं मिलेगा। साथ ही डुप्लीकेसी रुकेगी। इससे बिना भागदौड़ और आसानी से घर बैठे बुजुर्गों की पेंशन बनेगी। आगे अन्य योजनाओं में फैमिली आईडी से चयन होगा। अभियान के तहत केंद्र व राज्य के 32 विभागों की 98 महत्वपूर्ण योजनाएं फैमिली आईडी के डाटाबेस के साथ इंटीग्रेट हो चुकी हैं।

एक नजर में आंकड़े

- प्रदेश में पेंशनर - 65 .50 लाख
- फैमिली आईडी से सृजित 4 करोड़ परिवार
- फैमिली आईडी सृजित 15 .62 करोड़ व्यक्ति

पोर्टल आय और उम्र से करेगा ट्रेस व बायोमेट्रिक

अब आय समेत अन्य प्रमाण पत्र आधार प्रमाणिक बनते हैं। इस आधार पर नया पोर्टल फैमिली आईडी के पेंशन से वंचित लाभार्थियों की उम्र और आय ट्रेस करके उनका ऑटोमेटिक फार्म भरेगा। इसके बाद लाभार्थी की सहमति लेकर उसका बायोमेट्रिक कराया जाएगा। इससे पात्रता संबंधित पूरी जांच भी हो जाएगी। इस योजना का मकसद जरूरतमंदों का बिना दौड़भाग के ऑटोमेटिक पेंशन का फार्म भरकर लाभान्वित करना है।

भाजपा सरकार ने देश का बाजार विदेशियों को सौंप दिया : अखिलेश

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि ये 'डील' वो 'डाल' है, जिसको उस पर बैठने वाला ही काट रहा है। ये डील हमारे देश की सिर्फ खेती-मज़दूरी ही नहीं, बल्कि हर तरह के पैदावार-उत्पादन, काम-कारोबार और रोज़गार के खिलाफ है। अब भाजपा के वो संगी-साथी कहां भूमिगत हो गये हैं, जो स्वदेशी का नारा लगाते थे। आत्मनिर्भरता की जगह भाजपाइयों को 'परनिर्भरता' का नारा अपना लेना चाहिए। सपा प्रमुख ने गुरुवार को कहा कि भाजपा सरकार ने देश का बाजार विदेशियों को सौंप दिया है। इससे खेती किसानी और किसानों का बड़े पैमाने पर नुकसान होगा।

छूटे तीन करोड़ बच्चों को आज खिलाई जाएगी दवा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **राष्ट्रीय कृमि मुक्ति अभियान का मॉपअप राउंड आज**

अमृत विचार: राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर प्रदेश में 6.7 करोड़ बच्चों ने पेट के कीड़ों से बचाव की दवा एल्बेंडाजाल खाई। छूट गए बच्चों के लिए शुक्रवार को मापअप राउंड चलाया जाएगा। विशेषज्ञों का कहना है कि पेट में कीड़े रहने से बच्चे कुपोषित हो जाते हैं। इसलिए बचे सभी 1 से 19 साल आयु के बच्चे शुक्रवार को दवा का सेवन जरूर करें।

एसजीपीजीआई की वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डॉ पियाली भट्टाचार्य के अनुसार बच्चों के पेट में कीड़े होने पर वे आंतों में खून चूसते हैं। एल्बेंडाजाल सीधे कीड़े को मारने का काम करती है। दवा खाने के बाद पेट में मौजूद कीड़े मचलते हैं। इससे उल्टी, पेट दर्द की शिकायत हो सकती है। इसलिए इससे घबराने की जरूरत नहीं है। इन दुष्प्रभावों को घर पर रहकर की ठीक किया जा सकता है। राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के महाप्रबंधक डॉ. सतीश कुमार गौतम ने गुरुवार को बताया कि एल्बेंडाजाल सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त एवं निजी विद्यालयों तथा आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से खिलाई जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

नयना देवी मंदिर की छवि धूमिल करने का आरोप, तहरीर सौंपी

नैनीताल, अमृत विचार : मां नयना देवी मंदिर की छवि को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से सोशल मीडिया पर सुनियोजित अभियान चलाए जाने का आरोप लगाया गया है। इस संबंध में श्री मां नयना देवी मंदिर अमर उदय ट्रस्ट, नैनीताल की ओर से कोतवाली मल्लीताल में तहरीर दी गई है। ट्रस्ट के अध्यक्ष राजीव लोचन साह के अनुसार, कुछ समय पूर्व एक मुस्लिम दंपति द्वारा गलतफहमी में जूते पहनकर मंदिर के मुख्य द्वार से भीतर प्रवेश करने की घटना सामने आई थी।

अधिवक्ता के परिवार को पांच करोड़ मुआवजा की मांग

रामपुर, अमृत विचार : जिला पंचायत कार्यालय में अधिवक्ता की हत्या के मामले में गुरुवार को बार एसोसिएशन रामपुर के पदाधिकारियों सहित काफी संख्या में अधिवक्ताओं ने मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग की है। रामपुर शहर से लेकर जिले की सभी तहसीलों में अधिवक्ताओं ने मामले को प्रदर्शन किया और ज्ञापन सौंपे। कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में शोक सभा आयोजित की गई। इसमें बार एसोसिएशन अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद लोधी सहित पूर्व अध्यक्ष श्यामलाल व सतनाम सिंह मट्टू सहित काफी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे। अधिवक्ताओं ने हत्या की निंदा की और मामले में परिजनों को पांच करोड़ रुपये की आर्थिक मदद की मांग की है।

मुठभेड़ में पकड़े गए दो गोमांस तस्कर

पीलीभीत, अमृत विचार : एसओजी टीम की मदद से पूरनपुर कोतवाली पुलिस ने मुठभेड़ के बाद दो गोमांस तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। दोनों के पैर में गोली लगी। एक अन्य महिला भी गिरफ्तार की गई। उसकी भी गोकशी की घटना में संलिप्तता बताई जा रही है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर तीनों के खिलाफ कार्रवाई की है। गोकशी की घटनाओं की रोकथाम के लिए एसपी के निर्देश पर सख्ती की जा रही है।

सामूहिक दुष्कर्म के दो आरोपी गिरफ्तार

पीलीभीत,अमृत विचार : चाचा के घर से लौट रही 15 वर्षीय किशोरी को अगवा कर सामूहिक दुष्कर्म करने के मामले में अमरिया पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पूर्व में ही एक नाबालिग आरोपी को भी गिरफ्तार कर पुलिस कार्रवाई कर चुकी है। घटना अमरिया क्षेत्र में हुई थी। यहां के एक ग्रामीण ने बीते दिनों पुलिस को दी तहरीर में बताया था कि नौ फरवरी की सुबह 11 बजे उसकी 15 वर्षीय पुत्री अपने चाचा के घर गई थी। पड़ोस की एक महिला के आने के बाद उसकी पुत्री दरवाजे पर पहुंची। तभी पहले से घात लगाकर खड़े सलमान शाह पुत्र रियासत शाह ने उसकी पुत्री को तमंचा दिखाकर धमकाया।

देवरिया जेल से रिहा हुए अमिताभ ठाकुर

देवरिया, एजेंसी : देवरिया जिले में दस दिसंबर से जिला कारागार में निरुद्ध पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) के आदेश के बाद रिहा कर दिया। देवरिया के जेल अधीक्षक आशीष रंजन ने बताया कि जमानतदारों का सत्यापन कराने के बाद सीजेएम अदालत ने पूर्व आईपीएस की रिहाई का आदेश दिया तथा फिर उन्हें बुधवार शाम जेल से रिहा कर दिया गया। सूत्रों ने बताया कि जेल से निकलने के बाद पूर्व आईपीएस रिश्तेदारों के साथ चले गये।

विवाह के बाद भी महिला की जन्मजात जाति में कोई परिवर्तन नहीं होता: हाईकोर्ट

विवाह या धर्म परिवर्तन से नहीं बदलती जाति

विधि संवाददाता,प्रयागराज

अमृत विचार: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जाति निर्धारण के मुद्दे पर महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा है कि जन्म के समय प्राप्त जाति व्यक्ति के साथ बनी रहती है, भले ही वह धर्म परिवर्तन कर ले या विवाह कर ले। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि विवाह के बाद भी महिला की जन्मजात जाति में कोई परिवर्तन नहीं होता। उक्त टिप्पणी न्यायमूर्ति अनिल कुमार (दशम) की एकलपीठ ने दिनेश व आठ अन्य द्वारा दाखिल आपराधिक अपील को खारिज करते हुए की।

अपील में अलीगढ़ के विशेष न्यायाधीश (एससी/एसटी अधिनियम) के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसके तहत अपीलकर्ताओं को भारतीय दंड संहिता की धाराओं 323, 506, 452, 354 तथा एससी/एसटी अधिनियम की धारा 3(1)(r) के अंतर्गत मुकदमे की सुनवाई के दौरान तलब किया गया था।मामले के अनुसार शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि अपीलकर्ताओं ने उसके साथ मारपीट और दुर्व्यवहार किया तथा विवाद के

दौरान जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया। घटना में उसके सहित तीन लोगों के घायल होने का भी आरोप है। समन आदेश को चुनौती देते हुए अपीलकर्ताओं ने तर्क दिया कि शिकायतकर्ता जन्म से अनुसूचित जाति/जनजाति समुदाय से संबंधित है, लेकिन जाट समुदाय के व्यक्ति से विवाह के बाद उसने अपनी जातिगत स्थिति खो दी है।

उनका कहना था कि विवाह के बाद महिला अपने पति की जाति की मानी जाती है, इसलिए एससी/एसटी अधिनियम के तहत कार्यवाही अनुचित है। उन्होंने यह भी दावा किया कि उनके द्वारा पूर्व में दर्ज कराई गई एफआईआर के प्रतिशोध में वर्तमान शिकायत दर्ज की गई। सरकारी अधिवक्ता ने इन तर्कों का विरोध करते हुए कहा कि शिकायत और एफआईआर में वर्णित घटनाएं एक ही तारीख की हैं। अतः प्रतिशोध का आरोप निराधार है। कोर्ट ने पाया कि निचली अदालत ने शिकायतकर्ता, गवाहों के बयान और चिकित्सीय रिपोर्टों पर विचार करने के बाद समन आदेश पारित किया था। इन्हीं आधारों पर कोर्ट ने माना कि मात्र प्रतिवाद या प्रतिकथन के आधार पर शिकायत को खारिज नहीं किया जा सकता।

विवाह के आधार पर जाति परिवर्तन के तर्क को अस्वीकार करते हुए कोर्ट ने स्पष्ट किया कि धर्म परिवर्तन करने पर भी व्यक्ति की जाति वही रहती है। विवाह से भी किसी व्यक्ति की जाति नहीं बदलती।

दामाद ने सास की गोली मारकर की हत्या

मुरादाबाद, अमृत विचार : मझोला थाना क्षेत्र के जयंतीपुर के मंसूरी कॉलोनी में दामाद ने सास की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने मृतका की बेटी की तहरीर पर आरोपी पति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

रुखसाना

कटघर कोतवाली क्षेत्र के पंडित नगला निवासी गुलनवाज हनीफ की पत्नी साहेबा गृहक्लेश के चलते दो महीने से मझोला थाना के जयंतीपुर मंसूरी कॉलोनी में अपने मायके में रह रही थी। गुरुवार की रात गुलनवाज अपनी पत्नी को लेने ससुराल पहुंचा। परिजन पति-पत्नी के चल रहे विवाद को सुलझाने में लगे थे इसी दौरान पति-पत्नी के बीच कहा सुनी होने लगी। बात बढ़ी और दोनों में में हाथापाई शुरू हो गई। गुलनवाज ने सास रुखसाना के सामने ही साहेबा की पिटाई कर दी। इसके बाद रुखसाना ने साहेबा को ससुराल भेजने से मना कर दिया। भड़के गुलनवाज ने तमंचा निकालकर रुखसाना को गोली मार दी और फरार हो गया।

यदि गिरफ्तारी विधि सम्मत नहीं तो न्यायिक हिरासत भी अवैध

बिना कारण बताए गिरफ़्तारी पर हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

विधि संवाददाता,लखनऊ

हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने एक महत्वपूर्ण निर्णय देते हुए स्पष्ट किया है कि यदि अभियुक्त की गिरफ़्तारी विधि सम्मत नहीं है तो मजिस्ट्रेट द्वारा उसे न्यायिक हिरासत पर लेने का आदेश भी वैध नहीं ठहराया जा सकता। इन टिप्पणियों के साथ कोर्ट ने पॉक्सो के एक मामले में गिरफ्तार अभियुक्त की न्यायिक हिरासत को अवैध करार देते हुए खारिज कर दिया है तथा अभियुक्त को तत्काल रिहा करने का आदेश दिया है।

यह निर्णय न्यायमूर्ति अब्दुल मोईन व न्यायमूर्ति बबीता रानी की खंडपीठ ने प्रतापगढ़ निवासी शिवम चौरसिया की ओर से उसके भाई द्वारा दाखिल बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका को मंजूर करते हुए पारित किया है। याचिका में कहा गया था कि याची को दुराचार व पॉक्सो तथा अन्य आरोपों में अभियुक्त बनाते हुए प्रतापगढ़ के कंधई थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई। आरोप है कि वादी की 17 वर्षीय पुत्री को बहलफुसला कर याची/अभियुक्त ने शारीरिक संबंध बनाए तथा ब्लैकमेल किया। दलील दी गई कि 28 जनवरी 2026 को याची को थाने पर बयान देने के लिए बुलाया गया, वह वहाँ पहुंचा तो उससे अरेस्ट मेमो पर हस्ताक्षर करा लिए गए। गिरफ्तार कर अगले दिन संबंधित मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया, जहां से मजिस्ट्रेट ने भी बिना यह देखे कि अरेस्ट मेमो में याची के गिरफ़्तारी के किसी कारण का उल्लेख नहीं किया गया है, याची को न्यायिक हिरासत में लेते हुए जेल भेज दिया। याचिका का राज्य सरकार के अधिवक्ताओं शिवनाथ तिलहरी व अनुराग वर्मा ने विरोध करते हुए दलील दी कि गिरफ़्तारी के बाद यदि मजिस्ट्रेट ने रिमांड स्वीकार कर लिया है तो यदि गिरफ़्तारी की प्रक्रिया में कोई त्रुटि रह भी गई है तो वह विलुप्त मान ली जाएगी। हालांकि कोर्ट इस दलील दे सहमत नहीं हुई।

न्यायालय का फैसला

न्यायालय ने अपने विस्तृत फैसले में कहा कि मिहिर राजेश शाह मामले में शीर्ष अदालत ने स्पष्ट रूप से यह निर्णय दिया है कि गिरफ्तार किए जा रहे व्यक्ति को गिरफ्तारी के आधारों की जानकारी देना एक संवैधानिक अनिवार्यता है, न कि मात्र औपचारिक प्रक्रिया। वर्तमान मामले में परिलक्षित होता है कि गिरफ्तार करने वाले अधिकारी ने गिरफ्तारी के समय तथा अभियुक्त को रिमांड हेतु मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत करते समय अनिवार्य प्रावधानों तथा सुप्रीम कोर्ट द्वारा प्रतिपादित दिशा-निर्देशों का पालन नहीं किया। फलस्वरूप, उक्त गिरफ्तारी विधि की दृष्टि में अवैध है। ऐसी अवैध गिरफ्तारी के आधार पर याची को न्यायिक अभिरक्षा पर भेजा जाना भी विधिसम्मत नहीं माना जा सकता।

कोडीन सिरप मामले में वाराणसी में 28 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क

वाराणसी,एजेंसी: जिले में पुलिस ने कोडीन युक्त कफ सिरप तस्करी मामले में मुख्य आरोपी शुभम जायसवाल के पिता भोला प्रसाद जायसवाल की करीब 28 करोड़ रुपये की संपत्ति गुरुवार को कुर्क की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संपत्ति कुर्क करने की यह कार्रवाई वाराणसी के आदमपुर थाना इलाके में हुई। पुलिस ने बताया कि भोला प्रसाद जायसवाल झारखंड के रांची में शैली ट्रेडर्स नाम की एक फर्म चलाता था और बड़े पैमाने पर कफ सिरप की तस्करी में कथित तौर पर शामिल था।

पुलिस के मुताबिक, भोला पर वाराणसी और आस-पास के इलाकों में सिरप को गैर-कानूनी तरीके से बेचने के लिए जाली व बनावटी ई-वे बिल बनाने का आरोप है। अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों ने कफ सिरप की बिक्री से काफी मुनाफा कमाया और इन रुपयों से कई अचल संपत्ति खरीदीं। पुलिस ने मामले की जांच के दौरान इन संपत्तियों की पहचान की और कानूनी कार्रवाई की।

पंचायत चुनाव से पूर्व पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन होगा: सरकार

विधि संवाददाता, लखनऊ

- जनहित याचिका पर प्रदेश सरकार ने दिया जवाब

अमृत विचार: हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में एक जनहित पर जवाब देते हुए राज्य सरकार की ओर से कहा गया है कि पंचायत चुनाव से पूर्व पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन कर लिया जाएगा। साथ ही संबंधित कानून के तहत उक्त आयोग के रिपोर्ट के आधार पर ही ओबीसी आरक्षण लागू किया जाएगा। सरकार की ओर से आए उक्त जवाब के आधार पर कोर्ट ने संबंधित याचिका को निस्तारित कर दिया।

यह आदेश न्यायमूर्ति राजन रॉय व न्यायमूर्ति एके चौधरी की खंडपीठ ने स्थानीय अधिवक्ता मोतीलाल यादव की याचिका पर पारित किया। याचिका में कहा गया था कि अक्टूबर 2025 में पिछड़ा वर्ग आयोग का कार्यकाल पूरा हो चुका है, जिसे एक वर्ष का कार्यकाल विस्तार भी दिया गया है। कहा गया कि सुप्रीम कोर्ट ने जयश्री लक्ष्मण राव पाटील मामले में समर्पित आयोग का गठन कर, उक्त आयोग के सर्वे व रिपोर्ट के आधार पर ही स्थानीय चुनावों में आरक्षण लागू किए जाने का आदेश दिया था।

दलील दी गई कि अप्रैल व जुलाई 2026 के मध्य प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव होने हैं, बावजूद इसके अब तक एक समर्पित आयोग का गठन नहीं किया जा सका है।

यह भी दलील दी गई कि छह सदस्यीय आयोग के गठन का मामला कैबिनेट के समक्ष विचाराधीन है। वहीं राज्य सरकार की ओर से पेश अधिवक्ता ने शासन से प्राप्त निर्देशों के आधार पर कोर्ट को बताया कि पंचायत चुनाव से पूर्व पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन कर लिया जाएगा तथा संबंधित कानून के तहत ही चुनाव कराए जाएंगे।

घर वाले थे शोक में वह जिंदा लौट आया

मुरादाबाद,अमृत विचार: जनपद के सिविल लाइंस थाना क्षेत्र की दीवान शुगर मिल से हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। बुधवार को मिल कर्मचारी अरविंद की मशीन की चेन में कटकर मौत होने की खबर से हड़कंप मच गया था। ग्रामीणों के साथ भाकियू सहित अन्य किसान संगठन भी विरोध प्रदर्शन करने मिल पहुंच गए थे।

पुलिस व प्रशासन के अधिकारी दिनभर परिजनों को समझाने में जुटे रहे। बाद में 13 लाख मुआवजा देने के बाद परिजनों ने प्राथमिकी दर्ज नहीं कराई। बुधवार की देर शाम वह खुद ही घर पहुंच गया। जिसके बाद पुलिस ने मौत की झूठी खबर फैलाने वाले कर्मचारी के भाई समेत दो लोगों को जेल भेजा दिया। कर्मचारी से जानकारी लेने के बाद पुलिस ने उसे परिवार वालों को सौंप दिया है। मिल द्वारा परिवार वालों को दी गई सहायता राशि वापस कर दी गई। उत्तमपुर बहलोलपुर गांव का रहने वाला अरविंद कुमार भाई जितेंद्र के साथ दीवान शुगर मिल अगवानपुर सीजनल कर्मचारी के तौर पर कार्य करता था।

ट्रैक्टर-ट्रॉली भिड़ंत में तीन बच्चों की मौत, 18 घायल

संवाददाता, बिसौली (बदायूं)

अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र में एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी। हादसे में ट्राली सवार कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में तीन बच्चों की मौत हो गई जबकि 18 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को बिसौली के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती कराया गया है। मौत की सूचना पर परिजनों में चीत्कार मचा है।

थाना वजीरगंज क्षेत्र में आंवला मार्ग स्थित गांव उरैना के एक परिवार में शादी होनी थी। परिवार, रिश्तेदार और ग्रामीण गुरुवार देर शाम भात मांगने के लिए उघैती क्षेत्र के गांव खितौरा जा रहे थे। देर शाम उघैती के गांव सिद्धपुर बरौलिया के पास विपरीत दिशा से आए ट्रैक्टर ने उनके ट्रैक्टर-ट्रॉली को टक्कर मार दी। मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे में उरैना की ट्रैक्टर-ट्रॉली सवार 20-25 लोग गंभीर रूप से घायल

हादसे के बाद मौके पर खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली।

- थाना उघैती क्षेत्र में गुरुवार देर शाम गांव सिद्ध बरौलिया के पास हुआ हादसा

हो गए। सूचना पर पुलिस पहुंची। घायलों को बिसौली सीएचसी पर लाया गया। जहां चिकित्सक ने उरैना निवासी राखी (12) पुत्री गिरधारी, पूजा (13) पुत्री मदन लाल और नितिन (13) पुत्र उपेंद्र को मृत घोषित कर दिया। बाकी के घायलों का इलाज किया जा रहा है। सूचना मिलने पर एसपी देहात डॉ. ह्रदेश कठेरिया, सीओ बिसौली सुनील कुमार और एसडीएम राशि कृष्णा ने घायलों का हाल जाना।

नरौली में सरकारी जमीन पर बना मदरसा ध्वस्त

कार्यालय संवाददाता,संभल

अमृत विचार : नरौली कस्बे में मोहल्ला बंजारी कुआं में सरकारी जमीन पर बनाये गये दारूल उलूम मदरसे को ध्वस्त करा दिया गया। कार्रवाई के दौरान भारी पुलिस बल, पीएसी और दमकल विभाग की टीम तैनात रही।

नरौली में गाटा संख्या 1635 एवं 1636 राजस्व अभिलेखों में खाद के गड्ढे और रास्ते के रूप में दर्ज है। इस जमीन पर मदरसे का निर्माण किया गया वहीं सात-आठ मकान भी बना लिये गये। संबंधित पक्षों को दो बार नोटिस जारी कर समय भी दिया गया, लेकिन निर्माण नहीं हटाया गया। गुरुवार सुबह साढ़े दस बजे एसडीएम चंदौसी आशुतोष तिवारी, सीओ मनोज कुमार सिंह व नायब तहसीलदार सतेंद्र चाहर भारी पुलिस बल के साथ पहुंचे। पुलिस व आरआरएफ को मदरसे के चारों तरफ तैनात कर दिया गया। आसपास के मकानों की छत पर भी पुलिस तैनात कर दी। इसके बाद मदरसे पर बुलडोजर एक्शन शुरु हुआ। दोपहर एक बजे तक दो बुलडोजर से मदरसे को जमींदोज कर दिया गया।

संभल के नरोली में मदरसे के निर्माण को ध्वस्त करते दो बुलडोजर। ● अमृत विचार

- नरौली में प्रशासन ने दारूल उलूम मदरसे पर की कार्रवाई

थाना बनियाठेर प्रभारी मनोज कुमार, थाना हजरतनगर गढ़ी प्रभारी सुधीर पंवार, थाना कुढ़ फतेहगढ़ प्रभारी लोकेन्द्र त्यागी, चंदौसी कोतवाली पुलिस सहित चार-पांच थानों का फोर्स तैनात रहा। सीओ चंदौसी मनोज कुमार सिंह ने बताया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया था। पूरी कार्रवाई के दौरान स्थिति नियंत्रण में रही। वही कार्रवाई पूरी होने के बाद एसडीएम आशुतोष तिवारी ने बताया कि संबंधित भूमि खाद के गड्ढे और सार्वजनिक रास्ते के रूप में दर्ज है। अवैध निर्माण के विरुद्ध पूर्व में नोटिस देकर नियमानुसार कार्रवाई की गई थी।

समय सीमा समाप्त होने के बाद निष्पादन की कार्रवाई की गई। अभी मकानों पर कार्रवाई होना शेष है। कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद मकानों को भी हटाने का काम किया जायेगा। सही यही है कि जब निर्माण सरकारी भूमि पर है तो लोगों को खुद ही निर्माण हटाकर सरकारी भूमि से कब्जा छोड़ देना चाहिए। कहा कि सरकारी भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

केजीएमयू में मेडिकल छात्रा के यौन उत्पीड़न के आरोप में एक एडिशनल प्रोफेसर निलंबित

लखनऊ, एजेंसी

- केजीएमयू में इससे पूर्व भी इसी तरह का मामला हुआ था

लखनऊ के किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के एक एडिशनल प्रोफेसर को एक मेडिकल छात्रा का कथित तौर पर यौन उत्पीड़न करने को लेकर निलंबित कर दिया गया है।गुरुवार को एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पिछले साल दिसंबर के बाद से केजीएमयू में यह तीसरी ऐसी शिकायत है। विश्वविद्यालय की आंतरिक शिकायत समिति ने मामले की जांच शुरू कर दी है। केजीएमयू के प्रवक्ता के के सिंह ने एक वीडियो बयान में कहा कि एक एमडी छात्रा ने बुधवार को अपने ही विभाग के एक एडिशनल प्रोफेसर पर कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया।

सिंह ने कहा कि शिकायत को गंभीरता से लेते हुए और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए, आरोपी को निलंबित कर दिया गया है तथा जांच के दौरान विभाग में आने पर उनपर रोक लगा दी गई है। विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने कहा कि आंतरिक शिकायत समिति के नतीजों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। यह मामला केजीएमयू के डॉक्टर डॉ. रमीज़ुद्दीन नाइक उर्फ़ रमीज़ मलिक पर एक सहयोगी महिला चिकित्सक द्वारा यौन शोषण, धर्म परिवर्तन और लव जिहाद के आरोप लगाये जाने पर उसे गिरफ्तार किए जाने के लगभग एक महीने बाद हुआ है। संस्थान ने तब उन्हें नौकरी से निकालने की सिफारिश की थी। जनवरी में एक अलग मामले में, पुलिस ने केजीएमयू के इंटर्न मोहम्मद आदिल को एक नर्सिंग छात्रा से जुड़े कथित दुष्कर्म और ब्लैकमेल मामले में गिरफ्तार किया था।

डबल मर्डर रात को की थी शराब पार्टी, लिव इन पार्टनर्स के हत्यारोपी 4 दोस्त गिरफ्तार

हल्द्वानी में प्रेमी युगल की पत्थरों से कुचलकर हत्या

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

लक्ष्मी

शुभम उर्फ गोलू

- गल्ला मंडी के एक गोदाम की छत पर शराब व ड्रग्स पार्टी हुई थी
- शुभम, ध्रुव के बीच परिवार को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी हुई थी

अमृत विचार: शहर में बुधवार देर रात रूह कंपा देने वाली वारदात सामने आई है। मुखानी थानाक्षेत्र में लिव-इन में रहने वाले प्रेमी जोड़े की मंडी परिसर स्थित गल्ला मंडी क्षेत्र में बेरहमी से हत्या कर दी गई। दोनों के चेहरे और सिर को उन्हीं के चार दोस्तों ने भारी पत्थर से कुचल-कुचल कर मौत के घाट उतार दिया और फरार हो गए।

सुबह होते ही जब मंडी में युवक और युवती के लहूलुहान शव मिले तो सूचना आग की तरह फैली और कुछ ही देर में घटनास्थल पर मजमा लग गया। एसएसपी समेत जिले के सभी पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए। हत्या के कुछ घंटों के भीतर ही पुलिस ने चारों हत्यारोपियों को गिरफ्तार कर लिया। दोनों मृतकों के परिजनों की तहरीर के आधार पर पुलिस ने हल्द्वानी कोतवाली में हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पुलिस के अनुसार अल्मोड़ा जिले के लोअर माल रोड, तल्ला खोल्टा निवासी 31 वर्षीय शुभम कुमार टम्टा पुत्र केएल टम्टा, मुखानी क्षेत्र स्थित एक नशा मुक्ति केंद्र में कर्मचारी के रूप में कार्यरत था। शुभम पांच माह से ओखलकांडा ब्लॉक के तल्ली पोखरी निवासी 19 वर्षीय लक्ष्मी पोखरिया पुत्री हेम चंद्र पोखरिया के साथ मुखानी चौराहे के पास किराये के कमरे में लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहा था। लक्ष्मी एमबीवीजी कॉलेज में बीएससी द्वितीय वर्ष की छात्रा थी और कुछ समय पहले तक एक मेडिकल स्टोर में काम करती थी। पुलिस जांच में सामने आया है कि बुधवार रात शुभम, लक्ष्मी, शुभम का दोस्त उत्तरांचल विहार बड़ी मुखानी पीलीकोठी निवासी 25 वर्षीय दीपेश लटवाल उर्फ राज पुत्र बहादुर सिंह लटवाल, गौरव नेगी उर्फ अक्कू ठाकुर (25 वर्ष) पुत्र स्व. उमेश सिंह निवासी वसुंधरा कालोनी बरेली रोड धानमिल, सौरभ भट्ट उर्फ भटिया (20 वर्ष) पुत्र विनोद चंद्र भट्ट निवासी तीनपानी खन्ना फार्म डी क्लास बरेली रोड और दीपू शर्मा उर्फ ध्रुव (20) पुत्र स्व.नन्हू लाल शर्मा निवासी वसुंधरा कालोनी बरेली रोड धानमिल ने नवीन मंडी परिसर स्थित गल्ला मंडी के एक गोदाम की छत पर शराब व ड्रग्स पार्टी की। एसएसपी डॉ.मंजूनाथ टीसी के मुताबिक पार्टी के दौरान नशे की हालत में शुभम और ध्रुव के बीच परिवार को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी हुई। इस पर विवाद हो गया। गुस्से में शुभम अपनी प्रेमिका लक्ष्मी को लेकर गोदाम की छत से नीचे उतरने लगा, पीछे से उसके चारों दोस्त भी नीचे आ गए और गाली-गलौज करने लगे। इसी दौरान युवकों ने पहले शुभम पर हमला बोल दिया। जब लक्ष्मी ने विरोध किया तो उस पर भी उसी पत्थर से जानलेवा हमला कर दिया गया। दोनों की मौके पर ही दोनों की मौत हो गई।

बाघ ने घास काट रही वृद्धा को बनाया निवाला

हल्द्वानी, अमृत विचार: जंगल में बहू व पड़ोसी के साथ घास काट रही वृद्धा को झाड़ियों में छिपे बाघ ने झपट्टा मारा और जंगल के अंदर खींच ले गया। बाद में महिलाओं की सूचना पर पहुंची टीम ने जंगल में लगभग चार किमी अंदर से वृद्धा का अधखाया शव बरामद किया।

फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के साथ ही मुआवजा देने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। बाघ की निगरानी के लिए ट्रैपिंग कैमरा लगाए गए और बाघ को पकड़ने के लिए अनुमति मांगी गई है।

अधिकारियों के अनुसार, गंगा देवी (66) पत्नी प्रेम भारती निवासी पीपल पोखरा रोजाना की तरह गुरुवार की सुबह लगभग 10:30 बजे बड़ी बहू पुष्पा गोस्वामी पत्नी पूरन गोस्वामी व पड़ोसी महिला हेमा जोशी के साथ लामाचौड़ चौकी से सटे जंगल में घास काटने गई थी।

मां ने कराई थी अर्जुन की 12 लाख की सुपारी देकर हत्या

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- 24 घंटे में हुआ खुलासा, हत्यारोपी दो सगे भाइयों को लगी मुठभेड़ में गोली, मां समेत 5 गिरफ्तार

अमृत विचार : देहरादून में बुधवार दिनदहाड़े तिब्बती मार्केट में हुए अमरदीप गैस एजेंसी के स्वामी अर्जुन शर्मा हत्याकांड का दून पुलिस ने 24 घंटे में सनसनीखेज खुलासा कर दिया।

एसएसपी अजय सिंह के अनुसार, इस घटना में शामिल शूटर और उसके साथी (दोनों सगे भाई) पंकज राणा (52) व राजीव उर्फ राजू (50) निवासी इंदिरा कॉलोनी, चक्खुवाला, कोतवाली देहरादून को दून पुलिस ने गुरुवार अलसुबह मुठभेड़ के बाद दबोच लिया। दोनों के पैरों में गोली लगी। दोनों आरोपियों ने पूछताछ में कबूल किया कि, अर्जुन की 12 लाख रुपये की सुपारी देकर हत्या करायी गयी थी। अर्जुन की मां बीना शर्मा पत्नी स्व. आरसी शर्मा निवासी बसंत विहार, डॉ. अजय खन्ना पुत्र जेपी खन्ना निवासी ईसी रोड, डालनवाला और विनोद उनियाल निवासी गैलेक्सी लैक्सोटिका अपार्टमेंट, इन्दर रोड डालनवाला देहरादून ने उन दोनों को यह सुपारी दी थी। हत्या के पीछे 14 करोड़ रुपये की संपत्ति का विवाद सामने आया है।

एसएसपी के अनुसार, विनोद, डॉ. अजय खन्ना व बीना शर्मा का अर्जुन से प्रापर्टी व पैसों के लेनदेन को लेकर विवाद चल रहा था तथा पूर्व में दोनो पक्षों द्वारा एक-दूसरे के विरूद्ध अभियोग पंजीकृत कराए गए थे। डॉ. अजय खन्ना की बीना से जीएमएस रोड स्थित उनकी सम्पत्ति को खरीदने की एवज में 14 करोड़ की डील हुई थी, जिसमें से 8 करोड़ रुपये बीना को दिए जा चुके थे पर अर्जुन ने इस प्रॉपर्टी पर कोर्ट से स्टे ले लिया था।

मंदिर के रास्ते में छेड़छाड़ करते युवक को पकड़ा

हल्द्वानी, अमृत विचार : शीतला माता मंदिर में गुरुवार सुबह उस समय हंगामा हो गया जब एक समुदाय विशेष का युवक मंदिर के रास्ते में एक युवती के साथ अश्लील हरकत कर रहा था। मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने युवक व युवती को पकड़ लिया। दोनों को काठगोदाम मल्ला पुलिस चौकी ले गए और आरोपी युवक के खिलाफ कार्रवाई की मांग करने लगे। कार्रवाई को लेकर पुलिस चौकी में हंगामा भी हुआ। देर शाम शीतला माता समिति के अध्यक्ष सचिन साह ने भी युवक के खिलाफ पुलिस को तहरीर सौंपी।

गुरुवार की सुबह मंदिर समिति के अध्यक्ष सचिन साह जब मंदिर परिसर क्षेत्र में घूम रहे थे तभी मंदिर के रास्ते में एक युवक, युवती के साथ बैठकर अश्लील हरकत देखा। यह सब देख मंदिर समिति के लोगों ने युवक को पकड़ लिया।

अमृत विचार

बरेली , शुक्रवार,13 फरवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

बरात में शराबी ने चलाई लाठी, भाइयों के सिर फूटे

नवाबगंज अमृत विचार : खुशियों के बीच उस वक्त अफरा-तफरी मच गई जब शादी समारोह में एक युवक ने शराब के नशे में धुत होकर दो सगे भाइयों पर लाठी से हमला कर दिया। घटना थाना नवाबगंज क्षेत्र के गांव खंजनपुर ख़ज़ानियां की है। मनुनगर निवासी राम बहादुर पुत्र भैरों प्रसाद ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह रात शादी समारोह में शामिल होने गया था। देर रात गांव का ही प्रसादी लाल पुत्र चिरंजी लाल शराब के नशे में गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर आरोपी ने आपा खो दिया और राम बहादुर व उनके भाई भानु प्रसाद पर लाठी से प्रहार कर दिए। हमले में राम बहादुर के सिर और बाएं पैर में गंभीर चोटें आईं, जबकि भानु प्रसाद के सिर में गहरी चोट के साथ शरीर पर कई स्थानों पर घाव हो गए। अचानक हुए हमले से समारोह स्थल पर भगदड़ मच गई। पीड़ित पक्ष ने तत्काल 112 नंबर पर सूचना दी, लेकिन पुलिस के पहुंचने से पहले ही आरोपी फरार हो गया। दोनों घायलों का मेडिकल परीक्षण कराया गया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

पंचायत घर में चोरी पुलिस जांच में जुटी

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : पंचायत घर से चोरों ने लाखों रुपए मूल्य के कंप्यूटर, बैटरी और इन्वर्टर के साथ डीवीआर चोरी कर लिए।

ग्राम प्रधान ने तहरीर पुलिस को दी है। थाना भोजीपुरा क्षेत्र के गांव मवई (मिलक इमामगंज) मे सात फरवरी की रात मेनगेट का कुण्डा तोडकर अजात चोरो ने पंचायत घर में रखे इनवर्टर बैटरा, कम्प्यूटर सिस्टम, प्रिन्टर, फिंगर डिवाइस सीसीटीबी कैमरे का डीवीआर व कुछ जरूरी अभिलेख चोरी करके ले गये। ग्राम प्रधान शकुन्तला देवी ने बताया कि उन्होंने थाने पर तहरीर दे दी है। पुलिस मामले की जांच की जा रही है।

बूथ पर विदेशी बहू से अफसर बोले, पहले भारत की नागरिकता लें

संवाददाता, रिठौरा

अमृत विचार : जिले के एक गांव में उस समय हड़कंप मच गया जब मतदाता पुनरीक्षण अभियान के तहत मिली नोटिस का जवाब देने नेपाली मूल की महिला बूथ पर पहुंची। आठ साल पहले हाफिजगंज के युवक से शादी कर नेपाल की नीतू शर्मा बृहस्पतिवार को बूथ पर वोट बनवाने पहुंची तो एईआरओ अंकित कुमार गंगवार ने बताया विदेशी होने के कारण नोटिस का जवाब दाखिल नहीं किया गया है। वह पहले भारत की नागरिकता लें।तब वैध तरीके से वोट बनाएं।

नीतू शर्मा। ● अमृत विचार

आठ साल पहले बरेली में हाफिजगंज के गांव कुंवरपुर बंजरिया के महेश शर्मा और अमित शर्मा से शादी कर नेपाल की कंचनपुर की महिला नीतू और लक्ष्मी शर्मा अब यहीं पर गृहस्थी पर रमीं हैं। यह दोनों बहने हैं और घर में देवरानी जेठानी भी हैं। उनका आधार कार्ड पैन कार्ड और लोकसभा विधानसभा मतदाता सूची में नाम भी है इसी के तहत दोनों को नोटिस मिला है। पुनरीक्षण अभियान में जब दस्तावेजों की जांच हुई तो अब उसकी नागरिकता पर सवाल उठ गया है। नोटिस मिलने के बाद महिला जवाब देने पहुंची, जहां अधिकारियों ने उसे भारतीय नागरिकता प्रमाणित करने को कहा।

लक्ष्मी शर्मा। ● अमृत विचार

- 8 साल से गांव में रह रही महिला को वोटर लिस्ट से बाहर करने का नोटिस जारी
- नेपाल की महिला बोली, परिवार रजिस्टर में नाम, गांव में वोट फिर भी नागरिकता पर सवाल
- मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए भारतीय नागरिकता होना है अनिवार्य

नीतू का कहना है कि शादी के बाद से वह लगातार गांव में निवास कर रही है, सभी सरकारी अभिलेखों में उसका नाम दर्ज है, फिर अचानक उसे विदेशी कैसे मान लिया गया। इस मामले ने गांव में चर्चा और सियासी सरगर्मी दोनों बढ़ा दी हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि पहले सभी कागजात सही थे तो अब आपत्ति क्यों। प्रशासनिक सूत्रों का कहना है कि मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए भारतीय नागरिक होना अनिवार्य है।

यदि कोई व्यक्ति विदेशी नागरिक है, तो उसे पहले विधिवत भारत की नागरिकता ग्रहण करनी होगी। मामले की जांच जारी है।

बाइकों की भिड़ंत में छात्र समेत तीन घायल

नवाबगंज, अमृत विचार: राजकीय महाविद्यालय भदपुरा से परीक्षा देकर लौट रहे छात्र सड़क हादसे का शिकार हो गए। जरेली स्थित भट्टा के पास कार को ओवरटेक करने की कोशिश में दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई, जिससे तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

मोहम्मदपुर, बहेड़ी निवासी शिवम (30) और वीरेंद्र कुमार (25) निवासी ग्राम सखौला, थाना न्यूरिया, पीलीभीत, परीक्षा देकर बाइक से वापस लौट रहे थे। इसी दौरान जरेली भट्टे के पास आगे चल रही एक कार को ओवरटेक करने का प्रयास किया। सामने से भदपुरा निवासी ख्याली राम (35) बाइक से आ रहे थे। अचानक आमने-सामने होने से दोनों बाइकों में टक्कर हो गई। तीनों युवक सड़क पर गिरे। वाहन क्षतिग्रस्त हो गये। तत्काल घायलों को अस्पताल भिजवाया, जहां तीनों की हालत गंभीर बताई जा रही है।बताया जाता है कि वीरेंद्र कुमार बहेड़ी में रहकर पढ़ाई करते हैं। पुलिस ने घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

निकाह की जिद में प्रेमी के घर पहुंची युवती, युवक फरार

नवाबगंज, अमृत विचार: प्रेम प्रसंग का एक मामला गुरुवार शाम उस समय चर्चा का विषय बन गया जब एक युवती अपने प्रेमी के घर निकाह की मांग लेकर पहुंच गई। घर पर ताला लटका देख वह आपा खो बैठी और हंगामा करने लगी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे समझाकर थाने पहुंचाया और परिजनों को बुलाया।

बताया जाता है कि कस्बे का एक युवक पूरनपुर क्षेत्र में साप्ताहिक बाजारों में कपड़ों की दुकान लगाता है। वहीं उसकी पहचान एक युवती से हुई और दोनों के बीच प्रेम संबंध हो गया। युवक तीन दिन पहले युवती को घर भी लाया था और शादी का आश्वासन दिया था।

तय समय के बाद भी युवक जब नहीं पहुंचा तो वह खुद ही उसके घर आ धमकी। भनक लगते ही युवक व परिजन कहीं चले गए। युवती ने दरवाजा फांदकर भीतर प्रवेश कर लिया और चिल्लाते हुए शादी की मांग करने लगी।

अधिवक्ता की हत्या पर गुस्साए वकीलों का प्रदर्शन

तहसीलों में बार एसोसिएशन ने एसडीएम, तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन, पीड़ित परिवार को आर्थिक मदद देने की मांग

संवाददाता, बहेड़ी

अमृत विचार : रामपुर में अधिवक्ता की मौत से गुस्साए वकीलों ने गुरुवार को ज़ोरदार विरोध प्रदर्शन किया। वकीलों का ज्ञापन लेने तहसील प्रशासन के किसी बड़े अफसर के न पहुँचने से वकीलों में नाराज़गी और बढ़ गई। वकीलों ने ज्ञापन कानूनगो को सौंपा। अधिवक्ताओं ने वकील की दिन दहाड़े हुई हत्या की घटना को गंभीर और दुर्भाग्यपूर्ण बताया। अधिवक्ता सुनील रस्तोगी के नेतृत्व में हुए विरोध प्रदर्शन में काफी संख्या में वकील मौजूद रहे।

नवाबगंज एडवोकेट प्रैक्टिशनर्स एसोसिएशन ने गुरुवार को विरोध प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा।

अधिवक्ताओं का कहना था कि 11 फरवरी को हुई वारदात ने अधिवक्ता समाज को झकझोर दिया है। यह घटना न्याय व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न खड़ा कर रही है। ज्ञापन में हत्यारोपियों की तत्काल गिरफ्तारी, संपत्ति कुर्की की कार्रवाई, पीड़ित परिवार को एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता, प्रदेश में एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट शीघ्र लागू करने की मांग की गई। इस दौरान पूर्व अध्यक्ष हाजी माजिद हुसैन जैदी, सचिव पुष्पाल सिंह, कोषाध्यक्ष वीरेन्द्र पटेल, राजू उपाध्याय, घनश्याम शर्मा, वीर बहादुर लोधी, अरविंद चौहान, रामदेव शर्मा, राजवीर राठौर, पृथ्वीराज राठौर, विमल कश्यप आदि रहे।**फतेहगंज पूर्वी** में रामलीला मैदान में हुए हिंदू सम्मेलन में आगंतुकों ने हिंदुओं से एकजुट रहने की अपील की कार्यक्रम का संचालन संजीव गुप्ता ने किया तथा सम्मेलन को हिंदू सम्राट नेता जवाहरलाल , संजीत मिश्रा, विवेक मिश्रा, पवन राज मिश्रा, सुधीर सिंह प्रशांत मिश्रा, सत्यप्रिय शर्मा, अमर सिंह,रहै।

बहेड़ी में विरोध सभा करते अधिवक्ता। ● अमृत विचार

नवाबगंज में एसडीएम को ज्ञापन सौंपते अधिवक्ता। ● अमृत विचार

आंवला में अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम लागू करने को ज्ञापन सौंपा

आंवला बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं ने रामपुर में अधिवक्ता फारुख अहमद खां की हत्या के विरोध में तहसील परिसर में प्रदर्शन कर राज्यपाल को संबोधित एक ज्ञापन एसडीएम आंवला बिदुषी सिंह को सौंपा। दि सिविल बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन तहसीलदार बृजेश कुमार वर्मा को सौंपा है।गुरुवार को दोनो संगठनों द्वारा अलग अलग सौंपे गये ज्ञापन में बताया गया कि अधिवक्ता फारूख अहमद खां की हत्या की घटना को दुखद, शर्मनाक तथा कानून-व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाने वाली बताकर शीघ्र अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम लागू किए जाने, प्रकरण की समयबद्ध उच्चस्तरीय जांच कराए जाने तथा मृतक के परिवार को समुचित आर्थिक सहायता व सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की। दि सिविल बार एसोसिएशन ने मृतक के परिवार को एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता देने की मांग की। ज्ञापन देने वालों में बार एसोसिएशन के महासचिव राजपाल मौर्य, पदम सिंह, रामदुलार मौर्य, अजयपाल सिंह, पुरुषोत्तम आर्या, नरेश कुमार राजपूत, राधाकृष्ण माहेश्वरी, कामेश सिंह, संजीव कुमार पाठक, गौरव शंखधार, नेमचंद्र सिंह राणा, दि सिविल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अजयपाल सिंह, महासचिव पुरुषोत्तम आर्या आदि अधिवक्ता मौजूद रहे।

हिंदू समाज मूल संस्कारों को सहेज कर रखे

कैंट, अमृत विचार : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा गुरुवार को क्यारा खंड में बुखारा फरीदपुर मार्ग पर स्थित गोपाला सिद्ध बाबा मंदिर प्रांगण में विराट हिंदू सम्मेलन सम्पन्न कराया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता विभाग प्रचार प्रमुख धर्मेन्द्र सचान ने पंच परिवर्तन व आपसी भेदभाव भुलाकर हिंदू समाज को एक सूत्र में बंधे रहने की अपील की।

कार्यक्रम संरक्षक महंत शैलेंद्रानंद, सह संरक्षक महंत नारायण गिरी के सानिध्य में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ निशांत कुमार ने की। खंड कार्यवाह दिनेश, दिनेश पाल शर्मा, राम नरेश, सत्यदेव, तेजपाल, अरुण, देवेन्द्र सिंह, उज्जवल सिंह, विजेन्द्र भदौरिया, लालजीत सिंह,मास्टर सुरेंद्र पाल सिंह,नेमचंद मौर्य, नीरज पटेल, राजू उपाध्याय, घनश्याम शर्मा, वीर बहादुर लोधी, अरविंद चौहान, रामदेव शर्मा, राजवीर राठौर, पृथ्वीराज राठौर, विमल कश्यप आदि रहे।**फतेहगंज पूर्वी** में रामलीला मैदान में हुए हिंदू सम्मेलन में आगंतुकों ने हिंदुओं से एकजुट रहने की अपील की कार्यक्रम का संचालन संजीव गुप्ता ने किया तथा सम्मेलन को हिंदू सम्राट नेता जवाहरलाल , संजीत मिश्रा, विवेक मिश्रा, पवन राज मिश्रा, सुधीर सिंह प्रशांत मिश्रा, सत्यप्रिय शर्मा, अमर सिंह,रहै।

बुखारा फरीदपुर मार्ग पर गोपाला सिद्ध मंदिर परिसर में हिंदू सम्मेलन में जुटी भीड़।

इंस्टाग्राम पर अश्लील वीडियो, पुलिस से लगाई गुहार

संवाददाता, फरीदपुर

अमृत विचार: क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली एमकॉम की छात्रा ने सोशल मीडिया पर हो रही अश्लील हरकतों से परेशान होकर पुलिस की शरण ली है। युवती ने फरीदपुर कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि वह बरेली के एक महाविद्यालय में पढ़ाई कर रही है। पिछले कुछ दिनों से उसके इंस्टाग्राम अकाउंट पर कोई अज्ञात व्यक्ति गंदे वीडियो बनाकर पोस्ट कर रहा है और चैट के जरिए आपत्तिजनक संदेश भेजे थे।

- फरीदपुर की छात्रा बरेली के एक महाविद्यालय में पढ़ाई कर रही और रोज आती जाती है
- कई दिनों से परेशान छात्रा ने थाने में तहरीर दी तो कुछ दिन शांत रहा अब फिर हुआ है सक्रिय

छात्रा का कहना है कि इन हरकतों विगत दिनों उसने थाने में तहरीर दी थी तब कुछ दिनों को मामला शांत हो गया कुछ बाद फिर से हरकते शुरू हो गई जिससे वह मानसिक रूप से बेहद परेशान है और कॉलेज जाते समय भी डर महसूस करती है और खुद को असुरक्षित महसूस कर रही है। कोतवाली पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। साइबर सेल की मदद से संबंधित अकाउंट की पड़ताल की जा रही है और कार्रवाई की जाएगी।

नाबालिग को बदनाम करने की धमकी

फतेहगंज पूर्वी , अमृत विचार : थाना क्षेत्र के एक गांव के निवासी व्यक्ति ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया है कि उसकी नाबालिग बेटी को सोशल मीडिया के जरिए परेशान कर बदनाम करने की धमकी दी जा रही है। मामला सामने आने के बाद पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

थाने पर दी गई तहरीर के अनुसार कक्षा 10 में पढ़ने वाली छात्रा से फोन पर संपर्क करने का दबाव बनाया गया। परिवार का आरोप है कि मना करने पर युवक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कथित रूप से आपत्तिजनक सामग्री वायरल करने और जान से मारने की धमकी दी।

Lifelines MEDICAL OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली ✆ 731-098-7005

- 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
- बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
- आयुष्मान/सीजीएचएस/ ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
- कैशलेस ईलाज

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान
नि : शुल्क परामर्श
महीने के प्रत्येक रविवार को
समय : सुबह 10 से 5 बजे तक
कैम्प में समस्त ब्लड जाँचें, ई.सी.जी., एक्स-रे 50% के छूट पर किये जायेंगे।
रजिस्ट्रेशन शुल्क 20/-
प्रेमलोक हॉस्पिटल
नरियावल अड्डा, शाहजहाँपुर रोड, बरेली।
डॉ. दीपक माहेश्वरी
MBBS., MD, Consultant Physucuan & Critical Care Specialist
ब्लड प्रेशर, हृदय रोग श्वांस रोग, गम्भीर रोग विशेषज्ञ
9084307201, 9412244430
डॉ. नितिन अग्रवाल हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें :-
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा।
TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
100000 से अधिक आंखों के आपरेशन का अनुभव
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आंख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी स्कैन द्वारा पर्दे की जांच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जांच व उपचार
8077344353
समय : प्रातः 10 बजे से सायं 1 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGERON
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

कुंडराकोठी में जेवर समेत लाखों की चोरी

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचार: क्षेत्र के गांव कुंडरा में बंद पड़े एक मकान को निशाना बनाकर चोरों ने लाखों रुपये के जेवर और घरेलू सामान पर हाथ साफ कर दिया। वारदात के बाद मकान मालिक ने गांव के ही तीन युवकों पर शक जताते हुए पुलिस को तहरीर दी है।

पुलिस चौकी कुंडरा कोठी क्षेत्र के निवासी राजकुमार पुत्र कुन्दन लाल रोज़गार के सिलसिले में बाहर रहते हैं। उनका पैतृक मकान गांव में बंद रहता है। बुधवार रात अज्ञात चोरों ने घर का ताला तोड़ दिया और सोने-चांदी के आभूषण, पीतल के बर्तन तथा अन्य कीमती सामान समेट ले गए। सूचना मिलने पर राजकुमार गांव पहुंचे तो घर का ताला टूटा मिला और सामान बिखरा पड़ा था। उन्होंने गांव के तीन युवकों पर संदेह जताते हुए चौकी इंचार्ज को लिखित शिकायत सौंपी है।

दबंगों ने घर में घुस कर दंपती को पीटा

कैंट, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव उमरिया सैदपुर खजुरिया निवासी इसरार आलम ने बताया, कि बुधवार शाम करीब 7 बजे कैंट के ठिरिया निजावत खां निवासी मसीहउद्दीन, वोडा तथा अब्दुल उनके घर के बाहर शराब के नशे में गालियां दे रहे थे। पत्नी नसीम बानो ने गालियां देने का विरोध किया। इस पर विपक्षीयों ने घर में घुसकर लाठी डंडों से उन्हें पीटना शुरू कर दिया। पत्नी को बचाने आए इसरार को भी पीट दिया। मारपीट में इसरार तथा उनकी पत्नी गंभीर घायल हो गए। बताया इस सम्मेलन में विश्व भर से करोड़ों हिन्दू जुटेंगे। बैठक में

उज्जैन सम्मेलन के लिए की बैठक

संवाददाता, आंवला

अमृत विचार : उज्जैन में होने वाले हिन्दू सम्मेलन के लिए आंवला में अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल के नेतृत्व में बैठक की गई। बैठक में संगठन के कार्यकर्ता और पदाधिकारी शामिल हुए। इसमें जिला महामंत्री हिमांशु सोलंकी ने उज्जैन में डा. प्रवीण तोगड़िया द्वारा आहूत सम्मेलन में भाग लेने के लिए कार्ययोजना बनाई गई। बताया इस सम्मेलन में विश्व भर से करोड़ों हिन्दू जुटेंगे। बैठक में नगर अध्यक्ष शिव चौधरी, रोहित शर्मा, योगेंद्र चौहान, गिरीश पटेल, राजीव गंगवार, महेंद्र पाल गंगवार ,दुष्यन्त गंगवार, आनंद कुमार, अशर्फी लाल गंगवार, सुरेंद्र पाल सिंह, बुद्धसेन कश्यप, निजाम हैदर जैदी, संतोष कुमारी, बेवी अंसारी, सलमा परवीन जैदी, राजपूत सहित तमाम पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

आंवला में बजरंग दल ने उज्जैन में हिन्दू सम्मेलन की योजना बनाने को बैठक की।

मारपीट के बाद ठहर गया अतिक्रमण हटाने का अभियान

शेरगढ़, अमृत विचार : बुधवार को ईओ और दुकानदार के बीच अतिक्रमण हटाने के दौरान हुई मारपीट के दूसरे दिन बृहस्पतिवार को अतिक्रमण अभियान शुरू नहीं चला। मामले में पुलिस ने अब तक किसी भी पक्ष की ओर से मुकदमा दर्ज नहीं किया है। अधिशासी अधिकारी दुर्गेश कुमार सिंह बृहस्पतिवार को फिर थाने पहुंचे और पुलिस से मिलकर मामले में रिपोर्ट दर्ज कर कार्यवाही की मांग की। नगर पंचायत के कर्मचारियों का कहना है कि शुक्रवार शाम तक ईओ के साथ हुई मारपीट के मामले में कार्रवाई नहीं हुई तो कर्मचारी धरना प्रदर्शन करेंगे। फिलहाल कस्बे में अतिक्रमण अभियान की हवा निकलती दिखाई दे रही है। बता दें कि बीते सोमवार को नगर पंचायत प्रशासन ने कस्बे में अतिक्रमण हटाओ अभियान की शुरुआत की थी। बुधवार को कस्बे के मेन चौराहे पर अतिक्रमण हटाने को लेकर अधिशासी अधिकारी दुर्गेश कुमार सिंह और दुकानदार शेखर गुप्ता के बीच बहस के बाद मारपीट हुई थी। समाचार लिखे जाने तक मामले में किसी भी पक्ष की ओर से मामला पंजीकृत नहीं हुआ था।

व्यापारी शेखर गुप्ता ने आरोप लगाया कि ईओ ने दुर्भावना के साथ उन्हीं को लक्ष्य बनाकर कार्य किया इस दौरान उनके बेटे को पालिका के कर्मियों ने मारने के लिए दबोचा है। बेटे के साथ की जा रही घटना का वीडियो उनके पास है। बताया कि उनकी दुकान से 200 मीटर की दूरी पर पंचायत कार्यालय है। ईओ कार्यालय से उठकर सीधे उन्हीं की दुकान पर आए। कार्यालय और उनकी दुकान के बीच कई अन्य दुकानें भी है उनकी दुकानों को छुआ नहीं गया लेकिन हिंदू और संघ का कार्यकर्ता होने के नाते उन्हें लक्ष्य बनाया गया है।

अधिशासी अधिकारी दुर्गेश कुमार सिंह ने अतिक्रमण हटाने के लिए अभियान में मजिस्ट्रेट की व्यवस्था कराने को एसडीएम बहेड़ी को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा है कि कस्बे में सभी नाला और पटरी अतिक्रमण की चपेट में हैं। ऐसे में अतिक्रमण अभियान को व्यवस्थित रूप से चलाने के लिए मजिस्ट्रेट की व्यवस्था की जानी चाहिए। उन्होंने उपजिलाधिकारी से मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाने की मांग की है। ईओ ने बताया कि अब मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में अभियान चलाया जाएगा।सूत्रों ने बताया कि एडीएम प्रशासन पूर्णिमा सिंह ने नगर पंचायतों और नगर पालिका परिषदों को मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में ही अतिक्रमण हटाने को पत्र जारी किया है।

गुरुवार को थानेदार से मिले अधिशासी अधिकारी। ● अमृत विचार

- ईओ ने बृहस्पतिवार को अभियान तेजी से चलाने की घोषणा की थी
- अल्टीमेटम- शाम तक रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई तो धरने पर बैठेंगे कर्मी

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना

मैंने अपना नाम सैय्यद आसिम अली SAYED ASIM ALI पुत्र श्री सैय्यद हसन अली SAYED HASAN ALI से बदलकर सैयद आसिम अली SYED ASIM ALI पुत्र श्री सैयद हसन अली SYED HASAN ALI कर लिया है अब भविष्य में मुझे सैयद आसिम अली SYED ASIM ALI पुत्र श्री सैयद हसन अली SYED HASAN ALI नि. वार्ड नं. 11 कस्बा व पोस्ट उसहैत तहसील दातागंज जिला बदायूं नाम से जाना व पहचाना जाये।

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

स्कूल, माहौल व दोस्त छूटे, छात्राएं हुईं भावुक

बोर्ड परीक्षा के पहले स्कूलों में फेयरवेल में हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम, शिक्षकों ने दिए टिप्स

संवाददाता, रिठौरा

अमृत विचार : दरबारी लाल शर्मा इंटर कॉलेज की बारहवीं की छात्राओं की भव्य विदाई समारोह हुआ। रंगारंग कार्यक्रम पेश किये गये। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों ने बोर्ड परीक्षाओं में मेहनत और बिना तनाव के प्रश्नों के उत्तर लिखने के टिप्स दिये। हंसी और उत्साह के माहौल के बीच छात्राओं को जब स्कूल छूटने का पल आया तो वह भावुक हो गईं और रोने लगीं।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित होने वाले शिक्षक राजपाल सिंह रहे। उन्होंने छात्राओं से जीवन में सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने की बात कही। सभी छात्राएं मन लगाकर आगे की पढ़ाई करें। प्रधानाचार्य ने कहा कि सभी आगे की पढ़ाई मन लगाकर करें।यह भावुक पल हैं, लेकिन आगे बढ़ने की खुशी के पल भी इंतजार कर रहे हैं। इस दौरान डॉ आरके सिंह, शिवकुमार,डॉ हरमीत सिंह, डॉ आर के सिंह,रघुवीर सरन,कुसुम गंगवार, गिरजेश कुमारी, बंदना यादव,सिद्धी सिंह,डॉ सर्वेश कुमार, डॉ राजेश कुमार गंगवार, मुरारीलाल, रमेश कुमार, रामसिंह, शिवकुमार, विष्णु चौहान, रावेंद्र प्रताप सिंह, अतुल मौर्य,राजेश कुमार , ब्रजेश शर्मा,वरूण वर्मा, लोकेश कुमार, अमरेश कुमार, जयदीप, ब्रजेश गंगवार सहित तमाम स्टाफ मौजूद रहा।

रिठौरा में इंटर कालेज के विदाई समारोह में भावुक हुईं छात्राएं। ● अमृत विचार

विदाई समारोह में छात्राओं ने प्रस्तुत किए कार्यक्रम

भमोरा, अमृत विचार : बरेली बदायूं रोड देवचरा स्थित राम भरोसे लाल इंटर कॉलेज में 12वीं के छात्र-छात्राओं को विदाई दी गई विद्यालय में छात्राओं ने देशभक्ति, सामाजिक, संस्कृति कार्यक्रम प्रस्तुति किये। विद्यालय प्रबंधक अनीता सहगल ने छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की इस मौके पर कॉलेज के संरक्षक पीसीएस के. एन सहगल, प्रधानाचार्य लखन सिंह यादव ने सभी का आभार व्यक्त किया।

12वीं के विद्यार्थियों की हुई फेयरवेल

बरेली, अमृत विचार : गुलाबराय मोंटेसरी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में गुरुवार को 12 वीं के विद्यार्थियों के लिए फेयरवेल आयोजित की गई। मुख्य अतिथि विद्यालय प्रबंधक राजेश जौली रहे। वरिष्ठ गणित शिक्षक प्रकाश भट्ट व हिन्दी शिक्षिका सीमा मोइत्रा व नए सत्र के हेड ब्वॉय एवम हेड गर्ल ने 12 वीं के विद्यार्थियों को तिलक लगाकर उनका स्वागत किया। 11 वीं के विद्यार्थियों ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। इसके बाद 11 वीं के विद्यार्थियों ने सीनियर छात्रों के सम्मान में स्वागत, समूह नृत्य, एकांकी, गायन एवं वादन की प्रस्तुति दी। 12 वीं के विद्यार्थियों के लिए मजेदार गेम जोन का आयोजन किया गया।

मीरगंज में जूनियर्स ने सीनियर छात्र-छात्राओं को दी विदाई

मीरगंज : जे पी एस इंटर कॉलेज सिंधौली में इंटरमीडिएट के छात्र-छात्राओं के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कक्षा 11 के विद्यार्थियों ने इंटरमीडियट के छात्र-छात्राओं को विदाई दी। जूनियर्स ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। सीनियर को गिफ्ट दिए। प्रबंधक कृतज्ञ सिंह ने कहा कि लक्ष्य प्राप्ति को कड़ी मेहनत करना जरूरी है। प्रधानाचार्य इरशाद अहमद ने सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने को प्रेरित किया। इस दौरान राजपाल सिंह, धर्मेंद्र सिंह, कपिल कुमार, विवेक रुहेला, प्रीति शर्मा, हर्षित भारद्वाज आदि मौजूद रहे।

प्रधानाध्यापक के विरोध के बीच बीएसए से मांगी रिपोर्ट

अमृत विचार IMPACT

- सीडीओ ने अमृत विचार में प्रकाशित खबर का लिया संज्ञान
- प्रधान के ऐलान के बाद दूसरे विद्यालय में अटैचमेंट का अनुमान

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : बिथरी चैनपुर के म्युडी खुर्द कला प्राथमिक विद्यालय में प्रधानाध्यापिका सरिता वर्मा की पुनः तैनाती के मामले ने तूल पकड़ लिया है। अमृत विचार में प्रकाशित खबर 'रिश्वतखोरी से जेल तक, फिर से वही कुर्सी, सिस्टम पर उठे सवाल' का संज्ञान लेने के बाद मुख्य विकास अधिकारी देवयानी ने बेसिक शिक्षा अधिकारी डा. विनीता को तलब किया है और विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। सूत्रों के मुताबिक सीडीओ ने यह जानना चाहा है कि रिश्वतखोरी के आरोप में गिरफ्तारी और फिर निलंबन के बाद किन परिस्थितियों में उनकी बहाली उसी विद्यालय में दोबारा तैनाती की गई।

इधर, ग्राम प्रधान बबली देवी के कड़े रुख और मिड-डे मील नहीं बनाने की चेतावनी ने मामले को और तूल दे दिया है। माना जा रहा है कि बढ़ते विरोध के बीच विभाग प्रधानाध्यापिका सरिता वर्मा को अब उसी स्कूल में बनाए रखने की बजाय किसी अन्य निकटवर्ती स्कूल में अटैचमेंट कर सकता है, ताकि विवाद को शांत किया जा सके। बीएसए डा. विनीता का कहना है कि जेल से छूटने के बाद सरिता वर्मा की तैनाती नियमानुसार ही की गई है। उच्चाधिकारियों के निर्देशानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

महिला ने आठ के खिलाफ तहरीर दी

फतेहगंज पूर्वी, अमृत विचार : क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली एक महिला ने आठ लोगों पर रास्ता रोककर मारपीट, छेड़छाड़ और धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने बताया बीती बुधवार की शाम वह खेत से घर जा रही थी तभी अमित कुमार और अवधेश कुमार ने उसे रोककर अभद्रता और मारपीट की। आरोप है कि शोर-शराबा होने पर मौके पर पहुंचे अन्य नामजद पुष्पा, विपिन कुमार, अमरपाल, मीनाक्षी, संगीता और वंदना ने भी हाथापाई और धमकी दी। महिला का कहना है कि छीना-झपटी के दौरान उसके आभूषण और मोबाइल गिरकर गायब हो गए। पुलिस को दी तहरीर में पीड़िता ने आरोपितों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। थाना प्रभारी संतोष कुमार ने बताया कि प्रकरण की जांच की जा रही है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की किसानों ने प्रति जलाई

भारत अमेरिका व्यापार समझौते का भाकियू ने जताया विरोध। ● अमृत विचार

संवाददाता, बहेड़ी

अमृत विचार: किसान नेता चौधरी अजित सिंह ने कहा कि किसान लागत और बाज़ार की मार झेल रहा है, और अब सरकार का अमरीका के साथ समझौता किसान की आजीविका ही छीन लेने वाला है। इस समझौते को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के विरोध में गुरुवार को क्षेत्र के किसानों ने अपने खेत में समझौते की प्रतिलिपि जलाकर जोरदार प्रदर्शन किया। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के बैनर तले आयोजित इस विरोध कार्यक्रम में किसानों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए समझौते को किसान विरोधी बताया।

किसानों का कहना था कि इस तरह के अंतरराष्ट्रीय व्यापार समझौते देश के कृषि क्षेत्र पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं।

यदि समय रहते इस पर पुनर्विचार नहीं किया गया तो छोटे और मझोले किसानों के सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो सकता है। इस दौरान प्रदेश प्रवक्ता चौधरी सुरेंद्र सिंह, चौधरी सूरज पाल सिंह, राजेंद्र सिंह, प्रमोद मौर्य, संदीप सिंह, धर्मेंद्र कश्यप, तेजपाल कश्यप, रमेश मौर्य, हरीश कश्यप, चंद्रपाल आदि किसान मौजूद रहे।

महर्षि स्वामी दयानंद सरस्वती की जयंती का भव्य आयोजन

मीरगंज, अमृत विचार : गुरुवार को स्वामी दयानंद सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज परौरा में स्वामी दयानंद सरस्वती की जयंती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने रंगोली, चित्रकला और भाषण प्रतियोगिताएं भी की। इस अवसर पर डॉ. सत्यवीर गंगवार राजेश गंगवार देवेश कुमार, अनुज कुमार, प्रेमप्रकाश, यशपाल, तोताराम, सुरेन्द्र कुमार, योगेन्द्र कुमार, नरोत्तम, उमाशंकर, संजीव कुमार, लाखन राम, रेवतीनन्दन, लक्ष्मण स्वरुप, रवि, सुभाष, नंदकिशोर, जसवंत सिंह, सूरज पाल, सुनीता गंगवार, रुपल पाठक, नीरज, नीलम, अंजू, कमल किशोर, आदि शिक्षक उपस्थित रहे। वक्ताओं ने स्वामी दयानंद सरस्वती के जीवन और शिक्षाओं को याद किया और छात्रों को उनके आदर्शों पर चलने के लिए प्रेरित किया।

कार्यालय जिलाधिकारी, शाहजहाँपुर
(खनिज अनुभाग)

संख्या: 1489/खनिज–ई–निविदा/2025–26 दिनांक 12 /02 /2026

ई–निविदा सह ई–नीलामी आमंत्रण हेतु सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि शासनादेश सं0–1875/86–2017–57(सामान्य)/2017 टी0सी0–1 दिनांक 14.08.2017 द्वारा नदी तल मे उपलब्ध बालू/मोरम के क्षेत्रों को ई–निविदा सह ई–नीलामी प्रणाली के माध्यम से परिहार पर स्वीकृत किये जाने के सम्बन्ध में उत्तर प्रदेश उपखनिज (परिहार) (47वॉ संशोधन) नियमावली–2019 का प्रख्यापन दिनांक 13.08.2019 को करते हुये शासनादेश दिनांक 14.08.2017 को संशोधित कर शासनादेश संख्या–2168/86–2019–57 (सामा0)/2017 दिनांक 09.10.2019 निर्गत किया गया है। उपरोक्त शासनादेश एवं उ0प्र0 उप खनिज (परिहार) नियमावली–2021 में दिये गये निर्देशानुसार ई–निविदा सह ई–नीलामी प्रणाली के माध्यम से उ0प्र0 उपखनिज (परिहार) नियमावली–2021 के अध्याय–4 के अन्तर्गत निम्न क्षेत्र ककरा काकर कुण्ड को खनन पट्टा पर स्वीकृत किये जाने हेतु इस कार्यालय के पत्र संख्या 1320/खनिज–ई–निविदा/2025–26 दिनांक 28.11.2025 द्वारा उपलब्ध घोषित किया गया था, जिसमें 09.01.2026 को बिड खोला गया, तथा ई–निविदा सह ई–नीलामी में प्राप्त बोली में सर्वोच्च बोलीदाता/सफल बोलीदाता मै0 श्री साई कंस्ट्रक्शन को इस कार्यालय के पत्र संख्या 1450/खनिज/आशय पत्र/2025–26 दिनांक 24.01.2026 को लेटर ऑफ इंटेन्ट (आशय पत्र) जारी किया गया था परन्तु उनके द्वारा निर्धारित अवधि में लेटर ऑफ इंटेन्ट में निहित धनराशि जमा न किये जाने के कारण उनके पक्ष में जारी लेटर ऑफ इंटेन्ट को दिनांक 09.02.2026 को निरस्त कर दिया गया है जिस कारण क्षेत्र पुनः रिक्त हो गया है। वर्तमान में अधिसूचना संख्या I/225966/2026 दिनांक 04.02.2026 द्वारा उपखनिजों की रायल्टी में बढ़ोत्तरी की गयी है तद्नुसार खनन क्षेत्र को पुनः शासनादेशों एवं नियमावली के नियम–27(2)(क) के प्राविधानों के अन्तर्गत अन्यून 07 (सात) दिन की अल्पकालिक सूचना द्वारा 05 वर्ष की अवधि हेतु खनन पट्टा पर स्वीकृत किये जाने हेतु उपलब्ध घोषित किया जाता है:–

क्षेत्र का विवरण :–

क्र0स0	उप खनिज का नाम	नदी का नाम	क्षेत्र का विवरण				जियो–कॉर्डिनेट	नियमावली, 2021 के अनुसूची–1 के अनुसार रायल्टी दर (रु0 प्रति घ0मी0)	खनन योग आंकलित उपखनिज की मात्रा (घ0मी0 प्रति वर्ष)	प्रथम वर्ष में आंकलित मात्रा की कुल रायल्टी रूपये में (कालम 10 में अंकित घ0मी0 प्रति वर्ष को कालम 9 में अंकित रायल्टी की दर से गुणा करने पर उपलब्ध सकल धनराशि)	अर्नेस्ट मनी (कालम नं0–11 में अंकित सकल धनराशि का 25 प्रतिशत)
			तहसील	ग्राम	गाटा संख्या/खण्ड सं0/जोन संख्या	क्षेत्रफल (हे0 में)					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
1.	साधारण बालू	गर्रा	सदर	ककरा काकर कुण्ड	632, 633, 634, 1332क एवं 1332ख	10.719	A 27°52' 34.44"N 79°53' 17.05"E A1 27°52 38.97"N 79°53' 16.94"E A2 27°52 43.17"N 79°53' 17.98"E A3 27°52 47.49"N 79°53' 18.31"E A4 27°52 57.11"N 79°53' 19.81"E B 27°52 59.15"N 79°53' 20.40"E B1 27°52 58.49"N 79°53' 22.24"E B2 27°52 57.48"N 79°53' 23.20"E B3 27°52 56.54"N 79°53' 23.70"E C 27°52 54.76"N 79°53' 23.74"E C1 27°52 51.21"N 79°53' 22.75"E C2 27°52 46.30"N 79°53' 23.83"E C3 27°52 42.59"N 79°53' 24.38"E D 27°52 39.58"N 79°53' 24.59"E E 27°52 39.51"N 79°53' 21.16"E F 27°52 33.41"N 79°53' 23.18"E	70/–	1,60,785	1,12,54,950	28,13,738/–

ई निविदा सह ई नीलामी की काल योजना एवं अवधि निम्नानुसार सम्पादित की जायेगी :–

प्रेस विज्ञप्ति (विज्ञप्ति का प्रकाशन)	दिनांक 14/02/2026	
प्री–बिड ई0एम0डी0 एवं आवेदन शुल्क जमा कराने की अन्तिम तिथि	ई–निविदा से पूर्व अपेक्षित Pre Bid EMD एवं Application Fee, MSTC Website पर वर्णित दिशा निर्देशों के अनुसार जमा करने की जिम्मेदारी बोलीदाता की है, अतएव बोलीदाता यह सुनिश्चित कर लें।	
प्रथम चरण ई निविदा (ई टेण्डर) की अवधि	दिनांक 23/02/2026 (पूर्वाहन 10.00 बजे से) दिनांक 26/02/2026 (सांय 5.00 बजे तक)	
विज्ञप्ति में अंकित क्षेत्र का क्रमांक	प्रथम चरण में प्राप्त ई निविदा (बिड) का खोला जाना एवं उसका मूल्यांकन का दिनांक व समय	द्वितीय चरण ई–नीलामी का दिनांक व समय
क्रमांक–1	दिनांक 27/02/2026 पूर्वान्ह 11:00 बजे।	दिनांक 27/02/2026 अपरान्ह 01:00 बजे से 03:00 बजे तक।

ई–निविदा सह ई–नीलामी से सम्बन्धित सम्पूर्ण प्रक्रिया एवं शर्तो की जानकारी आनलाइन एम0एस0टी0सी0 के ई–आक्शन पोर्टल www.mstcecommerce.com पर अपलोड करा दिया गया है, जिसे सम्बन्धित सभी निविदादाता/बोलीदाता द्वारा देखा जा सकता है। उक्त से सम्बन्धित सम्पूर्ण प्रक्रिया एवं शर्तो की जानकारी किसी भी कार्यदिवस में खनिज कार्यालय शाहजहॉपुर एवं कार्यालय अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) कलेक्ट्रेट, शाहजहॉपुर से प्राप्त की जा सकती है।

UP-246001 दिनांक 12.02.2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

जिलाधिकारी, शाहजहॉपुर।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
हैड वर्क्स खण्ड, शारदा नहर, बरेली

पत्रांक: 326 /है0व0ख0/टी–08/ दिनांक: 06/02/2026

ई–निविदा सूचना सं0– 08/अ0अ0/2025–26

महामहिम राज्यपाल, महोदय उत्तर प्रदेश की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन http://etender.up.nic.in के माध्यम से सिंचाई विभाग में वर्गीकृत श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से दिनांक 23.02.2026 को अपरान्ह 11:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है, जिसकी टेक्निकल बिड दिनांक 23.02.2026 अपरान्ह 02:00 बजे मुख्य अभियन्ता (शारदा), सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उत्तर प्रदेश, बरेली द्वारा गठित समिति के समक्ष ऑनलाइन खोली जायेगी। बिड दिनांक 18.02.2026 को अपरान्ह 11:00 बजे से डाउनलोड/अपलोड किया जा सकता है।

क0 सं0	कार्य का विवरण	कार्य की अनुमानित लागत (जी.एस.टी. रहित) (लाख रू0 में)	धरोहर धनराशि (लाख रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य (जी.एस.टी.सहित) (रू0में)	पंजीकृत श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
1	शारदा बैराज बनबसा के बे–सं0 31 से 34 के मध्य डाउनस्ट्रीम में लांचिंग एप्रेन के क्षतिग्रस्त सी0सी0 डेकिंग की मरम्मत के कार्य।	33.79	0.68	1 माह	854.00	बी एवं उच्चतर
2	शारदा बैराज बनबसा के बे–सं0 15 से 18 के मध्य डाउनस्ट्रीम में लांचिंग एप्रेन के क्षतिग्रस्त सी0सी0 डेकिंग की मरम्मत के कार्य।	18.28	0.38	1 माह	854.00	सी एवं उच्चतर
3	शारदा बैराज बनबसा के अपस्ट्रीम एवं डाउनस्ट्रीम में निर्मित तटबन्ध, स्पर, स्टड, पिचिंग एवं लांचिंग एप्रेन का बाढ़काल के पश्चात साउण्डिग एवं सर्वेक्षण के कार्य।	21.17	0.44	1 माह	854.00	बी एवं उच्चतर

UP - 245873 दिनांक: 11/02/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in
पर उपलब्ध है।

(राजीव कुमार सिंह)
अधिशासी अभियन्ता
हैड वर्क्स खण्ड, शारदा नहर, बरेली

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
नलकूप निर्माण खण्ड, लखनऊ

मैनुअल अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या-44/अधि0अभि0/2025-26

महामहिम राज्यपाल महोदया उत्तर प्रदेश की ओर से अधोलिखित कार्य हेतु मोहर बन्द निविदायें दिनांक 19.02.2026 को 12:00 अपराह्न तक विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है, जो उसी तिथि को समय 04:50 बजे अपराह्न निविदादाताओं अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष अद्योहस्ताक्षरी अथवा उसके अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र तथा कार्य से सम्बन्धित समस्त विवरण मुल्य जमा करने के उपरान्त किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय अवधि में दिनांक 14.02.2026 से 19.02.2026 को समय 12:00 बजे तक प्राप्त किये जा सकते हैं। यदि निविदा प्रपत्र डाक द्वारा प्रेषित की जाती है तो निविदा विलम्ब से पहुँचने पर कोई उत्तरदायियत्व इस कार्यालय का नहीं होगा। निविदा के साथ पंजीकरण प्रमाण/जिलाधिकारी द्वारा जारी चरित्र प्रमाण पत्र (IDT-1), हैशियत प्रमाण पत्र (IDT-2), स्वघोषणा शपथ पत्र (IDT-3), के समस्त अभिलेखों को जमा करना होगा एवं निविदा प्रपत्र के साथ निर्धारित धरोहर धनराशि, एफ0डी0आर0/एन0एस0सी0 के रूप में, जो अधिशासी अभियन्ता, नलकूप निर्माण खण्ड,लखनऊ के नाम बन्धक हो, लिफाफे बन्द करके निविदा के साथ जमा कराना आवश्यक होगा। बिना धरोहर धनराशि के निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा। प्रत्येक निविदा के साथ रू0 100 के जनरल स्टैम्प पेपर पर एक रूपये का राजस्व टिकट चिपका कर निविदादाता द्वारा हस्ताक्षर कर दरों की वैधता सम्बन्धी इकरारनामा संलग्न करना आवश्यक होगा। आवश्यकतानुसार कार्य की मात्रा घटाई-बढाई जा सकती है, निविदा के साथ सम्बन्धित समस्त प्रपत्र निविदादाता के हस्ताक्षर किये हुये होना चाहिये एवं अनुबन्ध के समय 10 प्रतिशत जमानत की धनराशि एफ0डी0आर0 के रूप में जो अधिशासी अभियन्ता नलकूप निर्माण खण्ड,लखनऊ के नाम बन्धक होगी तथा नियमानुसार देय दर के अनुसार स्टैम्प पेपर जमा करना अनिवार्य होगा। एक अथवा सभी निविदाओं को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार अद्योहस्ताक्षरी को होगा। निविदा दरें 03 माह के लिये वैध रहेगी।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	मात्रा	कार्य की अनुमानित लागत (लाख रू0में)	धरोहर धनराशि (रू0 में)	कार्य को पूर्ण करने की अवधि	निविदा का मूल्य+G.S.T +स्टेशनरी चार्जे (रू में)	पंजीकृत श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
01	Drilling of Tubewells of 1.5 Cusec Capacity under project "1750 R&R State tubewells Project" district- Lakhimpur under tubewell division-IInd Sitapur, depth 120 Mtr bore size 450mm to 600 mmØ by using Direct/reverse rotary rig Machine work Including drilling of tubewells, digging of pits for storage of water, lowering of recommended M.S. pipe assembly by ensuring verticality of assembly in proper manner, welding of pipe with socket etc. Screening & feeding of pea gravel after lowering of assembly & working bore properly including cost of wages of drilling staff & T&P excluding cost of HSD. (G.S.T Extra 18%)	360 Mtr (3 No.)	5.34	10692.00	40 दिवस	225.00+ GST नियमानुसार + 500.00	"ए" श्रेणी (यॉत्रिक) अथवा उच्च

नोट- मैनुअल अल्पकालीन निविदा से सम्बन्धित अधिक जानकारी हेतु अधिशासी अभियन्ता, नलकूप निर्माण खण्ड, लखनऊ के कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है।

UP - 245833 दिनांक: 11/02/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in
पर उपलब्ध है।

(गौरव सिंह)
अधिशासी अभियन्ता
नलकूप निर्माण खण्ड,लखनऊ

कार्यालय सहायक अभियन्ता
द्वितीय उपखण्ड, बाईफरकेशन
हैड वर्क्स खण्ड, शारदा नहर, बरेली

अति अल्पकालीन नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उ0प्र0 के नियन्त्रणाधीन तहसील पूरनपुर, जिला–पीलीभीत के अन्तर्गत निम्नलिखित भूमि को एक वर्ष (फसल खरीफ व रवी 1434) फसली वर्ष 2026–27 के लिये मात्र कृषि कार्य हेतु सार्वजनिक नीलामी दिनांक 24.02.2026 को अपरान्ह 12.30 बजे निरीक्षण भवन, बाईफरकेशन जनपद पीलीभीत के प्रांगण में की जायेगी, जो व्यक्ति नीलामी में भाग लेना चाहते हैं, वे निश्चित समय व तिथि पर दस रूपये का स्टाम्प पेपर, पहचान पत्र/आधार कार्ड की छाया प्रति तथा निर्धारित धरोहर राशि जमा कर नीलामी बोली में भाग ले सकते हैं, उच्चतम बोलीदाता को नीलामी की सम्पूर्ण धनराशि बोली के तुरन्त बाद एकमुश्त नकद जमा करनी होगी। नीलामी को बिना कारण बताये स्वीकार व अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार अधिशासी अभियन्ता, हैड वर्क्स खण्ड, शारदा नहर, बरेली को होगा। नीलामी हेतु निर्धारित तिथि को अवकाश घोषित होने की दशा में नीलामी अगले कार्यदिवस में की जायेगी।

क0 सं0	स्थल का नाम	ग्राम	अग्रिम धरोहर हेतु F.D.R.की राशि	गाटा सं0	क्षेत्रफल (है0में)
1	2	3	4	5	6
1	हरदोई शाखा किमी0 19.500 दांयी पटरी	उदयकरनपुर	रू0 3,000.00	113 (नवीन गाटा सं0–69)	0.939
2	हरदोई शाखा किमी0 31.500 दांयी पटरी (दंदौल कोठी की भूमि)	दंदौल	रू0 4,000.00	116	3.343
3	हरदोई शाखा किमी0 34.00 से किमी0 34.500 दांयी पटरी	सोहन्ना	रू0 1,000.00	75	0.288
4	हरदोई शाखा किमी0 34.500 से किमी0 34.720 दांयी पटरी	सोहन्ना	रू0 3,000.00	72ख	0.830
5	हरदोई शाखा किमी0 34.500 से किमी0 34.720 (साईफन) तक दांयी पटरी	सोहन्ना	रू0 5,000.00	77/1	3.500
6	हरदोई शाखा किमी0 34.720 (साईफन) से किमी0 34.920 तक दांयी पटरी	सोहन्ना	रू0 5,000.00	77/2	3.517
7	सबसीडियरी हरदोई शाखा किमी0 19.00 बांयी पटरी	उदयकरनपुर	रू0 1,000.00	68 (नवीन गाटा सं0–217ख)	0.117
8	सबसीडियरी हरदोई शाखा किमी0 19.00 बांयी पटरी	उदयकरनपुर	रू0 2,000.00	147 (नवीन गाटा सं0–288)	0.400
9	हरदोई शाखा नहर के किमी0 19.200 पटरी दॉयीं पर स्थित भूमि	ग्राम–अमृतपुर ता0माधोटाण्डा	रू0 3,000.00	62 (नवीन गाटा सं0–194)	0.696

नीलामी शर्तें:–

1. नीलामी बोली बोलने से पूर्व प्रत्येक बोलीदाता को उपरोक्त विवरण के अनुसार धरोहर राशि एफ0डी0आर0/एन0एस0सी0 जो अधिशासी अभियन्ता, हैड वर्क्स खण्ड, शारदा नहर, बरेली के नाम बंधक हो, जमा करनी होगी, तभी टोकन नम्बर दिया जायेगा, टोकन नम्बर प्राप्त करने वाले बोलीदाता ही नीलामी में सम्मिलित होंगे तथा वे ही बोली बोलने के हकदार होंगे। नकद धनराशि किसी भी स्थिति में जमा नहीं की जायेगी।
2. उपरोक्त भूमि स्वीकृति की तिथि से खरीफ व रवी 1434 फसली (एक वर्ष) वर्ष 2026–27 के लिये मात्र कृषि कार्य के लिये दी जायेगी, उसके बाद नीलाम क्रेता (ठेकेदार) का कोई अधिकार नहीं होगा। इस भूमि पर नीलाम क्रेता ईख (गन्ना) की फसल नहीं बोएगा, वह ऐसी फसल लगायेगा जो रवी 1434 फसली की समाप्ति से पूर्व काट कर ले जा सके।
3. उच्चतम बोलीदाता को अपनी बोली की सम्पूर्ण धनराशि बोली समाप्त होने के तुरन्त बाद एक मुश्त नकद जमा करनी होगी अन्यथा उसके द्वारा जमा धरोहर राशि (एफ0डी0आर0/एन0एस0सी0) शासकीय हित में जब्त कर ली जायेगी और उपरोक्तानुसार क्रमशः द्वितीय व तृतीय उच्चतम बोलीदाता को अवसर दिया जायेगा।
4. नीलामी स्वीकृति के उपरान्त ही नीलाम क्रेता उपरोक्त भूमि पर जुताई बुवाई कर सकेगा।
5. नीलाम क्रेता को नीलामी स्वीकृति प्राप्त होने के एक सप्ताह के अन्दर नीलामी राशि पर नियमानुसार जी0एस0टी0, 8.5 प्रतिशत की दर से स्टाम्प शुल्क तथा रू0 100.00 का नॉन जूडिशियल स्टाम्प पेपर अनुबन्ध हेतु जमा करना होगा।
6. नीलाम क्रेता द्वारा नहरी भूमि पर किसी भी प्रकार का स्थाई/अस्थाई निर्माण कार्य नहीं किया जायेगा और भूमि अन्य व्यक्ति को हस्तगत नहीं करेगा, अन्यथा नीलामी निरस्त कर वैधानिक कार्यवाही की जायेगी, जिसका पूर्ण उत्तरदायित्व नीलाम क्रेता का होगा।
7. नीलाम क्रेता द्वारा नहरी भूमि से मिट्टी आदि किसी प्रकार का खनन नहीं किया जायेगा, नहरी भूमि पर स्थित किसी भवन, नाली, वृक्ष आदि किसी सम्पत्ति को क्षति नहीं पहुँचाई जायेगी।
8. किसी प्रकार का मतभेद होने पर अधिशासी अभियन्ता, हैड वर्क्स खण्ड, शारदा नहर, बरेली का निर्णय अन्तिम व सर्वमान्य होगा।
9. वर्तमान में कोरोना वायरस (कोविड–19) का प्रकोप पूरे देश में चल रहा है। अतः नीलामी बोली में उपस्थित बोलीदाता मास्क लगाकर उपस्थित होंगे तथा सोशल डिस्टेन्सिंग का पालन करेंगे एवं मात्र नीलामी बोलीकर्ता ही उपस्थित रह सकेगा।
10. प्रत्येक इच्छुक बोलीदाता बोली बोलने से पूर्व उपरोक्त नीलामी स्थल का भली–भॉति निरीक्षण कर लें, नीलामी के बाद कोई क्लेम मान्य नहीं होगा।

UP - 245889 दिनांक: 11/02/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in
पर उपलब्ध है।

सहायक अभियन्ता
द्वितीय उपखण्ड, बाईफरकेशन
हैड वर्क्स खण्ड, शारदा नहर, बरेली

अमृत विचार

बरेली , शुक्रवार,13 फरवरी 2026

बरेली देहात

'गोदान' में पंचगव्य के वैज्ञानिक पहलू दर्शाए हैं

बरेली, अमृत विचार: जयनारायण विद्या मंदिर के छात्रों ने गाय के सांस्कृतिक और वैज्ञानिक पहलुओं को उजागर करने वाली फिल्म गोदान प्रधानाचार्य डॉ. रवि शरण और ब्रज प्रांत के सह कार्यवाह राजपाल के साथ देखी। फिल्म में पंचगव्य के वैज्ञानिक पहलुओं को दर्शाया गया है। इसे देखकर छात्र भी उत्साहित हुए। प्रधानाचार्य ने कहा कि सभी को सपरिवार ये फिल्म देखनी चाहिए और गोमाता की महत्ता और हमारे संस्कारों को आने वाली पीढ़ी भी समझे।

पुलिस ने तीन चोरों से सामान किया बरामद

गोदाम व घरों में चोरी का खुलासा, 8550 रुपये,मुखौटा जब्त

संवाददाता, आंवला

अमृत विचारः आंवला पुलिस ने गोदाम व आवासीय चोरी की घटनाओं का खुलासा करते हुए तीन चोरों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से एक तमंचा, चोरी का मोबाइल, काला मुखौटा, 8550 रुपये की नकदी, तीन जोड़ी चांदी की पायल बरामद की हैं।

आंवला पुलिस ने तीन चोरों को पकड़कर सामान किया बरामद। ● अमृत विचार

पुलिस के अनुसार बीती 10 फरवरी को मोहल्ला गंज त्रिपौलिया निवासी केशव गुप्ता के होलसेल गोदाम पाल ओम सेल्स में चोरी कर ली गयी थी। एस आई सचिन कुमार ने बताया कि बीती रात्रि में गश्त के दौरान बदायूं रोड स्थित मधुबन कॉलोनी के पास तीन लोगों को चोरी के माल का बंटवारा करते समय घेराबंदी करके गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से एक तमंचा 315 बोर, एक कारतूस, कीपैड मोबाइल, काला मुखौटा, 8550 रुपये नकद और एक आधार कार्ड बरामद हुआ है। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम रौनक पुत्र अमित चौधरी निवासी मोहल्ला पुरैना ढाल वर्मा एक्स-रे के सामने कस्बा आंवला, मोहित पुत्र हरिराम निवासी ग्राम फतेहगंज थाना विशारतगंज, सौरव पुत्र गणेशराम उर्फ कुक्कु निवासी मोहल्ला कच्चा कटरा कस्बा आंवला बताया है। पूछताछ में आरोपियों ने बीती 18 जनवरी की रात न्यू सिटी कॉलोनी बदायूं रोड स्थित एक मकान से चोरी की घटना भी स्वीकार की। उनकी निशानदेही पर मकबरे के पास झाड़ियों से तीन जोड़ी चांदी की पायल भी बरामद की गईं। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वे आपस में दोस्त हैं।

बीमार गायों की सेवा करके दिया करुणा का संदेश

बरेली, अमृत विचार : रोटरी क्लब फ्रेगरेंस के सदस्यों ने रामगंगा के पास स्थित गोशाला पहुंचकर बीमार गायों की सेवा की। सदस्यों ने गायों को हरा चारा, गुड़, दाना उपलब्ध कराईं।

क्लब की चार्टर अध्यक्ष सुधा गुप्ता ने बताया कि गो सेवा भारतीय संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। बीमार व असहाय पशुओं की देखभाल करना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। सेक्रेटरी मुक्ता अग्रवाल ने कहा कि ऐसे सेवा कार्यों से समाज में संवेदनशीलता और करुणा की भावना मजबूत होती है। सीमा अग्रवाल, संगीता मित्तल, सविता अग्रवाल, मुनिता रेकरीवाल, उषा कुमार, रिचा अग्रवाल , मनीषा मेहरा , किरन सक्सेना, शालू मित्तल, लेखा खंडेलवाल रहीं।

दरगाह आला हजरत से रमजान का कैलेंडर जारी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

● चांद का दीदार होते ही शुरू हो जाएगी तरावीह की नमाज

अमृत विचार : रमजान का मुकद्दस महीना नजदीक आ चुका है। चांद के दीदार के साथ 19 या 20 फरवरी से रमजान शुरू हो जाएंगे। इसको लेकर मस्जिद, दरगाह, खानकाह और मदरसों में तैयारियां चल रही हैं। तरावीह के लिए हाफिज नियुक्त हो रहे हैं। सुन्नी-बरेलवी मुसलमानों के मरकज (केंद्र) दरगाह आला हजरत से कैलेंडर जारी कर दिया गया है। 18 फरवरी को चांद देखा जाएगा। चांद की शरई शहादत (गवाही) के साथ तरावीह शुरू हो जाएंगी और अगले दिन 19 फरवरी को पहला रोजा होगा। चांद नहीं दिखने की सूरत में 20 फरवरी से रमजान की शुरुआत होगी।

दरगाह प्रमुख मौलाना सुब्हान रजा खान (सुब्हानी मियां) और सज्जादानशीन मुफ्ती अहसन रजा कादरी (अहसन मियां) ने सहरी-इफ्तार की समयसारिणी (जंत्री) के साथ कैलेंडर (2026-27) जारी कर दिया। मुफ्ती सलीम नूरी ने बताया कि जंत्री के अलावा मरकजी रेहाने मिल्लत कलैंडर भी जारी किया गया है। जिसमें साल भर होने वाले मुसलमानों के त्योहार व देशभर में होने वाले प्रमुख उर्स की तारीख भी दर्शायी गयी हैं। दरगाह के मीडिया प्रभारी नासिर कुरैशी ने बताया कि कैलेंडर में रोजा, इफ्तार की दुआ के अलावा सदका-ए-फित्र, एतेकाफ समेत अन्य जानकारियां दर्ज हैं।

स्पोर्ट्स कोर्ट का उद्घाटन

फरीदपुर अमृत विचार : विनायक इंटरनेशनल स्कूल में नए स्पोर्ट्स कोर्ट का उद्घाटन राज्य महिला आयोग की सदस्य पुष्पा पाण्डेय ने फीता काट कर किया। कार्यक्रम में विद्यालय के चेयरपर्सन डॉ. सबीन अहसन सीएमडी डॉ. अमीद मुराद सहित स्कूल प्रबंधन और स्टाफ मौजूद रहा।

महिला आयोग की पुष्पा पाण्डेय को स्मृति चिह्न देते डॉ. सबीन अहसन।

विकास कार्य में भ्रष्टाचार पर प्रधान-सचिव से स्पष्टीकरण

कार्यालय संवाददाता, बरेली

● केसरपुर ग्राम पंचायत में कराए कार्यों में गुणवत्ता से समझौता

अमृत विचारः ग्राम पंचायत केसरपुर में प्रधान और सचिव ने गांव में कराए गए विकास कार्यों में घटिया सामग्री का प्रयोग कर सरकारी धन का गबन किया। प्रथम दृष्टया आरोप सही मिलने पर डीएम अविनाश सिंह ने प्रधान और सचिव को नोटिस जारी कर 15 दिन में स्पष्टीकरण मांगा है।

रामनगर ब्लॉक के केसरपुर गांव के हर गोविंद, जोगराज ने करीब पांच महीने पहले जिलाधिकारी को शपथ पत्र देकर आरोप लगाया गया था कि प्रधान और सचिव ने निर्माण कार्यों में जहां घटिया सामग्री का उपयोग किया, वहीं बिना किसी वैध बैठक के फैसले लेकर सरकारी धन निकाल लिया गया। डीएम ने जिला उद्यान अधिकारी से जांच कराई। उद्यान अधिकारी ने बीते दिनों जांच पूरी कर रिपोर्ट सौंपी। जांच में पता चला कि ग्राम पंचायत की ओर से कराए गए कामों के आवश्यक अभिलेख तैयार नहीं किए गए और गुणवत्ता मानकों की अनदेखी की गई। डीएम ने प्रधान और सचिव को नोटिस जारी कर 15 दिनों के भीतर जवाब मांगा है।

अधिवक्ता परिषद ब्रज प्रांत की बैठक आयोजित

वीरसावरकर नगर में बैठक करते अधिवक्ता परिषद ब्रज प्रांत के सदस्य।

बरेली, अमृत विचार : अधिवक्ता परिषद ब्रज प्रांत जिला इकाई की मासिक बैठक वीर सावरकर नगर में अधिवक्ता संजय सक्सेना के निवास पर हुई। अध्यक्षता जिला इकाई के अध्यक्ष अधिवक्ता ओम पाल सिंह ने की। जिला मीडिया प्रभारी अधिवक्ता राजीव वर्मा ने अवगत कराया कि पूर्व निर्धारित प्रमुख विषयों पर विस्तार पूर्वक चर्चा कर सर्वसम्मति से निर्णय लिए गए। संचालन अधिवक्ता गिरिराज किशोर सिंह चौहान ने किया। संरक्षक ईश्वरी प्रसाद वर्मा और पूरन लाल प्रजापति, राजेंद्र प्रसाद मम्मा, अनुज कांत सक्सेना, हजारी लाल मौजूद रहे।

जोन बैठक में चुनावी रणनीति पर जोर दिया

बरेली, अमृत विचार: भोजीपुरा विधानसभा में अपना दल एस की जोन बैठक ग्राम सुंदर गोटिया में डॉ. ठाकुर दास के निवास पर हुई। अध्यक्षता करते हुए जोन अध्यक्ष शमशेर सिंह सागर ने कहा कि आगामी चुनाव में सफलता केवल मजबूत संगठन और समर्पित टीम वर्क से ही संभव है। दूसरे दलों के कई कार्यकर्ताओं ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। जिला सचिव. मनीष कुमार, शकील अहमद आदि रहे।

बाइक की टक्कर से युवक घायल

भोजीपुरा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के ग्राम सेडा के पास सड़क हादसे में युवक घायल हुआ है। पीड़ित रवि निवासी सतुईया खास फतेहगंज पश्चिमी बाइक से नवाबगंज से घर लौट रहा था। सेडा मसीत के पास बाइक चालक ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। इससे रवि को चोटें आई हैं।

क्षेत्रीय कार्यालय सहायक रजिस्ट्रार, फर्म्स, सोसाइटीज तथा चिट्स 193-ए, सिविल लाइन्स बरेली मण्डल बरेली।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राशिद जमीर द्वारा सचिव की हैसियत से पीलीभीत मुस्लिम वैलफेयर सोसायटी, मं.नं. 177, मो. दुर्गा प्रसाद, कच्ची सराय के सामने, पीलीभीत का नाम व पता परिवर्तन कर संस्था का नया नाम व पता:- राईन वेलफेयर सोसाइटी, 697, बड़ा खुदागंज जिला पीलीभीत करने हेतु प्रपत्र प्रस्तुत किये गये है। उपरोक्त संस्था का नाम परिवर्तन किये जाने में यदि किसी सम्मानित पदाधिकारी/सदस्य को कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के 15 दिनों के अन्दर फोटोयुक्त नोटरीशपथ पत्र के माध्यम से आपत्ति पत्र अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में प्रस्तुत करे। यदि उक्त निर्धारित अवधि में किसी की कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है तो यह समझा जायेगा कि किसी को कोई आपत्ति नहीं है, तद्परान्त आपत्ति के अभाव में एकपक्षीय कार्यवाही करते हुए अग्रिम कार्यवाही सुनिश्चित कर ली जायेगी, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी भू.पू./वर्तमान पदाधिकारी/सदस्यों की होगी। उपरोक्त सार्वजनिक सूचना/नोटिस सोसा. रजि. एक्ट 1860 की धारा-4 क के अन्तर्गत जारी की जा रही है।

सहायक रजिस्ट्रार, बरेली।

कार्यालय ग्राम पंचायत लडती विकास खंड खुटार, शाहजहांपुर

अल्पकालीन निविदा सूचना

समस्त पंजीकृत फर्मों को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत लडती में वित्तीय वर्ष 2025-26 की कार्य योजना के अनुसार निर्माण कार्य हेतु निर्धारित दरों पर सील बंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है। इच्छुक फर्म मालिक दिनांक 17.02.2026 समय दोपहर 02:00 बजे तक निविदाएं प्राप्त करा सकते है। उसी दिन 3:00 बजे ग्राम सचिवालय में निविदाएं खोली जाएंगी।

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनु. लागत
1.	ग्राम पंचायत में अन्नपूर्णा भवन का निर्माण	9 लाख

सामग्री आपूर्ति का विवरण : भवन निर्माण कार्य हेतु ईट प्रथम, सीमेंट, सरिया, मौरंग, बजरी, लोहा, दरवाजा, विंडो, बिजली फिटिंग, इंटरलॉक ईट, ईट रोडी, सीआईबी बोर्ड, हयूम पाइप, समरसेबल, लोहा पाइप, पीबीसी पाइप, पानी का टैंक आदि सामग्री की कार्य स्थल पर आपूर्ति हेतु समस्त क्रय का भुगतान सामग्री कार्य स्थल पर आपूर्ति के बाद किया जाएगा, अग्रिम नहीं।

संदीप सिंह, ग्राम प्रधान — प्रवीन कुमार, सचिव

प्राथमिक विद्यालय हमीरपुर वि.खं. भोजीपुरा (बरेली)

नीलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बरेली के पत्रांक सं. एस.एस.ए /निर्माण/4595- 99/2023-24 दिनांक 15.12.2023 के अनुपालन में प्रा.वि. हमीरपुर के प्रांगण में स्थित जर्जर भवन की नीलमी दिनांक 14.02.2026 दिन शनिवार को प्रात: 11 बजे विद्यालय प्रांगण में की जायेगी। आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी न होने की स्थिति में पुन: दिनांक 16.02.2026 दिन सोमवार को समय प्रात: 11 बजे से की जायेगी। बोली से पूर्व बोलीकर्ता को अपना आधार कार्ड व रूपये 10,000/- जमानत राशि के रूप में जमा करने होंगे। बोलीकर्ता का रजिस्ट्रेशन नीलामी दिनांक को प्रात: 11 बजे से 11:30 बजे तक होगा। नीलामी की शर्तें विद्यालय पहुंचकर प्राप्त की जा सकती है।

हरीश कुमार-अध्यक्ष — जगदीश चन्द्र-सचिव

विद्यालय प्रबन्ध समिति प्राथमिक विद्यालय हमीरपुर विकास क्षेत्र भोजीपुरा (बरेली)

कार्यालय नगर पंचायत गुलड़िया भिण्डारा-पीलीभीत

पत्रांक: मैमो/न.पं.गु.भि./2025-26 — दिनांक: 12.02.2026

नोटिस

(अन्तर्गत धारा-143, नगर पालिका अधिनियम, 1916)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित विवरण के अनुसार कॉलम-04 में अंकित व्यक्ति के द्वारा किये गये रजिस्टर्ड बैनामा के द्वारा हस्तांतरण के आधार पर कॉलम-05 में उल्लिखित व्यक्ति ने अपना नाम गृह कर पंजिका में दर्ज किये जाने हेतु इस कार्यालय में प्रार्थना-पत्र दिया है, यदि कॉलम संख्या- 05 में अंकित व्यक्ति अपने नाम को गृहकर पंजिका में अंकित किये जाने में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि के 01 माह के अन्दर नगर पंचायत गुलड़िया भिण्डारा में लिखित रूप से प्रस्तुत कर सकता है। उल्लिखित समय-सीमा के अन्दर किसी प्रकार की आपत्ति प्राप्त न होने की दशा में प्रस्तावित नाम को नगर पंचायत गुलड़िया भिण्डारा के गृहकर रजिस्टर में गृहकर वसूली के उद्देश्य से दर्ज कर लिया जायेगा।

क्र.	सम्पत्ति का विवरण	हस्तांतरण हेतु प्रस्तावित सम्पत्ति का वार्ड का नाम व पता	रजिस्टर्ड बैनामाकर्ता वसीयतनामाकर्ता/ दानकर्ता का नाम व पता	प्रस्तावित व्यक्ति का नाम जो उस व्यक्ति को गृहकर हेतु दर्ज किया जाना है।	हस्तांतरण का आधार
01	02	03	04	05	06
1.	गाटा सं.-40/ 0.247 हे. रकबा- 186.05 वर्ग मी.	वार्ड नं.-06 नगर पंचायत गुलड़िया भिण्डारा तहसील- अमरिया जिला- पीलीभीत	श्री सुनील कुमार भाटिया पुत्र ओमप्रकाश वार्ड नं.-06, नगर पंचायत गुलड़िया भिण्डारा तहसील-अमरिया जिला-पीलीभीत	श्रीमती हरजीत कौर पत्नी श्री लखबीर सिंह नि.- गुलडिया भिण्डारा तहसील-अमरिया जिला-पीलीभीत	रजिस्टर्ड बैनामा

अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत गुलड़िया भिण्डारा, पीलीभीत — अध्यक्ष, नगर पंचायत गुलड़िया भिण्डारा, पीलीभीत

कार्यालय नगर पंचायत बरखेड़ा जनपद पीलीभीत

पत्रांक : 166/न.पं.ब./2025-26 — दिनांक : 12.02.2026

ई-निविदा सूचना

नगर पंचायत बरखेड़ा जनपद पीलीभीत द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में 15वां वित्त आयोग (अनटाईड ग्रान्ट बुनियादी अनुदान) के रूप में निकाय को प्राप्त धनराशि व वर्ष 2024-25 के प्रथम त्रैमास एवं द्वितीय तैमास में 02 प्रतिशत अतिरिक्त स्टाम्प शुल्क की संग्रहीत धनराशि से नगर पंचायत बरखेड़ा में सी.सी. रोड आदि का निर्माण कार्य कराये जाने हेतु कार्यो की ई-निविदा प्रपत्र उ.प्र. की ई-प्रोक्योरमेन्ट की वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। निविदा खोले जाने की तिथि में यदि अवकाश होगा तो निविदा अगले दिन कार्य दिवस में खोली जायेगी।

बिड प्रकाशित होने की तिथि	13.02.2026	प्रात: 08:00 बजे
ऑन लाईन बिड अपलोड करने की तिथि	13.02.2026	प्रात: 10:00 बजे
बिड अपलोड करने की अन्तिम तिथि	23.02.2026	प्रात: 10:00 बजे तक
बिड खुलने की तिथि	23.02.2026	अपरान्ह 02 बजे

(नागेन्द्र पाण्डेय), उपजिलाधिकारी बीसलपुर, अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत बरखेड़ा पीलीभीत — (श्याम बिहारी भोजवाल), अध्यक्ष, नगर पंचायत बरखेड़ा जनपद पीलीभीत

कार्यालय ग्राम पंचायत गोरा लोकनाथपुर विकास खंड मीरगंज (बरेली)

अल्पकालीन निविदा सूचना

समस्त अधिकृत फर्मों/विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में ग्राम पंचायत गोरा लोकनाथपुर में मनरेगा योजना से निम्न निर्माण कार्य हेतु कार्य स्थल पर सामग्री आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मों से निविदा आमंत्रित की जाती है जिसका सामग्री विवरण निम्नवत है -प्रथम श्रेणी ईट, बजरी, बजरफुट, सीमेंट,रेत, रोड़ी,सरिया व अन्य सामग्री जो प्राक्कलन में लिखित है।

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	योजना
1.	भूरे लाल के घर से मनवीर के घर तक सी. सी. व नाली निर्माण कार्य।	274601/-	मनरेगा

उक्त कार्य हेतु सीलबंद निविदाएं दिनांक 13.2.2026 से दिनांक 18.02.2026 दोपहर 1:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। जो उसी दिनांक 18.02.2026 दोपहर 3:00 बजे निविदादाताओं या उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जाएगी। कार्य हेतु सामग्री आपूर्ति आदि की सूचना ग्राम पंचायत कार्यालय पर उपलब्ध है जो किसी भी कार्यालय दिवस में देखी जा सकती है। किसी भी विवाद की स्थिति में ग्राम पंचायत का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा।

प्रधान-धर्मेन्द्र सिंह — सचिव

कार्यालय ग्राम पंचायत मोहम्मदगंज (मु०) विकास खंड मीरगंज (बरेली)

अल्पकालीन निविदा सूचना

समस्त अधिकृत फर्मों/विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में ग्राम पंचायत मोहम्मदगंज (मु.) में मनरेगा योजना से निम्न निर्माण कार्य हेतु कार्य स्थल पर सामग्री आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मो से निविदा आमंत्रित की जाती है जिसका सामग्री विवरण निम्नवत है - प्रथम श्रेणी ईट, बजरी, बजरफुट, सीमेंट, रेत, रोड़ी, सरिया व अन्य सामग्री जो प्राक्कलन में लिखित है।

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	योजना
1.	संजीव के घर से प्रदीप के घर तक सी.सी. व नाली निर्माण कार्य।	399401/-	मनरेगा

उक्त कार्य हेतु सीलबंद निविदाएं दिनांक 13.2.2026 से दिनांक 18.02.2026 दोपहर 1:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। जो उसी दिनांक 18.02.2026 दोपहर 3:00 बजे निविदादाताओं या उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जाएगी। कार्य हेतु सामग्री आपूर्ति आदि की सूचना ग्राम पंचायत कार्यालय पर उपलब्ध है जो किसी भी कार्यालय दिवस में देखी जा सकती है। किसी भी विवाद की स्थिति में ग्राम पंचायत का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा।

प्रधान-प्रेमपाल — सचिव

सार्वजनिक सूचना/आपत्ति सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती रजनी पत्नी सुनील कुमार एवं श्रीमती सुनैना पत्नी मुकेश कुमार (निवासी: रामावतार वाली गली, सुभाष नगर, बरेली) के भू-खंड (क्षेत्रफल क्रमश: 20.90-20.90 वर्ग मीटर, गली नं. 21, श्याम कालोनी, बरेली) की मूल रजिस्ट्रियाँ गुम हो गई है। विवरण : (1) रजनी : बही 01,जिल्द 5039, पृष्ठ 213-240 सं. 14370, दिनांक 28.12.2011 (2) सुनैना : बही 01, जिल्द 5039, पृष्ठ 241-268 सं. 14371, दिनांक 28.12.2011 (SRO बरेली)

उक्त संपत्तियां अमृत सिंह पुत्र राजेन्द्र सिंह द्वारा उम्मीद हाउसिंग फाइनेंस प्रा. लि. में बंधक रखी जा रही है। किसी भी आपत्ति की स्थिति में 10 दिनों के भीतर साक्ष्यों सहित अधोहस्ताक्षरी से संपर्क करें, अन्यथा प्रक्रिया पूर्ण कर ली जाएगी।

अर्जित सक्सेना (अधिवक्ता)
पैनल अधिवक्ता : उम्मीद हाउसिंग फाइनेंस प्रा. लि. बरसाना धाम, जवाहरपुरी, बदायूं। मो. 8077430318

न्यायालय श्रीमान अपर उप जिलाधिकारी, बरेली

वाद संख्या-सन् 2024

धर्मपाल सिंह वयस्क पुत्र स्व. हेतराम निवासी ग्राम कन्धरी, परगना तहसील व जिला बरेली। बनाम

1. ममता पटेल वयस्क पत्नी गंगा सिंह पुत्री धर्मपाल सिंह 2. तेजवीर सिंह वयस्क पुत्र धर्मपाल सिंह 3. जगपाल पुत्र भोला नाथ 4. नरेश पाल सिंह पुत्र भोला नाथ 5. पुत्तू सिंह पुत्र भोला नाथ 6. श्रीमती भानवती पत्नी भोलानाथ 7. अनिल कुमार पुत्र भोला नाथ समस्त निवासी गण ग्राम कन्धरी परगना तहसील व जिला बरेली। 8. गांव सभा ग्राम कन्धरी, परगना तहसील व जिला बरेली-द्वारा प्रधान। 9. राज्य उ.प्र. सरकार द्वारा कलैक्टर साहब, बरेली

चूंकि मुसम्मी धर्मपाल सिंह ने आपके नाम एक नालिश, वास्ते 144 रा.सं. के दायर की है। लिहाजा हुक्म दिया जाता है कि आप बतारीख 18.02.26 असालतन या मारफत किसी वकील के जो हालात मुकदमा से बखूबी वाकिफ, हो मय कागजात मुतलका के हाजिर हो वरना आपकी गैर हाजिरी में मुकदमा हाजा फैसला होगा। आज बतारीख 12.2.26 को मेरे दस्तखत व मोहर अदालत से जारी किया गया।

जज-अपर उप जिलाधिकारी (सदर)-बरेली

कार्यालय नगर पालिका परिषद, पुवायां, जनपद-शाहजहाँपुर

पत्रांक : 361/न.पा.प.-पु/नीलामी/2025-2026 — दिनांक : 09.02.2026

सार्वजनिक नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद, पुवायां की निम्नलिखित निष्प्रोज्य सामग्री की सार्वजनिक नीलामी दिनांक 18.02.2026 को अपरान्ह 1:00 बजे कार्यालय नगर पालिका परिषद, पुवायां में की जायेगी। इच्छुक व्यक्ति निर्धारित तिथि व समय पर निम्नानुसार नकद जमानत धनराशि जमा कर बोली में भाग ले सकते है। सर्वाधिक बोलीदाता को तुरन्त अपने खर्चे से निष्प्रोज्य सामग्री तत्काल उठानी अनिवार्य होगी।

क्र.सं.	नीलामी की सामग्री का विवरण	नीलामी का प्रकार	जमानत की धनराशि
1	2	3	4
1.	निष्प्रोज्य सबमर्सिबल पम्प आदि	प्रति नग	10,000.00
2.	निष्प्रोज्य ई-रिक्शा	एक मुश्त 7 नग	25,000.00
3.	निष्प्रोज्य कूड़ेदान की शीट, एंगल, पाईप, लोहा आदि	प्रति किलो	10,000.00
4.	निष्प्रोज्य हाईमास्ट लाईट	एक मुश्त	10,000.00
5.	निष्प्रोज्य एल.ई.डी. बल्ब	एक मुश्त	5000.00
6.	निष्प्रोज्य प्लास्टिक टंकी	प्रति किलो	10,000.00
7.	निष्प्रोज्य पुरानी बैट्री आदि	प्रति किलो	50,000.00

नियम एवं शर्तें :- 1. उपरोक्त नीलामी तालिका के कालम-3 में अंकित नीलामी के प्रकार के अनुसार की जायेगी। तदोपरान्त सर्वाधिक बोलीदाता को सम्पूर्ण धनराशि तत्काल नगर पालिका में जमा करनी होगी। समस्त सामग्री की नीलामी "जहाँ है जैसा है" के आधार पर की जायेगी। नीलामी के सम्बन्ध में अधोहस्ताक्षरी का निर्णय अन्तिम होगा। अन्य शर्तों व नीलामी के सम्बन्ध में जानकारी के लिए कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में सम्पर्क किया जा सकता है। इच्छुक व्यक्ति/फर्म उपरोक्त नीलाम हेतु उपलब्ध सामग्री को किसी भी कार्यदिवस में मौके पर देख सकते है।

2. सर्वाधिक बोलीदाता को अपने खर्चे से उपरोक्त सूची में अकित तौल कराये जाने वाली वस्तुओं की तौल अधोहस्ताक्षरी के समक्ष कराकर सम्पूर्ण धनराशि तत्काल नगर पालिका में जमा करने के उपरान्त निष्प्रोज्य सामग्री दिनांक 22.02.2026 तक उठाना होगा, अन्यथा जमानत धनराशि जब्त कर पुन: नीलामी की जायेगी।

अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद, पुवायाँ (शाहजहाँपुर) — अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद, पुवायाँ (शाहजहाँपुर)

कार्यालय नगर पालिका परिषद आंवला (बरेली)

पत्रांक : 680/न.पा.परि.आ./2025-26 — दिनांक : 11.02.2026

ई-निविदा सूचना

एतद् द्वारा नगर पालिका परिषद आंवला/पब्लिक सेक्टर/राज्य सरकार/केन्द्र सरकार अन्य सरकारी विभाग में पंजीकृत फर्मो को सूचित किया जाता है कि निकाय को 15वां.वि.आ. अन-टाईड अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से प्रस्तावित निम्न निर्माण कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से दिनांक 06.03.2026 को समय अपरान्ह 01:00 बजे तक ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती है जिसके ऑनलाइन निविदा प्रपत्र https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध हैं जो कि दिनांक 14.02.2026 से 06.03.2026 को समय अपरान्ह 01:00 बजे तक डाउनलोड/अपलोड किये जा सकते है। कार्यो का विवरण निम्नवत् है।

क्र.सं.	कार्य विवरण	अनुमानित लागत	बिड सिक्योरिटी	निविदा मूल्य जी.एस.टी. सहित	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	निर्माण इ.ला.टा. रोड व नाली पी.डब्लू.डी. रोड से शराफत के मकान तक व दीवार के पास से आरिफ के मकान होते हुये कलीम के मकान तक नई बस्ती बजीरगंज रोड वार्ड सं. 01	1112997	22300	1200+216	3 माह
2.	निर्माण सी.सी. रोड व नाली होली चौक मोहल्ला विलायतगंज वार्ड सं. 01	1191893	23900	1200+216	3 माह
3.	निर्माण इ.ला. रोड व नाली बलि हसन के मकान से कमल हसन के मकान तक व मुजाजिद के मकान से सहीद के मकान होते हुये नासिर के मकान तक गौसिया चौक नई बस्ती वार्ड सं. 05	264993	5300	300+54	3 माह
4.	निर्माण इ.ला.टा. रोड व नाली आलम के मकान से रोजी के मकान तक मोहल्ला गौसिया चौक नई बस्ती वार्ड सं. 05	134516	2700	150+27	3 माह
5.	निर्माण इ.ला. रोड व नाली सरताज के मकान के पास व जाबिर के मकान वाली गली मोहल्ला गौसिया चौक नई बस्ती वार्ड सं. 05	203944	4100	250+45	3 माह
6.	निर्माण सी.सी. रोड व नाली रामलाल के मकान से गीता देवी के मकान तक मोहल्ला खेड़ा वार्ड सं. 05	254821	5100	300+54	3 माह
7.	निर्माण इं.ला. रोड व नाली अकमल के मकान से नईम के मकान तक व मोबिन के मकान से सलीम के मकान तक मोहल्ला गौसिया चौक नई बस्ती वार्ड सं. 05	710837	14250	750+135	3 माह
8.	निर्माण सी.सी. रोड व नाली कूड़ा घर के पास से देवेन्द्र की चक्की के पास पुलिया तक बख्शी वार्ड सं. 09	1066821	21350	1100+98	3 माह
9.	निर्माण सी.सी. रोड व नाली चेतराम के मकान से यादराम के मकान तक व लालमन वाली गली मोहल्ला खेड़ा वार्ड सं. 15	381760	7650	400+72	3 माह
10.	निर्माण इ.ला.टा. रोड व नाली वर्मा जी के मकान से धारा सिंह के गोदाम के पास तक का कार्य मुन्सिफ कोर्ट के सामने वार्ड सं. 16	1217219	22300	1200+216	3 माह
11.	निर्माण सी.सी. रोड व नाली सफीक अहमद के मकान तक नासीर के मकान तक का कार्य मोहल्ला खेड़ा वार्ड सं. 20	1217279	24500	1250+225	3 माह
12.	निर्माण इ.ला.टा. रोड व नाली रामप्रसाद के मकान से मास्टर बनवारी के मकान तक मोहल्ला बेहटा जूनू वार्ड सं. 25	421825	8450	450+81	3 माह
13.	निर्माण इ.ला.टा. रोड व नाली शंकर के मकान से छोटेलाल के मकान तक व बृन्दावन के मकान से भोले के मकान तक तथा सोमपाल के मकान से राजकुमार के मकान तक मोहल्ला बेहटा जूनू वार्ड सं. 25	359313	7200	400+72	3 माह
14.	निर्माण इ.ला.टा. रोड व नाली संजय के मकान से तेजपाल के मकान तक तथा सर्वेश के मकान से दीपचन्द्र के मकान तक मोहल्ला बेहटा जूनू वार्ड सं. 25	248353	5000	300+54	3 माह
15.	निर्माण सी.सी. रोड व नाली लक्ष्मी नर्सिंग होम के पास से महेश के मकान होते हुये भूपराम के मकान तक मोहल्ला किशन टोला वार्ड सं. 25	454395	9100	500+90	3 माह

अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग इन करें तथा बिड डाक्यूमेंट को डाउनलोड करें।

अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद आंवला (बरेली) — अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद आंवला (बरेली)

नेशनल ब्रीफ

पटना: नीट की छात्रा की मौत के मामले को सीबीआई ने संभाला

नई दिल्ली। पटना में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) की तैयारी कर रही छात्रा की मौत के मामले की जांच सीबीआई ने स्थानीय पुलिस से अपने हाथ में ले ली है। जहानाबाद निवासी छात्रा 6 जनवरी को पटना के चित्रगुप्त नगर स्थित महिला छात्रावास में बेहोश मिली थी। बाद में वह कोमा में चली गई और पांच दिन बाद निजी अस्पताल में उसकी मौत हो गई। छात्रा की मौत के बाद मचे हंगामे से बिहार सरकार ने 31 जनवरी को मामला सीबीआई को सौंप दिया। परिजनों ने पीड़िता के साथ यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया। पीड़िता के परिवार ने अधिकारियों पर मामले को दबाने का भी आरोप लगाया।

आर्थिक वृद्धि में पशु चिकित्सकों की भूमिका अहम : भागवत

नागपुर। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने गुरुवार को कहा कि देश के आर्थिक विकास में पशु चिकित्सकों की अहम भूमिका है और उन्होंने उनसे पारंपरिक जिम्मेदारियों से आगे बढ़कर अपना नजरिया व्यापक करने की अपील की। भागवत ने सह-अस्तित्व की भावना पर कहा कि मनुष्यों, जानवरों और प्रकृति के बीच बेहतर सामंजस्य होना चाहिए और समाज को इस पर गंभीरता से सोचना चाहिए कि संतुलित सह-अस्तित्व कैसे तय किया जाए। भागवत इंडियन सोसाइटी फॉर एडवांसमेंट ऑफ कैनाइन प्रैक्टिस और पशु एवं मत्स्य पालन विज्ञान विवि के संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे।

माल्या जब तक भारत नहीं लौटता, नहीं होगी सुनवाई : बंबई हाईकोर्ट

मुंबई। बंबई उच्च न्यायालय ने गुरुवार को अपने इस रुख को दोहराया कि वह भगोड़े कारोबारी विजय माल्या द्वारा दायर याचिका पर तब तक विचार नहीं करेगा, जब तक वह भारत वापस नहीं लौट आता। अदालत ने यह टिप्पणी माल्या की उस याचिका पर दी जिसमें उसने भगोड़े आर्थिक अपराधी अधिनियम (एफईओ) के प्रावधानों को चुनौती दी है। मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अंखड की पीठ ने कहा कि माल्या को पहले यह स्पष्ट करना होगा कि वह भारत लौटेंगे या नहीं। माल्या को वापस लौटना होगा...अगर आप वापस नहीं आ सकते तो हम इस याचिका पर सुनवाई नहीं कर सकते। माल्या 2016 से ब्रिटेन में है। उसने उच्च न्यायालय में दो याचिकाएं दायर की हैं।

केरल के तिरुचिरापल्ली में हड़ताल के दौरान कर्मचारियों ने रेल ट्रैक जाम कर दिया।

बंद : विपक्ष शासित राज्यों में जनजीवन ठप

केरल, तमिलनाडु और तेलंगाना समेत कई राज्यों में रहा पूरी तरह बंद

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार की नई श्रम संहिताओं समेत कई और मुद्दों के विरोध में दस ट्रेड यूनियनों की ओर से गुरुवार को आहूत 24 घंटे के भारत बंद का देश भर में मिलाजुला असर देखने को मिला। इस हड़ताल ने विपक्ष शासित राज्यों, खासकर दक्षिणी राज्यों में जनजीवन और कारोबार को लगभग ठप कर दिया, दूसरी ओर बाकी भारत में जनजीवन काफी हद तक सामान्य रहा।

केरल, तमिलनाडु और तेलंगाना जैसे राज्यों में पूरी तरह बंद रहा। विपक्षी पार्टियों का शासन वाले पश्चिम बंगाल, पंजाब और झारखंड में बंद आंशिक था, जिसका असर सिर्फ औद्योगिक इलाकों तक ही सीमित था। कई राज्यों की राजधानियों और

औद्योगिक केंद्रों में, मज़दूरों ने भारत बंद के साथ एकजुटता दिखाते हुए आईएनटीयूसी, सीटू, एटक और एचएमएस जैसी बड़ी ट्रेड यूनियनों के बैनर तले मार्च और रैलियां निकालीं। इसमें औद्योगिक श्रमिक, किसान और बैंकिंग, बीमा और दूसरे संगठित क्षेत्र के कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया। ट्रेड यूनियन की हड़ताल की गूंज संसद की कार्यवाही में भी सुनाई दी, जहां विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आंदोलन कर रहे श्रमिकों को अपना समर्थन दिया।

राहुल गांधी ने कहा, देश भर में लाखों श्रमिक और किसान सड़कों पर हैं, अपने हक के लिए आवाज़ उठा रहे हैं, उन्होंने सरकार पर उनके भविष्य पर असर डालने वाले फैसले लेते समय हितधारकों को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। गांधी ने लिखा, श्रमिकों को डर है कि चार श्रम संहिताएं उनके हक को कमजोर कर देंगी। किसानों को चिंता है कि व्यापार समझौतों से उनकी रोजी-रोटी को नुकसान होगा। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि मनरेगा को कमज़ोर करने या बंद करने का कोई भी कदम ग्रामीण भारत पर बहुत बुरा असर डालेगा। अगर मनरेगा को कमज़ोर किया गया या खत्म कर दिया गया, तो गांवों के पास सहारे का आखिरी ज़रिया भी खत्म हो सकता है।

बजट सत्र : संसद के दोनों सदनों में पक्ष-विपक्ष के बीच घमासान जारी

सत्ता ने किया अर्थव्यवस्था मजबूत होने का दावा, विपक्ष बोला- कोई उपलब्धि नहीं

- **राज्यसभा में चर्चा के दौरान भाजपा ने कहा- सरकार का केवल विरोध करना है इसलिए बजट की आलोचना नहीं की जानी चाहिए**

नई दिल्ली, एजेंसी

आम आदमी के विकास को सरकार की प्राथमिकता बताते हुए राज्यसभा में सत्ता पक्ष ने कहा कि भारत का दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना बताता है कि सरकार ने कितना काम किया है। वहीं विपक्ष ने दावा किया कि उपलब्धियों के नाम पर सरकार के खाते में कुछ भी नहीं है।

राज्यसभा में बजट पर हो रहीं चर्चा में भाजपा के मदन राठौर ने कहा कि यह पूर्ण बजट है और इसमें पिछले साल तक हुए सरकार के कामकाज को आगे बढ़ाने के लिए समुचित प्रावधान किए गए हैं। केवल विरोध करना है इसलिए बजट की आलोचना नहीं की जानी चाहिए बल्कि उसके सकारात्मक पक्षों को भी देखना चाहिए। अगर कांग्रेस के कार्यकाल से तुलना की जाए तो यह बजट हर मायने में बेहतर है। कांग्रेस के जीसी चंद्रशेखर ने कहा कि सरकार का ध्यान विज्ञापनों पर है, वह पुरानी योजनाओं को समाप्त कर रही है और कई का नाम बदल रही है। उपलब्धियों के नाम पर उसके खाते में कुछ भी नहीं है।

भाजपा के शंभुशरण पटेल ने कहा कि यह बजट 140 करोड़ देशवासियों के सपने साकार करने वाला बजट है। मयंक नायक ने कहा कि हर मद में बजट बढ़ाया गया और कोई भी वर्ग उपेक्षा का दावा नहीं कर सकता। भाजपा के केसरीदेव सिंह झाला ने कहा कि प्रदूषण की समस्या के हल को बजट में 20 हजार करोड़ तय करना बेहतर कदम है। भाजपा के अमरपाल मौर्य ने कहा कि यह बजट देश के दीर्घकालिक निर्माण की नींव रखता है। सीमा द्विवेदी ने हर जिले में महिला छात्रावास खोलने की सरकार की घोषणा को सराहनीय बताया। राजीव भट्टाचार्य ने कहा कि शिक्षा के बजट में 14.2 फीसदी की वृद्धि की गई है।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के संदोष कुमार पी ने कहा कि सरकार खुद बताए कि उसने आम आदमी के लिए इस बजट में क्या दिया है। शिवसेना (उबाठा) की प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि बजट से 60 साल से अधिक उम्र के बुजुर्ग बजट में अपने लिए कुछ सुविधा की उम्मीद लगाए हुए थे लेकिन वह लोग निराश हो गए।

औद्योगिक संबंध संहिता संशोधन विधेयक को विपक्ष ने मजदूर विरोधी बताया, भाजपा ने कहा- श्रमिक हितैषी, हड़ताल रुकेगी

नई दिल्ली। औद्योगिक श्रेत्र के तीन कानूनों की जगह लेने वाली औद्योगिक संबंध संहिता, 2020 में सरकार द्वारा पेश संशोधन पर लोकसभा में चर्चा करते हुए विपक्ष ने इसे उद्योगों के हित वाला तथा श्रमिक क्षेत्र के लिए असुरक्षा पैदा करने वाला कदम बताया, वहीं भाजपा ने कहा कि इसका मकसद सभी पक्षों के हितों की रक्षा करना है। प्रस्तावित कानून पर चर्चा की शुरुआत करते हुए कांग्रेस सांसद के . सुरेश ने कहा कि यह विधेयक सुधार वाला नहीं, बल्कि पीछे लौटाने वाला है और इसका उद्देश्य क्रमबद्ध तरीके से पूर्ववर्ती संप्रग सरकार के समय के श्रमिक सुरक्षा सुधारों को समाप्त करना है। उन्होंने देशव्यापी श्रमिक संगठनों की हड़ताल का जिक्र करते हुए कहा कि यह सरकार के लिए चेतावनी है लेकिन सरकार संवाद के बजाय अपने प्रभुत्व में विश्वास रखती है। भाजपा के सदस्य दर्शन सिंह चौधरी ने कहा कि इस संहिता का मकसद प्रगतिशील श्रमिक सुधारों को लागू करते हुए कर्मचारियों समेत सभी पक्षों के हितों की रक्षा करना है। उन्होंने कहा कि यह संहिता न केवल अर्थव्यवस्था को सुधारेगी, बल्कि मजदूरों को आगे बढ़ाएगी इससे गैरकानूनी हड़ताल और तालाबंदी रुकेगी।

निशिकांत ने की राहुल के खिलाफ दिए नोटिस पर सदन में चर्चा की मांग

नई दिल्ली। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने गुरुवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर अर्बन नक्सल की तरह व्यवहार करने का आरोप लगाया और कांग्रेस नेता के खिलाफ दिये गए विशिष्ट नोटिस पर सदन में चर्चा कराने की मांग की। शून्य काल के दौरान, भाजपा सांसद ने राहुल पर सोरोस फाउंडेशन और फोर्ड फाउंडेशन के साथ संबंध रखने का आरोप लगाया।

- **सदस्यता रद्द हो और कभी चुनाव नहीं लड़ पाएं**

उन्होंने आरोप लगाया, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी अर्बन नक्सल की तरह व्यवहार करते हैं। भाजपा सदस्य ने दावा किया कि राहुल गांधी केवल देशद्रोहियों से मिलने वियतनाम, कंबोडिया, बहरीन और थाईलैंड जाते हैं। दुबे ने यह भी आरोप लगाया, वह कभी निर्वाचन आयोग पर, कभी संविधान पर, कभी लोकसभा अध्यक्ष पर, उच्चतम न्यायालय पर, जितनी भी संवैधानिक संस्थाएं हैं, उन पर आरोप लगाते हैं। उन्होंने कहा, ''मेरा आग्रह है कि एक विशिष्ट प्रस्ताव पर राहुल गांधी पर चर्चा होनी चाहिए। उनकी सदस्यता रद्द होनी चाहिए और वह कभी चुनाव नहीं लड़ पाएं।

विशेषाधिकार हनन लाओ या मुकदमा करो किसानों के लिए लड़ूंगा: राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर देश और किसानों को अमेरिका के हाथों बेचने का आरोप लगाया और कहा कि सरकार उनके खिलाफ चाहे मुकदमा दर्ज करवाए या विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव लाए, वह किसानों की लड़ाई लड़ते रहेंगे।

- **मोदी ने अपने अरबपति मित्रों के लिए देश बेचा**

राहुल गांधी ने 'एक्स' और अपने व्हाटसएप चैनल पर एक वीडियो जारी करते हुए कहा, प्राथमिकी हो, मुकदमा दर्ज हो या विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव लाएं, मैं किसानों के लिए लड़ूंगा। कोई भी ऐसा व्यापार समझौता जो किसानों की रोज़ी-रोटी छीने या देश की खाद्य सुरक्षा को कमजोर करे, वह किसान-विरोधी है। किसान-विरोधी मोदी सरकार को अन्नदाताओं के हितों से समझौता नहीं करने देंगे। कहा, किसान विरोधी मोदी ने देश के अन्नदाताओं को, उनके खून-पसीने को ट्रंप के हाथों बेच दिया है। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री पहले अपने अरबपति मित्रों के मुनाफ़े के लिए काले क़ानून लाए थे, अब अपने गले से अमेरिकी शिकंजा हटाने के लिए ट्रंप के अमेरिका के सामने भारतीय खेती के दरवाज़े खोल दिए।

अमरनाथ यात्रियों के लिए दुर्घटना बीमा राशि 10 लाख रुपये

जम्मू। दक्षिण कश्मीर में होने वाली वार्षिक अमरनाथ यात्रा के सिलसिले में पंजीकृत यात्रियों, सेवा प्रदाताओं और पुजारियों के लिए दुर्घटना बीमा की राशि पांच लाख रुपये से बढ़ाकर 10 लाख रुपये कर दी गई है। यह निर्णय जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा की अध्यक्षता में हुई श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) की बैठक में लिया गया।

एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि बोर्ड ने 2026 की यात्रा के लिए प्रथम पूजा 29 जून को ज्येष्ठ पूर्णिमा के अवसर पर करने की घोषणा की है। यात्रा के औपचारिक आरंभ की तिथि शीघ्र ही तय की जाएगी। प्रतिवर्ष देशभर से लाखों श्रद्धालु 3,880 मीटर ऊंचाई पर स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा में प्राकृतिक रूप से निर्मित हिम शिवलिंग के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। प्रवक्ता ने बताया कि बोर्ड ने बाबा बर्फानी को समर्पित लेजर और साउंड शो आयोजित करने को भी मंजूरी दी है, जो श्रीनगर और जम्मू में आयोजित किया जाएगा। इसके अलावा एसएएसबी कर्मचारियों के लिए विभिन्न कल्याणकारी कदमों को भी मंजूरी दी गई।

परेशान नहीं कर पाएंगे रिकवरी एजेंट आरबीआई के नए सख्त नियम लागू

मुंबई, एजेंसी

- **कर्ज वसूली एजेंटों के लिए प्रशिक्षण अनिवार्य, फोन कॉल की रिकॉर्डिंग संबंधी नियमों का मसौदा जारी**

बैंक के लिए कर्ज वसूली करने वाले रिकवरी एजेंट अब परेशान नहीं कर पाएंगे क्यों कि आरबीआई ने बैंक एजेंटों की नियुक्ति और उनके कामकाज के नियमन के लिए गुरुवार को नियमों का मसौदा जारी किया। इसमें एजेंट के लिए प्रशिक्षण अनिवार्य करने और कर्जदारों को किए जाने वाले सभी फोन कॉल की रिकॉर्डिंग का प्रावधान है।

केंद्रीय बैंक ने कहा कि बैंक यह सुनिश्चित करेंगे कि वसूली एजेंट द्वारा उधारकर्ता को किए गए सभी फोन कॉल को रिकॉर्ड किया जाए। इसके साथ

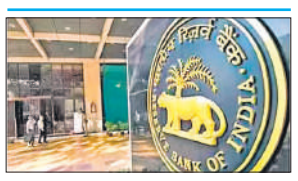

ही एजेंट को कर्जदार के साथ 'सभ्य तरीके' से बातचीत करनी होगी।

नियमों के मसौदे मुताबिक, बैंक का कर्मचारी या वसूली एजेंट कर्जदार के साथ शालीनता एवं मर्यादा बनाए रखते हुए व्यवहार करेगा और कर्ज वसूली के लिए उधारकर्ता के घर जाने पर भी अपना आचरण संयमित रखेगा। आरबीआई इस पर भी विचार कर रहा है कि वसूली एजेंटों के लिए भारतीय बैंकिंग एवं वित्त संस्थान (आईआईबीएफ) द्वारा संचालित 'ऋण वसूली प्रशिक्षण' को अनिवार्य किया जाए। गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मौद्रिक नीति समीक्षा की बैठक में एजेंटों के आचरण को नियमित करने के लिए कदम उठाने की बात कही थी। पहले ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं जिनमें वसूली एजेंट के खराब व्यवहार से कर्जदारों को काफी परेशानियां उठानी पड़ीं।

एअर इंडिया विमान दुर्घटना की जांच जारी: एएआईबी

नई दिल्ली। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) ने कहा कि पिछले वर्ष अहमदाबाद में हुए एअर इंडिया विमान हादसे की जांच अभी जारी है और इस संबंध में कोई अंतिम निष्कर्ष नहीं निकाला गया है।

एएआईबी ने स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा कि दुर्घटना की जांच पूरी हो जाने संबंधी मीडिया रिपोर्ट गलत व अटकलों पर आधारित हैं। एअर इंडिया का बोइंग 787-8 विमान 12 जून 2025 को अहमदाबाद से लंदन गैटविक के लिए उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस हादसे में 241 यात्रियों समेत कुल 260 लोगों की मौत हो गई थी। एएआईबी ने एक बयान में कहा, विमान दुर्घटना की जांच एक तकनीकी और साक्ष्य-आधारित प्रक्रिया होती है, जिसका उद्देश्य मूल कारणों का पता लगाना और विमानन सुरक्षा को सुदृढ़ करना है।

सुप्रीम कोर्ट का कर्नाटक की दरगाह पर महाशिवरात्रि की पूजा रोकने से इन्कार

बेंगलुरु, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक के कलबुर्गी जिले के अलंद शहर में लाडले मशाक दरगाह पर महाशिवरात्रि पूजा रोकने की मांग करने वाली याचिका पर सुनवाई करने से मना कर दिया और पूजा जारी रखने की इजाजत दे दी। इस साल 15 फरवरी को महाशिवरात्रि पर दरगाह के भीतर मौजूद राघव चैतन्य शिवलिंग की पूजा होनी है।

याचिकाकर्ता ने संविधान के अनुच्छेद 32 का हवाला देते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था जिसमें प्रावधान है कि यदि किसी व्यक्ति को प्रतीत होता है कि उसके मौलिक अधिकारों का हनन हो रहा है तो वह इस अनुच्छेद के तहत शीर्ष न्यायालय का दरवाजा खटखटा सकता है। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति एससी शर्मा की पीठ ने

- **संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत दायर की गई थी याचिका, कोर्ट ने खारिज कीं दलीलें**

कहा कि संपत्ति या स्थानीय धार्मिक रीति-रिवाजों पर हर विवाद अनुच्छेद 32 के तहत नहीं आता। इसे उच्च न्यायालय या दूसरी प्रशासनिक इकाइयों के फैसलों का लांघने के लिए शॉर्टकट के तौर पर इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। याचिकाकर्ता ने दलील दी कि पूजा की इजाजत देने से दरगाह का धार्मिक रूप बदल जाएगा, जिसे वक्फ घोषित किया गया था। उन्होंने उस जगह के नवीनीकरण, निर्माण और पूजा की इजाजत मांगने वाले न्यायालय के पहले के आदेश का हवाला दिया। शीर्ष न्यायालय ने कोई रोक लगाने से मना कर दिया और पूजा जारी रखने की इजाजत दे दी।

दरगाह में है संत राघव चैतन्य की समाधि

14वीं सदी के सूफी संत लाडले मशाक के नाम पर बनी लाडले मशाक दरगाह में 15वीं सदी के हिन्दू संत राघव चैतन्य की समाधि भी है। उस जगह पर शिवलिंग ऐतिहासिक रूप से दोनों समुदायों के भक्तों को अपनी ओर खींचता रहा है। हिन्दू पारंपरिक रूप से वहां पूजा करते रहे हैं। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने फरवरी 2025 में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सिर्फ 15 लोगों को महाशिवरात्रि पूजा करने की इजाजत दी थी, जबकि याचिका में 500 भक्तों के लिए इजाजत मांगी गयी थी।

सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी के बाद लेह में हिंसा काबू में आई

नई दिल्ली। केंद्र ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि राजस्थान की जोधपुर जेल में बंद जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक पिछले साल 24 सितंबर को लेह में हुई हिंसा में भीड़ को उकसाने वाले मुख्य शख्स थे। केंद्र से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के. एम. नटराज ने कहा कि वांगचुक की गिरफ्तारी के बाद हिंसा नियंत्रण में आ गई।

नटराज ने पीठ को बताया कि वह हिंसा को मुख्य रूप से उकसाने वाले थे। हिरासत आदेश में स्पष्ट संबंध दिखता है, इसमें सोची-समझी रणनीति का इस्तेमाल किया गया है।उनकी गिरफ्तारी के बाद आंदोलन और हिंसा नियंत्रण में आ गई। इसलिए यह साबित हो गया कि गिरफ्तारी का आदेश सटीक था जो उस स्थिति में उचित था। विधि अधिकारी ने कहा कि वांगचुक की हिरासत के लिए इन सभी प्रक्रियात्मक आवश्यकताओं का सावधानीपूर्वक पालन किया गया।

राकांपा के दोनों गुटों के विलय में शरद बने बाधा

मुंबई, एजेंसी

- **अजीत पवार के गुट में भी बने दो धड़े, सुनेत्रा पवार भी अनिश्चय में**

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में उसके संस्थापक अध्यक्ष शरद पवार के ही दिवंगत अजीत पवार के नेतृत्व वाली राकांपा के साथ एकीकरण के मार्ग में बाधा बन जाने की सुगबुगाहट है। इस बीच शरद पवार गुट के विधायक रोहित पवार ने कहा, हम जल्द ही दोनों गुटों के विलय के संबंध में घोषणा करेंगे। उन्होंने कहा, हालांकि वह यह घोषणा गुरुवार को करने वाले थे लेकिन अब 16 या 17 फरवरी को करेंगे।

कहा जा रहा है कि अजीत पवार गुट के भीतर भी इस मुद्दे पर मोटे तौर पर दो धड़े हैं। प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे जैसे वरिष्ठ नेताओं के नेतृत्व वाला एक धड़ा भाजपा समर्थक है जो चाहता है कि शरद पवार के नेतृत्व वाली राकांपा का विलय अजीत पवार गुट में उन शर्तों पर हो जो भाजपा और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महायुति गठबंधन सरकार के अनुकूल हों। तटकरे ने बुधवार को खुलकर यह बात कही। दूसरी ओर अजीत पवार गुट के अमोल मिटकरी और प्रमोद हिंदुराव समेत कई नेता भाजपा को लाभ पहुंचाने वाले विलय के विचार के प्रति खुश नहीं हैं, साथ ही दिवंगत अजीत पवार की 28 जनवरी को हुई विमान दुर्घटना में मृत्यु के बारे में खुलासे भी कर रहे हैं।

पार्टी सूत्रों के मुताबिक अजीत पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार भी प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे के प्रभाव में हैं, जो भाजपा के करीबी माने जाते हैं। उनकी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ हालिया बैठक ने मामलों को और अधिक जटिल बना दिया है।

मप्र: सिंगरौली में दो लोगों की दी गई बलि आरोपी गिरफ्तार

सिंगरौली। मध्यप्रदेश के सिंगरौली जिले में अंधविश्वास से जुड़े मानव बलि के मामले में गुरुवार को तड़के दो लोगों की हत्या कर दी गई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि जिला मुख्यालय से 60 किलोमीटर दूर लोहरा गांव के बेरिहवा टोल में 21 वर्षीय युवक को इस मामले में गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री ने बताया कि आरोपी ने फूलकुमारी सिंह गोंड और कमल नारायण सिंह गोंड को घर बुलाकर धारदार हथियार से उन पर हमला किया, जिससे उनकी मौके पर मौत हो गई। जब दो ग्रामीणों सुमित्रा सिंह और राम भजन सिंह ने हस्तक्षेप की कोशिश की तो आरोपी ने उन्हें घायल कर दिया। यह घटना सुबह चार से पांच बजे के बीच हुई और यह पूर्व नियोजित थी। हत्याओं को आरोपी के घर के बाहर आंगन में चबूतरे के पास अंजाम दिया गया। पुलिस को घटनास्थल से धार्मिक अनुष्ठानों की सामग्री मिली।

विपक्ष के आरोप राष्ट्रगान से पहले वंदे मातरम् गाने के केंद्र के आदेश पर बंगाल में शुरू हुआ सियासी घमासान

चुनावी लाभ के लिए टैगोर को कमतर दिखाने की कोशिश

कोलकाता, एजेंसी

आधिकारिक समारोह में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के सभी छह छंद को राष्ट्रगान जन गण मन से पहले गाए जाने के केंद्र के निर्देश के बाद पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले तीखी राजनीतिक बहस शुरू हो गई है। तृणमूल कांग्रेस ने इस आदेश को रवींद्रनाथ टैगोर को कमतर दिखाने और चुनावी लाभ के लिए प्रतीकवाद बढ़ाने का प्रयास बताया, वहीं कांग्रेस ने इसे भाजपा का विभाजनकारी हथकंडा करार दिया। भाजपा का कहना है कि यह केवल ऐतिहासिक गलतियों को सुधारने और बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के गीत को पूरा सम्मान वापस दिलाने का प्रयास है।

बुधवार को अधिसूचित इस आदेश में गृह मंत्रालय ने कहा कि जब राष्ट्रीय गीत और राष्ट्रीय गान साथ-साथ गाए जाएं, तो वंदे मातरम् को जन गण मन से पहले गाना अनिवार्य है। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्य के शिक्षा मंत्री ब्रत्य बसु ने कहा कि पार्टी को बंकिमचंद्र के योगदान को उजागर करने में कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन यह कदम टैगोर को कमतर दिखाने का प्रयास है। बसु ने कहा, इस बात पर जोर देकर कि वंदे मातरम् को जन गण मन से पहले गाया जाना चाहिए, वे एक श्रेणी बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इसके लिए रवींद्रनाथ का अपमान किया गया है।

राज्य की मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए याद दिलाया कि उन्होंने एक बार संसद में बंकिमचंद्र को बंकिम दा कहा था। उन्होंने कहा, क्या यह उस घाव पर मरहम लगाने का प्रयास है। कांग्रेस ने भी इस आरोप को दोहराया और कहा कि इस कदम का उद्देश्य चुनाव से पहले राजनीतिक लाभ हासिल करना है। कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने इसे विभाजन की रणनीति करार दिया। हालांकि, भाजपा ने आलोचना को राजनीति से प्रेरित बताकर खारिज कर दिया। केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस पर सांप्रदायिक तुष्टीकरण के दबाव में वंदे मातरम् को ऐतिहासिक रूप से छोटा किए जाने का आरोप लगाया।

आदेश असंवैधानिक, वापस न हुआ तो कोर्ट जाएंगे: पर्सनल लॉ बोर्ड

नई दिल्ली। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के सभी छह अंतरों को गाए जाने संबंधी सरकार के आदेश को असंवैधानिक करार देते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि यदि सरकार ने यह आदेश वापस नहीं लिया तो वह न्यायालय का रुख करेगा। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के महासचिव मौलाना मोहम्मद फजलुर रहीम मुजद्दिदी ने कहा, यह आदेश असंवैधानिक, धार्मिक स्वतंत्रता और धर्मनिरपेक्ष मूल्यों के खिलाफ, सुप्रीम कोर्ट के फैसले के विपरीत और मुसलमानों की धार्मिक मान्यताओं से सीधा टकराव है। इसलिए यह फैसला मुसलमानों के लिए पूरी तरह अस्वीकार्य है। मुजद्दिदी के मुताबिक, रवींद्रनाथ टैगोर की सलाह और संविधान सभा में हुई चर्चा के बाद यह तय हुआ था कि वंदे मातरम् के केवल पहले दो अंतरों का ही उपयोग किया जाएगा।

अमृत विचार

शुक्रवार, 13 फरवरी 2026

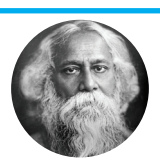

प्रेम का उपहार दिया नहीं जा सकता, यह स्वीकार किए जाने की प्रतीक्षा करता है।

–रवींद्रनाथ टैगोर, साहित्यकार

महत्वाकांक्षी बजट

उत्तर प्रदेश सरकार का तकरीबन सवा नौ लाख करोड़ रुपये का ऐतिहासिक बजट संकेत देता है कि सरकार राज्य को 'ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था' के लक्ष्य पर अग्रसर है। बजट में बुनियादी ढांचे, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य और औद्योगिक निवेश पर विशेष जोर है। एक्सप्रेस-वे, डिफेंस कॉरिडोर, डेटा सेंटर और औद्योगिक पार्क जैसी परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए पर्याप्त प्रावधान प्रशंसनीय हैं। इससे निवेश आकर्षित होगा और दीर्घकाल में रोजगार सृजन की संभावना बढ़ेगी। पूर्वांचल और बुंदेलखंड जैसे अपेक्षाकृत पिछड़े क्षेत्रों के लिए विशेष योजनाएं क्षेत्रीय असमानता कम करेंगी।

सरकार ने कौशल विकास, स्टार्टअप और स्वरोजगार योजनाओं के लिए बजट बढ़ाया है, हालांकि प्रत्यक्ष सरकारी नौकरियों की बड़ी घोषणाएं सीमित हैं। रोजगार सृजन का भरोसा मुख्यतः निजी निवेश और इंफ्रास्ट्रक्चर विस्तार पर आधारित है। चुनावी वर्ष की आहट को देखते हुए युवाओं के लिए लक्ष्य आधारित कार्यक्रम स्वागत योग्य हैं, लेकिन उनकी ठोस समय सीमा और निगरानी तंत्र भी स्पष्ट होना चाहिए। सरकारी स्कूलों के आधुनिकीकरण, मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़ाने और डिजिटल शिक्षा पर खर्च बढ़ाने से मानव संसाधन विकास को बल मिलेगा। डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, आईटी पार्क और अनुसंधान केंद्रों के लिए प्रावधान यह संकेत देते हैं कि राज्य तकनीक आधारित विकास मॉडल अपनाना चाहता है। शिक्षामित्रों, अनुदेशकों और आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को वेतन या स्थायीकरण संबंधी कोई स्पष्ट राहत न मिलना असंतोष का कारण बन सकता है। यह वर्ग लंबे समय से नियमितीकरण और वेतन वृद्धि की मांग कर रहा है। कृषि बजट में सिंचाई, कृषि यंत्रीकरण, फसल बीमा और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की घोषणाओं से उत्पादकता और लागत संतुलन में मदद मिल सकती है, किसानों को तकनीक आधारित सेवाओं और कृषि स्टार्टअप को प्रोत्साहन मिलना दीर्घकालीन सुधार का संकेत है, पर एमएसपी, गन्ना भुगतान या कृषि ऋण राहत जैसे मुद्दों पर कोई बड़ा और नया एलान भी अपेक्षित था। विधवा, वृद्ध और दिव्यांग पेंशन योजनाएं जारी हैं, परंतु वृद्धावस्था पेंशन में उल्लेखनीय बढ़ोतरी न होना महंगाई के परिप्रेक्ष्य में निराशाजनक माना जा सकता है। सामाजिक सुरक्षा का दायरा विस्तारित हुआ है, पर राशि में बड़े इजाफे की उम्मीद पूरी नहीं हुई। 8वें वेतनमान की घोषणा न होना यह दर्शाता है कि सरकार वित्तीय अनुशासन बनाए रखना चाहती है। वेतन व्यय पहले ही बजट का बड़ा हिस्सा लेता है, संभव है कि इस पर निर्णय केंद्र के संकेतों के बाद लिया जाए। इंफ्रास्ट्रक्चर और निवेश परियोजनाओं में पिछली घोषणाओं का बड़ा हिस्सा लागू हुआ है, फिर भी कई सामाजिक योजनाओं का पूर्ण क्रियान्वयन अभी मूल्यांकन मांगता है। संभव है कि वर्ष के मध्य में अनुपूरक बजट आए, जिसमें छूटे क्षेत्रों के लिए अतिरिक्त प्रावधान किए जाएं।

इस बजट में आम नागरिक को बेहतर सड़क, स्वास्थ्य और रोजगार अवसर के रूप में अप्रत्यक्ष लाभ की उम्मीद है। मध्यम वर्ग को बुनियादी सेवाओं के विस्तार से फायदा होगा, पर तात्कालिक आर्थिक राहत सीमित दिखती है।

प्रसंगवश

रेडियो के वो सुहाने दिन बस यादें रह जाती हैं

आज विश्व रेडियो दिवस है। आज से करीब एक सौ बीस साल पहले रेडियो का आविष्कार हुआ था। रेडियो के आविष्कार ने वैश्विक संचार में अभूतपूर्व क्रांति ला दी थी। भारत में आवाज की इस अनोखी दुनिया को एक सौ तीन वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। पिछली करीब एक सदी की शानदार यात्रा में रेडियो, भारत के जन-जन के जीवन का अभिन्न अंग बन गया है। नई संचार तकनीकी के अभ्युदय से पहले रेडियो ने भरोसेमंद जनसंचार के एक शक्तिशाली माध्यम के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

तरंगों के द्वारा आवाज को एक स्थान से दूसरे स्थान तक संप्रेषित करने वाले रेडियो नाम के उपकरण को मूर्त रूप लेने में करीब चार दशक लगे। इस कालखंड में अनेक भौतिकविदों एवं अभियंताओं ने रेडियो के क्रमिक विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

प्रयाग पांडे

वरिष्ठ पत्रकार, नैनीताल

1864 में एक अंग्रेज गणितीय भौतिकविद् जेम्स क्लर्क मैक्सवेल ने पहली बार रेडियो तरंगों के अस्तित्व की भविष्यवाणी की थी। 1888 में एक जर्मन भौतिकविद हेनरिश हर्ट्ज ने रेडियो तरंगों के अस्तित्व को तो स्वीकारा, लेकिन उन्होंने रेडियो तरंगों का दूर संचार में उपयोग की संभावनाओं को नकार दिया था। इसी दरम्यान एक अंग्रेज भौतिकविद् रदरफोर्ड ने तीन चौथाई मील दूरी तक रेडियो संकेत भेजकर हर्ट्ज की अवधारणा को गलत सिद्ध कर दिया। 12 दिसंबर, 1881 में इटली के विद्युत अभियंता मारकोनी ने एक स्थान से भेजी गई आवाज को सुनने और पुनः अपनी आवाज दूसरे स्थान पहुंचाने में सफ़लता प्राप्त कर ली, लेकिन तब रेडियो का वर्तमान स्वरूप अस्तित्व में नहीं आ पाया था। 1904 में विद्युत अभियंता जॉन एम्ब्रोज फ्लेमिंग और 1906 में अमेरिका के डी. फारेस्टर ने रेडियो के आविष्कार को आगे बढ़ाया।

प्रारंभिक चरण में रेडियो का सबसे अधिक उपयोग समुद्री जहाजों द्वारा किया गया। समुद्री जहाज खतरे या दुर्घटना की स्थिति में एक-दूसरे जहाज या तट से सहायता प्राप्त करने के लिए रेडियो का उपयोग करते थे। 25 दिसंबर, 1906 की रात को अचानक जहाजियों ने तारयंत्र से पहले एक पुरूष की आवाज सुनी फिर उन्हें एक महिला का गीत और वायलन की धुन सुनाई दी, इसी के साथ रेडियो को अपना अस्तित्व मिल गया।

शुरुआती दौर में इंग्लैंड में रेडियो को वायरलेस कहा जाता था। अमेरिका में इसे रेडियो टेलीग्राफ कहते थे। बाद में अमेरिकी लोगों ने इसमें से टेलीग्राफ शब्द को छोड़कर सिर्फ रेडियो कहना शुरू कर दिया। 1920 मे वेस्टिंग हाउस कंपनी के एक इंजीनियर ने अमरीकी सरकार से रेडियो प्रसारण का लाइसेंस प्राप्त कर पिट्सबर्ग में दुनिया का पहला रेडियो प्रसारण केंद्र स्थापित किया। डॉ. फ्रैंक कॉनराड ने रेडियो में सांध्य कार्यक्रमों की एक श्रृंखला प्रारंभ की। 23 फरवरी, 1920 को मारकोनी कंपनी ने चेम्सफोर्ड से रेडियो प्रसारण शुरू किया था। नवंबर, 1922 में जॉन रीथ के निर्देशन में ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कंपनी की स्थापना हुई। इसके साथ ही इंग्लैंड में रेडियो का नियमित प्रसारण शुरू हो गया।

1923 में रेडियो क्लब, मुंबई ने भारत में रेडियो का पहला प्रसारण शुरू किया। इसी वर्ष कोलकाता समेत अन्य महानगरों में भी रेडियो प्रसारण शुरू हुए। इसके बाद भारत में इंडियन ब्रॉडकास्टिंग कंपनी का गठन हुआ। कंपनी ने 23 जुलाई, 1927 को मुंबई से रेडियो प्रसारण प्रारंभ कर दिया। 1936 में दिल्ली में रेडियो के केंद्रीय स्टेशन की स्थापना हुई। इसी वर्ष इंडियन स्टेट ब्रॉडकास्टिंग कॉपरेशन वजूद में आई। 1936 में इसका नाम ऑल इंडिया रेडियो कर दिया गया था। 1957 में आकाशवाणी।

लोकसभा अध्यक्ष पर अविश्वास प्रस्ताव व विपक्ष की राजनीति

विवेक सक्सेना

अयोध्या

वर्तमान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ विपक्षी सांसदों द्वारा पेश अविश्वास प्रस्ताव केंद्र सरकार के लिए न सही, पर देश की राजनीति के लिए भी चिंताजनक है। तृणमूल कांग्रेस को छोड़कर इंडिया गठबंधन के करीब 120 विपक्षी सांसदों के हस्ताक्षर वाले इस प्रस्ताव पर नौ मार्च को चर्चा होने की संभावना है। संविधान के अनुच्छेद 94C के तहत अविश्वास प्रस्ताव का यह नोटिस 10 फरवरी को सौंपा गया था। विपक्षी दलों ने बिरला पर सदन में पक्षपात का आरोप लगाते हुए यह प्रस्ताव पेश किया है। विपक्ष ने अध्यक्ष पर लोकसभा में कुछ अप्रत्याशित कार्रवाई करने की बात करते हुए कांग्रेस सदस्यों के खिलाफ झूठे दावे करने का भी आरोप लगाया है।

तृणमूल ने बिरला को दो दिनों की मोहलत देने की पैरोकारी करते हुए हस्ताक्षर से परहेज किया। राहुल गांधी के भी हस्ताक्षर नहीं हैं, हालांकि इस संदर्भ में तर्क दिया गया कि लोकसभा में नेता विपक्ष का संवैधानिक पद है और इसलिए संसदीय गरिमा-मर्यादा का ध्यान रखते हुए स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर उन्होंने हस्ताक्षर नहीं किए हैं। सपा के कई सांसदों के तो हस्ताक्षर हैं, जिसमें डिंपल यादव भी शामिल हैं, लेकिन अखिलेश यादव ने हस्ताक्षर से परहेज किया है। स्पीकर बिरला ने विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव नोटिस को आगे की प्रक्रिया के लिए लोकसभा सचिवालय को भेज दिया है। इस बीच बिरला ने फैसला किया है कि महाभियोग प्रस्ताव की प्रक्रिया खत्म होने तक सदन की कार्यवाही में हिस्सा नहीं लेंगे। विपक्षी दलों के इस नोटिस के साथ ही लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी को धन्यवाद प्रस्ताव पर नहीं बोलने देने के विवाद ने सियासी संग्राम का नया रूख अख्तियार कर लिया है।

भारत में गठबंधन राजनीति की प्रकृति को देखते हुए, स्वतंत्रता के बाद से समय-समय पर अविश्वास प्रस्ताव आते रहे हैं। अविश्वास प्रस्ताव एक राजनीतिक संकट का संकेत होता है, हालांकि ये प्रस्ताव राजनीतिक चर्चा को जटिल बनाते हैं और विपक्ष को अपनी असहमति दर्ज कराने का अवसर प्रदान करते हैं, लेकिन क्या ये प्रस्ताव संकट के समाधान में सहायक होते हैं? जवाहरलाल नेहरू को अविश्वास प्रस्ताव का सामना 1963 में करना पड़ा, जो 1962 के भारत-चीन संघर्ष के बाद की स्थिति थी। इंदिरा गांधी के खिलाफ 1973 में अविश्वास प्रस्ताव पेश हुआ था। इंदिरा गांधी को 1966 से 1977 के बीच अपने कार्यकाल में 12 अविश्वास प्रस्तावों का सामना करना पड़ा। राजनीति के आरोपों से घिरे मोरारजी देसाई के खिलाफ 1979 में संसद में अविश्वास प्रस्ताव लाया गया।

तीन साल के अंतराल के बाद जब इंदिरा गांधी 1980 में सत्ता में लौटीं, तो उन्हें तीन और अविश्वास प्रस्तावों का सामना करना पड़ा। 1993 में प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव को दिसंबर 1992 में बाबरी मस्जिद विध्वंस के बाद अविश्वास प्रस्ताव का सामना करना पड़ा, हालांकि राव मामूली अंतर से चुनाव जीतने में कामयाब रहे। 1996 में अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भाजपा सत्ता में आई, तो उन्हें लोकसभा का विश्वास खोने के कारण 13 दिनों के भीतर ही इस्तीफा देना पड़ा। वाजपेयी को अगस्त 2003 में जॉर्ज फर्नांडीस को रक्षा मंत्री नियुक्त करने के लिए एक और अविश्वास प्रस्ताव का सामना करना पड़ा।

लोकसभा में दो फरवरी से ही व्यवधान देखा जा रहा है, जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी को अध्यक्ष द्वारा पूर्व सेवा प्रमुख एमएम नरवाने की किताब के अंश पर आधारित एक लेख को पढ़ने की अनुमति नहीं दी गई थी, जिसमें भारत-चीन संघर्ष का जिक्र था। चार फरवरी को विपक्ष के हंगामे के कारण प्रधानमंत्री मोदी धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस का जवाब नहीं दे सके और प्रधानमंत्री के भाषण के बिना ही पांच फरवरी को धन्यवाद प्रस्ताव पारित कर दिया गया। ये अविश्वास प्रस्ताव इसलिए लाया जा रहा है कि उन्होंने राहुल गांधी को सदन में बोलने का अवसर नहीं दिया।

वैसे तो विपक्षी सांसदों की शिकायतों पर सत्ता पक्ष के नेता अपना जवाब देते रहे हैं, पर अब उन्हें ज्यादा गंभीरता से इस प्रस्ताव का सामना करना पड़ेगा। अब सत्ता पक्ष या लोकसभा सचिवालय को भी आंकड़ों के आधार पर बताना होगा कि संसद सत्र में विपक्षी दलों के सांसदों को कितना वक्त बोलने के लिए दिया गया है? विपक्षी दलों के सदस्यों को क्या बोलने से रोका गया है? सत्ता पक्ष की खामियों को उठाना विपक्षी सांसदों का काम है, पर इसको दर्ज कराते समय उससे जुड़े प्रामाणिक तथ्य रखना भी उनकी जिम्मेदारी है, हालांकि संविधान का अनुच्छेद 96 अध्यक्ष को सदन में अपना बचाव करने का अवसर देता है। सदन में अध्यक्ष को पद से हटाने के लिए प्रस्ताव पेश किए जाने पर अध्यक्ष अपना मत डाल सकते हैं, लेकिन बराबर होने की स्थिति में मत नहीं डाल सकते।

संख्या बल में सरकार आगे है और ओम बिरला के पद पर किसी तरह का खतरा फिलहाल नहीं है, लेकिन इसकी वजह से संसद में कड़वाहट और टकराव कहीं अधिक तीखा होगा। इसका असर संसद की कार्यवाही पर भी पड़ सकता है, फिलहाल कहना कठिन है कि इस अविश्वास प्रस्ताव का क्या हश्र होगा, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि कुछ समय पहले विपक्ष ने राज्यसभा के तत्कालीन सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ भी अविश्वास प्रस्ताव लाने की पहल की थी। संख्या बल धनखड़ के पक्ष में था, लेकिन अंततः वह इतने कमजोर हो गए कि इस्तीफा देना पड़ा।

धनखड़ की तुलना में ओम बिरला को सदन चलाने का ज्यादा अनुभव है। देश में लोकसभा अध्यक्ष के रूप में बलराम जाखड़ सर्वाधिक नौ वर्ष से ज्यादा समय तक पद पर रहे और उनके बाद ओम बिरला का ही स्थान है। पूर्व में तीन लोकसभा अध्यक्षों जीवी मावलंकर, हुकुम सिंह और बलराम जाखड़ के खिलाफ विपक्ष की ओर से अविश्वास प्रस्ताव लाया जा चुका है, मगर तीनों ही बार यह खारिज हो गया था। दुर्भाग्य है कि आज की राजनीति में यह निरंतर घट रहा है।

लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ विपक्षी सांसदों द्वारा पेश अविश्वास प्रस्ताव देश की राजनीति के लिए चिंताजनक है। करीब 120 सांसदों के हस्ताक्षर वाले प्रस्ताव पर नौ मार्च को चर्चा की संभावना है।

आमने

जब 'आयुष्मान भारत-मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना' के तहत जनता को हर तरह का मुफ्त इलाज मिल रहा है, तो इस कानून की अलग से कोई जरूरत ही नहीं है। पिछली कांग्रेस सरकार चुनावी फायदे के लिए आचार संहिता से ठीक पहले राइट टु हेल्थ बिल लाई थी।

–गजेंद्र सिंह खींवसर

स्वास्थ्य मंत्री, राजस्थान

सामने

विधानसभा में चिकित्सा मंत्री का 'राइट टू हेल्थ' पर बयान निंदनीय है। हमारी सरकार ने यूनिवर्सल हेल्थकेयर योजनाएं जैसे चिरंजीवी योजना एवं निरोगी राजस्थान योजना लागू होने के बावजूद राइट टू हेल्थ की परिकल्पना की, ताकि आपातकालीन स्थिति में मरीज इलाज से वंचित न रहे।

–अशोक गहलोत

पूर्व मुख्यमंत्री, राजस्थान

धमकी से लेकर घुटने टेकने तक पाक का ड्रामा

विवेक शुक्ला

पूर्व सूचना अधिकारी यूएई एंबेसी

पाकिस्तान बीते कई दिनों से कह रहा था कि उसकी टीम भारत के खिलाफ आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप का आगामी 15 फरवरी को कोलंबो में होने वाले मैच का बहिष्कार करेगी। फिर उसने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट संघ (आईसीसी) के दबाव के आगे घुटने टेक दिए। अब उसने कहा है कि वह भारत के खिलाफ मैच खेलेगा। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और उससे जुड़े हलकों ने इस मामले पर जिस तरह से शर्तों और दबाव की भाषा अपनाई है, वह न सिर्फ खेल की मर्यादा के खिलाफ है, बल्कि अंततः उसकी विश्वसनीयता को भी कमजोर करती है। आईसीसी द्वारा पाकिस्तान की किसी भी शर्त को न मानना इस बात का संकेत है कि अंतर्राष्ट्रीय खेल संस्थाएं अब बंदर भभकी और राजनीतिक दबाव की रणनीति से प्रभावित नहीं होने वालीं।

पाकिस्तान लंबे समय से अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 'विशेष रियायत' की अपेक्षा करता रहा है। कभी सुरक्षा का हवाला, कभी मेज़बानी के अधिकार, तो कभी बहिष्कार की धमकी। इस बार भी कहानी कुछ अलग नहीं थी। भारत के साथ मुकाबले को लेकर पाकिस्तान ने परोक्ष रूप से यह संदेश देने की कोशिश की कि अगर उसकी शर्तें नहीं मानी गईं, तो वह टूर्नामेंट या मैच से हट सकता है, लेकिन यह धमकी पहले से ही खोखली थी। वैश्विक क्रिकेट को पता है कि भारत–पाक मुकाबला आर्थिक, दर्शक संख्या और प्रसारण तीनों दृष्टि से टूर्नामेंट की रीढ़ होता है और इससे पीछे हटना पाकिस्तान के लिए आत्मघाती कदम होता।

आईसीसी का रुख इस बार स्पष्ट और स्वागतयोग्य रहा। उसने न तो अतिरिक्त शर्तों को स्वीकार किया और न ही किसी तरह का दबाव झेला। यह संदेश साफ है, क्रिकेट अंतर्राष्ट्रीय नियमों और तय ढांचे के अनुसार चलेगा, न कि किसी एक देश की अस्थिर राजनीति या घरेलू दबावों के हिसाब से। कोलंबो जैसे तटस्थ स्थल पर मैच कराने का निर्णय पहले से निर्धारित व्यवस्थाओं के अनुरूप था और इसमें किसी तरह का पक्षपात नहीं था। इसके बावजूद पाकिस्तान का शोर-शराबा यह दर्शाता रहा कि वहां खेल प्रशासन अभी भी भावनात्मक प्रतिक्रिया और तात्कालिक राजनीति से बाहर नहीं निकल पाया है।

ऐसी बयानबाजी से न तो सम्मान मिलता है और न ही सहानुभूति। उल्टा, यह अंतर्राष्ट्रीय मंच पर देश की गंभीरता पर सवाल खड़े करती है। खेल कूटनीति में दृढ़ता का मतलब यह नहीं कि हर बात पर अल्टीमेटम दिया जाए; दृढ़ता का अर्थ है नियमों के भीतर रहकर अपने हितों की रक्षा करना। भारत ने पूरे घटनाक्रम में अपेक्षाकृत संयम दिखाया। न उकसावे का जवाब दिया, न सार्वजनिक बयानबाजी में उलझा। यह परिपक्वता इस बात को रेखांकित करती है कि मजबूत पक्ष अक्सर शोर नहीं करता, वह व्यवस्था पर भरोसा करता है। आईसीसी का फैसला उसी भरोसे की पुष्टि है। इससे यह भी स्पष्ट हुआ कि अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट अब किसी एक बोर्ड की धमकियों से नहीं चलती, बल्कि सामूहिक नियमों और पारदर्शिता से संचालित होती है।

पाकिस्तान को आत्ममंथन की जरूरत है। क्या बार-बार विवाद खड़ा कर वह सचमुच अपने खिलाड़ियों और प्रशंसकों का भला कर रहा है? क्या हर बड़े मंच पर नकारात्मक सुर्खियां बटोरना, उसकी क्रिकेट विरासत के अनुरूप है? खेल का मैदान प्रतिस्पर्धा के लिए होता है, बयानबाजी और धमकियों के लिए नहीं। अगर पाकिस्तान वास्तव में सम्मान और स्थिरता चाहता है, तो उसे अपनी रणनीति बदलनी होगी। धमकी की जगह प्रदर्शन और राजनीति की जगह खेल भावना को प्राथमिकता देनी होगी।

कोलंबो में होने वाला यह मैच खिलाड़ियों के लिए खुद को साबित करने का अवसर है। दर्शक क्रिकेट देखना चाहते हैं। आईसीसी ने सही संदेश दिया है कि नियम सर्वोपरि हैं और कोई भी बोर्ड उनसे ऊपर नहीं। उम्मीद यही है कि पाकिस्तान इस अनुभव से सबक लेगा और भविष्य में ऐसी बंदर भभकी से परहेज करेगा। आखिरकार, क्रिकेट की जीत इसी में है कि खेल खेला जाए, धमकियां नहीं।

सबसे दुखद बात यह है कि इस पूरे प्रकरण में नुकसान पाकिस्तान के खिलाड़ियों और आम क्रिकेट प्रशंसकों का हुआ। उन्हें एक बार फिर अपने बोर्ड की नाकामी और गैर-जिम्मेदाराना रवैये का खामियाज़ा भुगतना पड़ा। क्रिकेटरों को मैदान पर अपनी मेहनत से पहचान बनानी चाहिए, न कि बोर्ड की बयानबाज़ी से। अगर पाकिस्तान वास्तव में क्रिकेट का भला चाहता है, तो उसे मेच्योर होना होगा। धमकियों से न सम्मान मिलता है, न सहानुभूति। सम्मान मिलता है प्रदर्शन से, अनुशासन से और नियमों के पालन से। बार-बार पीड़ित बनने की कोशिश करना अब अंतर्राष्ट्रीय मंच पर काम नहीं आने वाला। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की हालत उस बच्चे जैसी हो चुकी है जो हर बात पर ज़मीन पर लोटता है, लेकिन जब मां ध्यान नहीं देती तो खुद ही चुप हो जाता है।

पाकिस्तान कह रहा था कि उसकी टीम भारत के खिलाफ टी-20 वर्ल्ड कप के मैच का बहिष्कार करेगी। अब उसने आईसीसी के आगे घुटने टेक दिए हैं।

सोशल फोरम

कहानी रोम के राजा की

कलम रंगदार

ब्लॉगर

न्यूमा पोंपिलियस जब राजा बना, तो रोम के लोग हैरान थे। यह कैसा राजा था, जो तलवार नहीं उठाता? रोमुलस के जमाने में हर विवाद का फैसला खून से होता था, लेकिन न्यूमा के राज में हर फैसले के लिए 'बातचीत' और 'धर्म' का सहारा लिया जाने लगा। न्यूमा ने सबसे पहले रोम के लोगों को एक नई दिशा दी। उसने कहा, 'हम सिर्फ लड़ने के लिए पैदा नहीं हुए हैं। हमें देवताओं को खुश रखना होगा।' उसने रोम में धर्म की नींव रखी। उसने पुजारियों का एक समूह बनाया जिसे 'पोंटिफेक्स' (Pontifex) कहा जाता था। इनका काम था देवताओं और इंसानों के बीच पुल का काम करना। आज भी 'पोंटिफ' शब्द का इस्तेमाल कैथोलिक चर्च के प्रमुख (पोप) के लिए किया जाता है, जिसकी जड़ें यहीं से जुड़ी हैं।

न्यूमा ने रोम के लिए एक और खास चीज बनाई- 'वेस्टल वर्जिन्स' (Vestal Virgins)। ये कुंआरी लड़कियां थीं, जो देवी 'वेस्टा' (Vesta) के मंदिर में पवित्र आग की रक्षा करती थीं। रोमनों का मानना था कि जब तक यह आग जलती रहेगी, रोम सुरक्षित रहेगा। अगर आग बुझ गई, तो रोम का विनाश तय है। इन लड़कियों को समाज में बहुत ऊंचा दर्जा मिलता था, लेकिन उनकी जिंदगी बहुत सख्त नियमों से बंधी थी। अगर उनसे कोई गलती हो जाती, तो सजा मौत से भी बदतर होती थी। उन्हें जिंदा दफना दिया जाता था, लेकिन न्यूमा का सबसे बड़ा योगदान कुछ और था। उस समय रोम का कैलेंडर बहुत अजीब था। साल में सिर्फ 10 महीने होते थे और सर्दियां कैलेंडर से गायब थीं। खेती-बाड़ी का कोई हिसाब नहीं था। न्यूमा ने देखा कि यह व्यवस्था ठीक नहीं है। उसने चांद की चाल को देखा और हिसाब लगाया। उसने साल में दो नए महीने जोड़े- 'जेनुअरियस' (Januarius) और 'फेब्रूअरियस' (Februarius)। जी हां, जनवरी और फरवरी।

जेनुअरियस, जो 'जेनस' देवता के नाम पर था- दो चेहरों वाले देवता, जो एक साथ पीछे (अतीत) और आगे (भविष्य) देख सकते थे और फेब्रूअरियस, जो शुद्धिकरण का महीना था। न्यूमा ने साल को 355 दिनों का बना दिया (जो बाद में और सुधरा)। उसने दिनों को 'फास्टि' (Fasti-काम करने के दिन) और 'नेफास्टि' (Nefasti-छुट्टी/धार्मिक दिन) में बांटा। आज हम जो छुट्टी मनाते हैं, उसकी शुरुआत कहीं न कहीं न्यूमा की इसी सोच से हुई थी। न्यूमा ने रोम की सीमाओं को भी बदला, लेकिन युद्ध से नहीं। उसने खेतों की सीमाओं पर 'टर्मिनस' देवता की मूर्तियां लगवा दीं।

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

बेवजह के विवादों से प्रचार पातीं फिल्में

फिल्मों को एक सुनियोजित रणनीति के तहत विवादों में परोसना और फिर उस पर वितंडा खड़ा करके प्रचार पाना, अब कोई नयी बात नहीं रह गई है। दरअसल फिल्मकारों ने आस्था, भावना और मूल्यों के खिलाफ फिल्में बनाकर बेशुमार धन इकठ्ठा करने का एक चलन बना लिया है। भले ही इससे किसी जाति, धर्म आस्था और भावना को चोट क्यों न पहुंचती हो। ऐसी ही एक फिल्म 'घूसखोर पंडत' भी रुपहले पर्दे पर आने को तैयार है, जिसके टाइटल को लेकर वितंडा उठ खड़ा हुआ है। देश के विभिन्न हिस्सों में इस फिल्म के टाइटल को लेकर विरोध-प्रदर्शन जारी है।

खुद फिल्म निर्माता संघ (एफएमसी) ने इस फिल्म को लेकर निर्माता नीरज पांडेय को नोटिस जारी किया है और कहा है कि फिल्म निर्माता ने नियमों के अनुसार शीर्षक के लिए अनिवार्य अनुमति प्राप्त नहीं की है। इसका सीधा मतलब यह हुआ कि फिल्म निर्माता ने जानबूझकर फिल्म को विवादों की परिधि में लाकर प्रचार पाने के लिए यह सारा उपक्रम किया था। अब जब विवाद चरम पर पहुंच गया है और फिल्म भी खूब प्रचार पा ली है, तो फिल्म निर्माता नीरज पांडेय और अभिनेता मनोज वाजपेई द्वारा सफाई दी जा रही है कि उनका मकसद किसी की भावना को ठेस पहुंचाना नहीं था। वे अब विवादित प्रचार सामग्री को हटाने की भी दुहाई दे रहे हैं। सच तो यह है कि फिल्म निर्माता ने अपनी फिल्म को विवादों के जरिए जितना प्रचार पाना चाहा था, उतना पा लिया। उनका मकसद पूरा हुआ। अब सवाल यह है कि क्या ऐसे फिल्म निर्माताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी, जो धन कमाने के निमित्त इस किस्म का घिनौने हथकंडा अपनाते हैं। कहना मुश्किल है, इसलिए कि इस तरह के हथकंडे बार-बार अपनाए जा रहे हैं।

अरविंद जयतिलक

लेखक

अभी गत वर्ष पहले अनुराग कश्यप निर्देशित फिल्म 'उड़ता पंजाब' विवादों के केंद्र में रहा। इस फिल्म का कथानक पंजाब में नशाखोरी के इर्द-गिर्द गढ़ा-बुना गया था। इसके कुछ दृश्यों और डॉयलाग को लेकर बवाल मचा। बेशक एक फिल्मकार को अधिकार है कि वह फिल्मों का निर्माण करे, लेकिन उसका उत्तरदायित्व भी है कि वह धर्म, संस्कृति और इतिहास को पढ़े-समझे और उसकी वास्तविकताओं एवं भावनाओं का ख्याल रखकर फिल्मों का निर्माण करे। उसे ध्यान रखना चाहिए कि फिल्मों के जरिए समाज के नैसर्गिक स्वभाव और आस्था पर बुरा असर न पड़े।

फिल्मकारों ने यह धारणा पाल रखी है कि फिल्मों पर जितना अधिक बवाल होगा उनकी कमाई में उतना ही इजाफा होगा। बेशक एक स्वस्थ लोकतांत्रिक समाज में कहने-सुनने, लिखने-पढ़ने और दिखने-दिखाने की आजादी होनी चाहिए। विशेष रूप से कला के क्षेत्र में तो और भी अधिक, क्योंकि समाज में जो कुछ भी घटित होता है, उसे कला के जरिए पर्दे पर उकेरा जाता है, लेकिन कला और अभिव्यक्ति की आड़ लेकर अरबों कमाने की लालच में धर्म और आस्था पर प्रहार कहां तक उचित है?

एक वक्त था जब फिल्मों का कथानक समाज और राष्ट्र के जीवन में चेतना का संचार करता था। युवाओं को प्रेरणा देता था। आजादी की लड़ाई को धार देने से लेकर समाज के गुणसूत्र को बदलने-रचने में फिल्मों की अहम भूमिका रही है। आज भी कुछ फिल्में सामाजिक व राष्ट्रीय सरोकारों को उकेरती दिख जाती हैं, लेकिन अधिकांश फिल्में वास्तविकताओं से दूर अतिरंजित और फूहड़पन से लैस होती हैं। अगर किसी फिल्म के शीर्षक, कथानक या डॉयलाग से समाज का कोई वर्ग आहत होता है, तो सेंसर बोर्ड की जिम्मेदारी है कि वह इसे पास न करे।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

खोज

ऐसे हुआ मोबाइल का आविष्कार

1970 के दशक में अमेरिका की प्रतिष्ठित शोध संस्था बेल लैब्स में एक ऐसी अवधारणा पर प्रयोग शुरू हुए, जिसने भविष्य की संचार दुनिया की दिशा ही बदल दी। शोधकर्ताओं का विचार था कि पूरे देश को षट्भुजाकार (हेक्सागोनल) सेल के एक विशाल नेटवर्क से ढक दिया जाए। प्रत्येक सेल में एक बेस स्टेशन होगा, जो रेडियो आवृत्तियों के माध्यम से मोबाइल फोन से संदेश भेजेगा और प्राप्त करेगा। तकनीकी चतुराई यह थी कि दो आसन्न सेल अलग-अलग आवृत्तियों पर काम करें, ताकि सिग्नल हस्तक्षेप की समस्या न आए।

ये बेस स्टेशन रेडियो सिग्नलों को मुख्य दूरसंचार नेटवर्क से जोड़ते थे और जैसे ही कोई उपयोगकर्ता एक सेल से दूसरे सेल में प्रवेश करता, उसका फोन स्वत: ही फ्रीक्वेंसी बदल लेता। इस निर्बाध हैंडऑफ की कल्पना उस समय क्रांतिकारी थी। 1970 के दशक के अंत तक बेल लैब्स का एडवांस्ड मोबाइल फोन सिस्टम (एएमपीएस) छोटे पैमाने पर सफलतापूर्वक चालू हो चुका था, जिसने व्यावहारिक सेलुलर नेटवर्क का रास्ता खोल दिया। इसी दौर में मोटोरोला में कार्यरत इंजीनियर मार्टिन कूपर एक अलग ही सपने को साकार करने में जुटे थे। वे टीवी सीरीज स्टार ट्रेक के कम्युनिकेटर से इतने प्रभावित थे कि उन्होंने एक ऐसा पोर्टेबल फोन बनाने का लक्ष्य तय कर लिया, जिसे हाथ में लेकर कहीं भी बात की जा सके। कूपर की टीम ने पहला हैंडहेल्ड मोबाइल फोन विकसित किया, जो बेल के एएमपीएस नेटवर्क से कनेक्ट हो सकता था।

1984 में मोटोरोला ने इस सपने को 'डायनाटैक' के रूप में बाजार में उतारा। एक किलोग्राम से अधिक वजन वाले इस फोन को प्यार से 'द ब्रिक' कहा गया। कीमत आज के हिसाब से लगभग 10,000 डॉलर थी, इसलिए यह आम लोगों की पहुंच से बाहर रहा, लेकिन अमीर फाइनेंसरों और उद्यमियों के बीच यह जल्द ही स्टेटस सिंबल बन गया। 1987 की फिल्म वॉल स्ट्रीट ने डायनाटैक को धन और लालच के प्रतीक के रूप में अमर कर दिया, जब माइकल डगलस द्वारा निभाया गया गॉर्डन गेको समुद्र तट पर टहलते हुए इसी फोन पर बात करता नजर आया। यहीं से मोबाइल फोन सिर्फ तकनीक नहीं, बल्कि आधुनिक शक्ति और महत्वाकांक्षा का प्रतीक भी बन गया।

वैज्ञानिक के बारे में

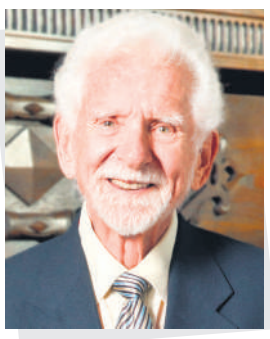

मार्टिन कूपर को भले ही दुनिया मोबाइल फोन के जनक के रूप में जानती हो, लेकिन उनकी निजी जिंदगी उतनी ही संतुलित, प्रेरक और मानवीय रही है। उनका जन्म 26 दिसंबर 1928 को अमेरिका के शिकागो शहर में हुआ। एक यहूदी प्रवासी परिवार में पले-बढ़े कूपर ने बचपन से ही पढ़ाई और तकनीक में गहरी रुचि दिखाई। उनकी निजी जिंदगी में सबसे अहम भूमिका उनकी पत्नी आर्लीन हैरिस की रही। आर्लीन स्वयं भी एक प्रतिष्ठित इंजीनियर और उद्यमी हैं और उन्हें वायरलेस टेलीफोन सिस्टम के विकास में महत्वपूर्ण योगदान के लिए जाना जाता है। मार्टिन कूपर का निजी जीवन दिखावे से दूर रहा। वे कभी भी केवल प्रसिद्धि या धन के पीछे नहीं भागे। उनका मानना था कि तकनीक का उद्देश्य मनुष्य को स्वतंत्र बनाना है, न कि उसे मशीनों पर निर्भर करना। यही सोच उनकी जीवनशैली में भी झलकती है, सादा जीवन, गहरी सोच और भविष्य को लेकर आशावादी दृष्टिकोण।

अंतरिक्ष में वायरस और बैक्टीरिया की जंग

एक नए अध्ययन में पाया गया कि पृथ्वी पर रहने वाले बैक्टीरिया-संक्रमित करने वाले वायरस अंतर्राष्ट्रीय स्पेस स्टेशन की लगभग वजन-रहित 'माइक्रोग्रैविटी' स्थिति में भी अपने ई. कोलाई होस्ट को संक्रमित करने में सफल रहे, लेकिन वायरस-बैक्टीरिया की आपसी लड़ाई पृथ्वी से काफी अलग थी। अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ विस्कॉन्सिन-मैडिसन के फिलहस और उनके साथियों के नतीजे बीती 13 जनवरी, 2026 को ओपन-एक्सेस जर्नल 'एलओएस बायोलॉजी' में प्रकाशित हुए। एक प्रयोग के दौरान जब वैज्ञानिकों ने बैक्टीरिया को संक्रमित करने वाले वायरस को अंतर्राष्ट्रीय स्पेस स्टेशन पर भेजा, तो ये सूक्ष्म जीव पृथ्वी पर जैसा व्यवहार करते हैं, वैसा नहीं किया।

डॉ. इरफान ह्यूमन
विज्ञान लेखक

माइक्रोग्रैविटी (कम गुरुत्वाकर्षण) में संक्रमण तो हुआ, लेकिन समय के साथ वायरस और बैक्टीरिया दोनों ही अलग-अलग तरीके से विकसित हुए। जेनेटिक बदलाव आए, जिनसे वायरस बैक्टीरिया से चिपकने का तरीका बदल गया और बैक्टीरिया ने खुद को बचाने के नए हथियार विकसित कर लिए। ये खोज फेज थेरेपी (वायरस से बैक्टीरिया को मारने की तकनीक) को बेहतर बनाने में मदद कर सकती है, खासकर दवा-प्रतिरोधी संक्रमणों के खिलाफ।

नए रहस्य ये बदलाव पृथ्वी से अलग 'ट्रेजेक्टरी' (राह) पर होते हैं यानी स्पेस माइक्रोबियल इकोसिस्टम को नए तरीके से आकार देता है। उदाहरण के लिए स्पेस के फेज पृथ्वी पर दवा-प्रतिरोधी ई. कोलाई (जो यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन पैदा करते हैं) के खिलाफ ज्यादा प्रभावी साबित हुए। इससे पता चलता है कि माइक्रोग्रैविटी बैक्टीरिया-फेज की को-इवोल्यूशन (सह-विकास) को रीशेप करती है, जो सूक्ष्मजीवों के अनुकूलन के बुनियादी सिद्धांतों को चुनौती देती है। यह रिसर्च पहली बार आईएसएस पर फेज-बैक्टीरिया की लंबी अवधि की डायनामिक्स को ट्रैक करती है, जो पहले की जमीन आधारित सिमुलेशंस से आगे जाती है।

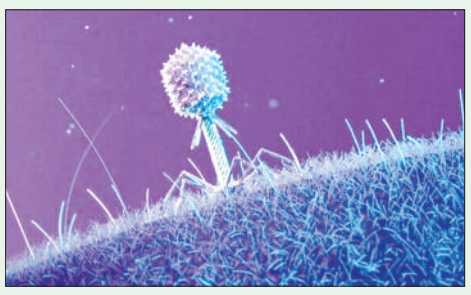

एक पृथ्वी, तो दूसरा अंतरिक्ष में

फेज यानी वो वायरस जो बैक्टीरिया को संक्रमित करते हैं और उनके होस्ट के बीच की लड़ाई सूक्ष्मजीवीय पारिस्थितिकी (माइक्रोबियल इकोसिस्टम) में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसे अक्सर एक 'एवोल्यूशनरी आर्म्स रेस' (विकास की हथियार दौड़) कहा जाता है, जहां बैक्टीरिया वायरस से बचने के लिए डिफेंस सिस्टम बनाते हैं और वायरस उन डिफेंस को तोड़ने के नए तरीके ईजाद करते हैं। पृथ्वी पर इस लड़ाई का अध्ययन हो चुका है, लेकिन माइक्रोग्रैविटी बैक्टीरिया की फिजियोलॉजी (शरीर क्रिया) और वायरस-बैक्टीरिया के टकराव की भौतिकी को बदल देती है, जिससे सामान्य इंटरैक्शन बिगड़ जाते हैं, अब पता चला है। फिर भी माइक्रोग्रैविटी में फेज-बैक्टीरिया की डायनॉमिक्स पर बहुत कम अध्ययन हुए हैं। इस कमी को दूर करने के लिए हस और उनके साथियों ने दो सेट बैक्टीरियल ई. कोलाई सैंपल्स लिए, जिनमें टी-7 नाम का फेज संक्रमित किया गया, एक सेट पृथ्वी पर रखा और दूसरा अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर।

■ **संक्रमण की गति में बदलाव-** शुरुआत में संक्रमण धीमा हुआ, क्योंकि माइक्रोग्रैविटी बैक्टीरिया की फिजियोलॉजी (शरीर क्रिया) और फेज-बैक्टीरिया के टकराव की भौतिकी को प्रभावित करती है। उदाहरण के लिए गुरुत्वाकर्षण की कमी से बैक्टीरिया की कोशिकाएं अलग-अलग तरीके से इकट्ठा होती हैं, जिससे फेज का लगाव (अटैचमेंट) मुश्किल हो जाता है।

■ **आनुवंशिक उत्परिवर्तन-** अंतरिक्ष के फेज में ऐसे उत्परिवर्तन यानी म्यूटेशन्स जमा हुए, जो उनकी संक्रमण क्षमता या बैक्टीरियल संग्राहक यानी रिसेप्टर्स से चिपकने की ताकत बढ़ाते हैं। वहीं, बैक्टीरिया ने बचाव और अंतरिक्ष में जीवित रहने के नए आनुवंशिक बदलाव विकसित किए। डीप म्यूटेशनल स्कैनिंग तकनीक से पता चला कि फेज का रिसेप्टर बाइंडिंग प्रोटीन (आरबीपी) स्पेस में अलग तरीके से बदलता है।

■ **अंतरिक्ष अन्वेक्षण में उपयोगिता-** अंतरिक्ष अन्वेक्षण में सूक्ष्मजीव एक बड़ी चुनौती हैं, क्योंकि वे अंतरिक्ष यान (स्पेसक्राफ्ट) को दूषित कर सकते हैं और क्रू की सेहत को प्रभावित कर सकते हैं। यह रिसर्च इन रहस्यों से कई फायदे दे सकती हैं।

■ **क्रू हेल्थ प्रोटेक्शन-** लॉन्ग-टर्म मिशन्स (जैसे मंगल यात्रा) में माइक्रोग्रैविटी बैक्टीरिया को ज्यादा विरुलेंट (खतरनाक) बना सकती है, लेकिन फेज उन्हें नियंत्रित कर सकते हैं। अध्ययन दिखाता है कि स्पेस में फेज बैक्टीरिया के साथ अनुकूलित होकर नए बचाव तरीके ईजाद करते हैं, जो स्पेस में माइक्रोबियल कंट्रोल के लिए नए टूल्स दे सकता है।

■ **ग्रहीय सुरक्षा-** स्पेस में सूक्ष्मजीवों के अनुकूलन को समझने से हम अन्य ग्रहों (जैसे मंगल) पर पृथ्वी के जीवों को फैलने से रोक सकते हैं। फेज रिसर्च से पता चलता है कि माइक्रोग्रैविटी बैक्टीरिया के जीनोम में बदलाव लाती है, जो स्पेसक्राफ्ट स्टरलाइजेशन के नए तरीके सुझा सकती है। भविष्य में यह ज्ञान हमारी ग्रहीय सुरक्षा (प्लैनेटरी प्रोटेक्शन) के काम आएगा।

■ **भविष्य के मिशन -** नासा और ईएसए जैसे संगठन अंतरिक्ष में माइक्रोबायोलॉजी को समझने के लिए आईएसएस का इस्तेमाल कर रहे हैं। यह रिसर्च अर्टेमिस या मंगल मिशन्स में क्रू को बैक्टीरियल संक्रमणों से बचाने के लिए फेज-आधारित थेरेपी विकसित करने में मदद करेगी। कुल मिलाकर, ये रहस्य अंतरिक्ष अन्वेक्षण को सुरक्षित और टिकाऊ बनाते हैं, क्योंकि सूक्ष्मजीव अंतरिक्ष में अप्रत्याशित तरीके से व्यवहार करते हैं।

■ **मानव स्वास्थ्य के लिए उपयोगिता-** पृथ्वी पर, एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस एक वैश्विक संकट है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, 2050 तक इससे 10 मिलियन मौतें हो सकती हैं। यह शोध मानव स्वास्थ्य में क्रांति ला सकता है।

आइए जानते हैं

बेहतर फेज थेरेपी

स्पेस में हुए म्यूटेशन्स से फेज को इंजीनियर करके दवा-प्रतिरोधी बैक्टीरिया (जैसे एमडीआर ई. कोलाई) के खिलाफ ज्यादा प्रभावी बनाया जा सकता है। अध्ययन में पाया गया कि अंतरिक्ष के फेज यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन (यूटीआई) पैदा करने वाले स्ट्रेन्स को बेहतर तरीके से मारते हैं। इससे फेज थेरेपी को क्लिनिकल स्तर पर मजबूत किया जा सकता है, जो एंटीबायोटिक्स का विकल्प है।

नई अंतर्दृष्टि

माइक्रोग्रैविटी बैक्टीरिया की प्रतिरक्षा (इम्यूनिटी) और फेज की इवोल्यूशन को अलग तरीके से प्रभावित करती है, जो पृथ्वी पर संक्रमणों के मॉडल्स को सुधार सकती है।

व्यापक प्रभाव

यह रिसर्च जैव चिकित्सा उन्नति को बढ़ावा देगी, जैसे कैंसर थेरेपी या वैक्सीन विकास में फेज का इस्तेमाल। शोधकर्ताओं का कहना है कि अंतरिक्ष-प्रेरित बदलावों से पृथ्वी पर 'फार सुपीरियर एक्टिविटी' वाले फेज बनाए जा सकते हैं। इससे अस्पतालों में सुपरबग्स से लड़ना आसान हो सकता है।

मरीन लाइफ

सी पेन: समुद्र की गहराइयों में खड़ी एक जीवित कलम

सी पेन (Sea Pen) एक अत्यंत रोचक और कम चर्चित समुद्री जीव है, जो देखने में जितना साधारण लगता है, व्यवहार में उतना ही अनोखा है। यह जीव आमतौर पर एक ही स्थान पर स्थिर रहता है और बहुत अधिक हिलता-डुलता नहीं है। अपनी संरचना और जैविक बनावट के कारण यह समुद्री एनीमोन्स और कोरल से काफी मिलता-जुलता है। एनीमोन्स वही जीव हैं, जिनका नाम फिल्म फाइंडिंग नीमो में नीमो ठीक से नहीं बोल पाता था। सी पेन का नाम उसके आकार से ही पड़ा है। यह बिल्कुल उस पारंपरिक कलम की तरह दिखता है, जिससे कभी लोग लिखते थे। नीचे एक मोटा आधार और ऊपर पंखनुमा फैलाव। वास्तव में सी पेन कोई एकल जीव नहीं होता, बल्कि यह सैकड़ों-हजारों सूक्ष्म जीवों (पॉलीप्स) की एक कॉलोनी होती है, जो मिलकर एक इकाई के रूप में कार्य करते हैं। इसका निचला हिस्सा समुद्र की नरम मिट्टी में धंसा रहता है, जिससे इसे स्थिरता मिलती है। सी पेन दुनियाभर के उष्णकटिबंधीय और समशीतोष्ण जलक्षेत्रों में पाए जाते हैं। ये आमतौर पर समुद्र की गहराइयों में रहते हैं, जहां रोशनी कम और तापमान स्थिर होता है। हालांकि ये पूरी तरह समुद्र तल से चिपके नहीं रहते। जरूरत पड़ने पर ये अपना स्थान बदल सकते हैं और उन क्षेत्रों में पहुंच जाते हैं, जहां जलधाराएं तेज होती हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि तेज धारा के साथ प्लवक, जो इनका मुख्य और पसंदीदा भोजन है। सीधे इनके पास पहुंच जाता है।

सी पेन की एक और खास विशेषता इसकी जैवदीप्ति है। कुछ प्रजातियां खतरे की स्थिति में हल्की रोशनी उत्पन्न करती हैं, जो समुद्र की अंधेरी गहराइयों में किसी जादुई दृश्य जैसा प्रतीत होती है। यह रोशनी शिकारियों को भ्रमित करने या डराने के काम आती है। कुल मिलाकर, सी पेन समुद्री दुनिया का एक शांत-स्थिर, लेकिन बेहद रहस्यमय जीव है, जो यह साबित करता है कि समुद्र की गहराइयों में आज भी प्रकृति के अनगिनत चमत्कार छिपे हुए हैं।

वैज्ञानिक फैक्ट

लेजर, पानी और भौतिकी का जादू

यह सुनने में अजीब लग सकता है, लेकिन लेजर किरण वास्तव में पानी की धारा के भीतर 'फंस' सकती है। यह कोई जादू नहीं, बल्कि भौतिकी की एक प्रसिद्ध और रोचक घटना है, जिसे पूर्ण आंतरिक परावर्तन (Total Internal Reflection) कहा जाता है। यही सिद्धांत आज फाइबर ऑप्टिक्स और हाई-स्पीड इंटरनेट की नींव भी है। इस घटना को समझाने के लिए हार्वर्ड विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने एक सरल, लेकिन प्रभावशाली प्रयोग किया। उन्होंने साफ पानी से भरे एक टैंक के एक सिरे पर लेजर लगाया। टैंक के दूसरे सिरे पर एक छोटा सा छेद बनाया गया, जिससे पानी बाहर निकलकर बाल्टी में गिर रहा था। जब लेजर किरण को बहती हुई पानी की धारा पर डाला गया, तो आश्चर्यजनक रूप से रोशनी पानी के बाहर नहीं फैली, बल्कि धारा के साथ-साथ मुड़ती चली गई।

असल में, पानी और हवा के बीच अपवर्तनांक (Refractive Index) का अंतर इस प्रभाव के लिए जिम्मेदार होता है। पानी में मौजूद भारी कण लेजर की गति को धीमा कर देते हैं। जब लेजर किरण एक विशेष कोण पर पानी और हवा की सीमा से टकराती है, तो वह बाहर निकलने के बजाय बार-बार अंदर ही परावर्तित होती रहती है। इसी कारण लेजर किरण पानी की धारा के भीतर "कैद" हो जाती है। इस प्रयोग के दौरान बहता हुआ पानी लाल रंग के चमकदार झरने जैसा दिखाई देता है, क्योंकि लेजर की लाल रोशनी पूरी धारा में फैल जाती है। खास बात यह है कि जब पानी का प्रवाह धीरे-धीरे कम किया गया, तब भी लेजर किरण धारा के भीतर बनी रही। जैसे ही पानी पूरी तरह बंद हुआ, लेजर किरण भी अचानक गायब हो गई। यह प्रयोग न केवल देखने में बेहद आकर्षक है, बल्कि हमें यह भी समझाता है कि आधुनिक संचार तकनीक, जैसे ऑप्टिकल फाइबर असल में प्रकाश को 'फंसाकर' ही सूचना को एक जगह से दूसरी जगह तक पहुंचाती है।

महासागरों की रहस्यमयी दुनिया

भूमंडल के 70 प्रतिशत भाग पर जलमंडल और 30 प्रतिशत भाग पर स्थल है। संपूर्ण भूमंडल का क्षेत्रफल 51.6 करोड़ वर्ग किमी है। इसमें 36.17 करोड़ वर्ग किमी पर जल और 14.89 करोड़ वर्ग किमी पर स्थल का विस्तार पाया जाता है। इस प्रकार महासागरों की दुनिया पृथ्वी से काफी बड़ी है। जलमंडल के अंतर्गत महासागर, सागर, खाड़ियां आदि सम्मिलित हैं। महासागरों में इतनी विशाल जलराशि है कि यदि इसे धरातल पर समतल रूप में फैला दिया जाए, तो पूरी पृथ्वी पर 4.8 किमी गहरा सागर लहराने लगेगा। महासागरों की तली धरातल की भांति ऊंची-नीची है। महासागर इतने गहरे हैं कि उसमें हिमालय जैसे अनेक विशाल पर्वत समा सकते हैं। धरती की सबसे ऊंची चोटी एवरेस्ट की ऊंचाई 8850 मीटर है, जबकि प्रशांत महासागर के मेरियाना गर्त की गहराई 11776 मीटर है। इस प्रकार महासागरों की दुनिया आज भी मानव के लिए एक अनबूझ पहेली बनी हुई है।

समुद्र केवल जलराशि के ही विशाल स्रोत नहीं, बल्कि यह खनिज सम्पदा, नमक, रत्न, मूंगा, मोती, मछलियां, शंख, घोंघा, सीप के भी विशाल भंडार हैं और मानव के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। यह जैविक संपदा के भी भंडार हैं। हमारे महासागरों और सागरों में मौजूद अपार जल संपदा के कारण ही पृथ्वी को 'वाटर प्लेनैट' भी कहा जाता है। जल के कारण ही पृथ्वी पर जीवन है। समुद्रों की महत्ता को बताने और उसके संरक्षण के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। समुद्र के जल का बढ़ता तापमान पृथ्वी और मानवता के लिए शुभ संकेत नहीं है।

आज पृथ्वी ही नहीं समुद्र के लिए भी सबसे बड़ा खतरा प्लास्टिक वेस्ट है। प्लास्टिक वेस्ट और समुद्र में हो रहे अंधाधुंध परमाणु विस्फोटों के कारण समुद्र का पानी उबल रहा है। इस वजह से तल में मौजूद समुद्री वनस्पतियां तेजी से खत्म होती जा रही हैं। यू.के. सरकार द्वारा हाल में जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पर्यावरण संरक्षण के लिए काम करने वाली वेबसाइट 'इको वॉच' के अनुसार समुद्र में प्लास्टिक से होने वाले प्रदूषण की वजह से प्रत्येक वर्ष 10 लाख से ज्यादा पक्षी एवं एक लाख से ज्यादा समुद्री जीवों की मौत हो रही है। पानी का तापमान बढ़ने से समुद्र में ऊंची-ऊंची लहरें उठ रही हैं, जिसके भयानक समुद्री तूफान आने की आशंका बनी हुई है।

वैज्ञानिकों के अनुसार हम सब श्वांस लेने के लिए जिस ऑक्सीजन का प्रयोग करते हैं, उसकी दस फीसदी मात्रा हमें समुद्र से ही प्राप्त होती है। समुद्र में मौजूद सूक्ष्म बैक्टीरिया

ऑक्सीजन का उत्सर्जन करते हैं, जो पृथ्वी पर मौजूद जीवन के लिए बेहद जरूरी है। वैज्ञानिकों को अध्ययन में पता चला है कि समुद्र में प्लास्टिक से होने वाले प्रदूषण की वजह से ये बैक्टीरिया पनप नहीं पा रहे हैं। इससे समुद्र में ऑक्सीजन की मात्रा भी लगातार घट रही है और पशु-पक्षियों समेत इंसानों के लिए बहुत बड़ा खतरा है।

अंतर्राष्ट्रीय संगठन 'वर्ल्ड वाइड फंड' द्वारा हाल ही में जारी रिपोर्ट के मुताबिक 2030 तक पृथ्वी पर प्लास्टिक प्रदूषण दोगुना हो जाएगा। वैज्ञानिकों के अनुसार समुद्र में 1950 से 2016 के बीच 66 वर्षों में जितना प्लास्टिक जमा हुआ है इतना केवल आगामी 10 सालों में जमा हो जाएगा। इससे महासागरों में प्लास्टिक कचरा 30 करोड़ टन तक पहुंच सकता है। समुद्र में 2030 तक प्लास्टिक दहन पर कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन तिगुना हो जाएगा, जो हृदय संबंधी बीमारियों को तेजी से बढ़ाएगा। हर साल उत्पादित होने वाले कुल प्लास्टिक में से महज 20 फीसदी ही रिसाइकल हो पाता है। 39 फीसदी जमीन के अंदर दबाकर नष्ट किया जाता है और 15 फीसदी जला दिया जाता है। प्लास्टिक के जलने से उत्सर्जित होने वाली कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा 2030 तक तीन गुनी हो जाएगी, जिससे हृदय रोग के मामले में तेजी से वृद्धि होने की आशंका है।

सुरेश बाबू मिश्रा
लेखक

डब्ल्यू डब्ल्यू एफ का लक्ष्य 2030 तक स्ट्रा और पॉलिथीन बैग जैसी सिर्फ एक बार प्रयोग की जा सकने वाली प्लास्टिक की वस्तुओं को इस्तेमाल से हटाने का है। वैज्ञानिकों के अनुसार एक बार यूज होने वाली प्लास्टिक सबसे ज्यादा खतरनाक है। प्लास्टिक कचरे में सबसे ज्यादा मात्रा सिंगल यूज प्लास्टिक की होती है। हर साल तकरीबन 10.4 करोड़ टन प्लास्टिक कचरा समुद्र में मिल जाता है। 2050 तक समुद्र में मछली से ज्यादा प्लास्टिक के टुकड़े होने का अनुमान है। प्लास्टिक के मलवे से समुद्री जीव बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। कछुओं की दम घुटने से मौत हो रही है और व्हेल इसके जहर का शिकार हो रही है। प्रशांत महासागर में 'दा ग्रेट पैसिफिक गार्बेज बैच' समुद्र में कचरे का सबसे बड़ा ठिकाना है। यहां पर 80 हजार टन से ज्यादा प्लास्टिक जमा हो गया है। इस प्रकार प्लास्टिक वेस्ट समुद्र और समुद्री जीवन के लिए बहुत बड़ा खतरा बनता जा रहा है। समुद्र के जल का तापमान निरंतर बढ़ रहा है, जिससे समुद्र में ऊंची-ऊंची लहरें उठ रही हैं। समुद्री तूफानों के आने की आशंका बनी रहती है।

समुद्र मानव जीवन के लिए अत्यंत उपयोगी है। विश्व के लगभग एक तिहाई लोगों का मुख्य भोजन समुद्री मछलियां हैं। जापान, नार्वे, फिनलैंड, आयरलैंड तथा भारत के समुद्र तटीय प्रदेश अपनी आजीविका के लिए समुद्र तटीय प्रदेश अपनी आजीविका के लिए समुद्र पर ही निर्भर हैं। विश्व का 80 प्रतिशत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार समुद्री मार्ग से ही होता है। समुद्र, पृथ्वी पर होने वाली वर्षा का स्रोत है। समुद्र के जल से ही वाष्प बनती है, जिससे पृथ्वी पर वर्षा होती है। इस प्रकार समुद्र पृथ्वी पर जीवन का आधार है। समुद्र के जल में बढ़ता प्रदूषण पृथ्वी और मानवता के अस्तित्व के लिए गंभीर खतरा है। प्लास्टिक वेस्ट को समुद्र में जाने से रोककर ही हम समुद्र और पृथ्वी के अस्तित्व को बनाए रख सकते हैं।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	83,674.92	25,807.20
गिरावट	558.72	146.65
प्रतिशत में	0.66	0.57

सोना 1,60,900 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,68,500 प्रति किलो

अमृत विचार
बरेली, शुक्रवार, 13 फरवरी 2026
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

आरसीएफ फॉस्फोरिक एसिड संयंत्र के लिए 865 करोड़ करेगी निवेश

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (आरसीएफ) महाराष्ट्र में फॉस्फोरिक एसिड संयंत्र लगाने के लिए 865 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। गुरुवार को एक नियामकीय सूचना में, कंपनी ने बताया कि उसके निदेशक मंडल (बोर्ड) ने महाराष्ट्र के अलीबाग में थाई यूनिट में 300 टन प्रति दिन की प्रस्तावित क्षमता वाला एक नया फॉस्फोरिक एसिड संयंत्र लगाने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। इस संयंत्र को लगाने के लिए कुल 865.25 करोड़ का निवेश ज़रूरी है और इसे ऋण और इक्विटी के जरिये पूरा किया जाएगा। आरसीएफ देश की सबसे बड़ी उर्वरक बनाने वाली कंपनियों में से एक है।

सेल का दो करोड़ टन बिक्री का लक्ष्य

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने 2025-26 में दो करोड़ टन बिक्री दर्ज करने का लक्ष्य रखा है। 2024-25 में यह 1.79 करोड़ टन रही थी। कंपनी भविष्य के विस्तार की तैयारी के तहत ऋण घटाने, लागत नियंत्रण और परिचालन दक्षता बढ़ाने पर जोर दे रही है। सेल के निदेशक (वित्त) डॉ. एके पंडा ने बताया कि अप्रैल-दिसंबर 2025 की नौ महीने की अवधि में कंपनी ने 5,000 करोड़ का ऋण चुकाया है। 31 दिसंबर 2025 तक कुल ऋण 24,852 करोड़ था जिसमें जनवरी 2026 में 2,000 करोड़ की और कमी आई। परिचालन दक्षता, लागत अनुकूलन और मजबूत कोष प्रबंधन आदि से वित्तीय स्थिति में सुधार हुआ है और विकास निवेशों के लिए अवसर बने हैं।

एचयूएल का लाभ दोगुना होकर 6,603 करोड़

नई दिल्ली। हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) का एकीकृत लाभ सालाना आधार पर दोगुना होकर 6,603 करोड़ तक पहुंच गया। एचयूएल ने गुरुवार को शेयर बाजार को बताया कि कंपनी ने 2025-26 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में अपने आइसक्रीम व्यवसाय को क्वालिटी वॉल्स को बेच दिया था जिससे उसके लाभ में यह वृद्धि दर्ज की गई। नई श्रम संहिताओं के क्रियान्वयन से तिमाही के दौरान 576 करोड़ रुपये के असाधारण मद (हानि) दर्ज किए। कंपनी ने कहा कि शुद्ध लाभ 6,603 करोड़ रुपये रहा, जिसमें पिछले वर्ष की तुलना में 121 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

अधिक आयकर संग्रह मध्य वर्ग के आगे बढ़ने का सबूत

उच्च सदन में केंद्रीय वित्त मंत्री बोलीं- देश मजबूत वृद्धि के साथ निम्न बेरोजगारी दर के रास्ते पर

- सीतारमण ने कहा- मध्य वर्ग का दायरा बढ़ रहा है, उसे दबाया नहीं जा रहा

नई दिल्ली, एजेंसी

बजट पर चर्चा का जवाब देतीं केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को कहा कि देश मजबूत वृद्धि के साथ निम्न बेरोजगारी दर के रास्ते पर है। रोजगार के बिना वृद्धि (संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन) संप्रग सरकार की कहानी थी, वर्तमान सरकार की नहीं। सीतारमण ने राज्यसभा में 2026-27 के बजट पर चर्चा का जवाब देते कहा कि मध्य वर्ग का दायरा बढ़ रहा है, उसे दबाया नहीं जा रहा। व्यक्तिगत आयकर का संग्रह का कॉरपोरेट कर से अधिक होने का मतलब यह नहीं है कि मध्य वर्ग पर बोझ डाला जा रहा है बल्कि यह मध्य वर्ग के आगे बढ़ने का सबूत है।

सीतारमण ने राहुल गांधी का नाम लिए बिना अर्थव्यवस्था को मृत बताने वाले उनके बयान को नकारात्मक करार देते हुए कहा कि वह देश की जनता का मजाक उड़ा रहे हैं, जो वास्तव में भारत के वृद्धि में अपना योगदान दे रही है। उन्होंने कहा कि बजट में उठाए गए कदम एक मजबूत और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए सरकार के संकल्प को बताते हैं। कल्याणकारी योजनाओं के लिए राशि में कटौती को लेकर विपक्ष की आलोचना पर सीतारमण ने कहा कि केंद्र सरकार की राशि कोई मुफ्त भंडार नहीं है, जिसका मनमाने ढंग से उपयोग किया जा सके, बल्कि यह देश के प्रत्येक नागरिक का मेहनत से कमाया हुआ योगदान है, जिसे बर्बाद नहीं होने दिया जाएगा। राशि तभी जारी की जाती है जब इसकी आवश्यकता होती है, न कि खर्च बढ़ाने के लिए।

मंत्री ने कहा कि सरकारी खर्च प्रक्रिया में अब पूर्ण पारदर्शिता है। वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि भारत में मुद्रास्फीति कई उभरती अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में कम है। उन्होंने कहा कि मैं इस तथ्य रखना चाहती हूं कि वृद्धि दर उच्च होने के बावजूद मुद्रास्फीति ऐतिहासिक रूप से निचले स्तर पर है। आज भारत में महंगाई का कोई संकट नहीं है। स्थिरता और सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के कारण मुद्रास्फीति को काबू में लाया गया गया है।

सीतारमण ने कहा, रोजगार के बिना वृद्धि संप्रग सरकार की कहानी थी, वर्तमान सरकार की नहीं। विपक्ष के इस आरोप पर कि मध्यम वर्ग अधिक कर दे रहा है, सीतारमण ने कहा, यह निष्कर्ष निकालना कि व्यक्तिगत कर संग्रह कॉरपोरेट करों से अधिक होने के कारण मध्यम वर्ग हाशिए पर धकेला जा रहा है, यह स्थिति का पूरी तरह से गलत विश्लेषण है। मध्यम वर्ग को दबाये जाने का कोई सबूत नहीं है। वास्तव में, पिछले दस साल में किए गए आर्थिक सुधारों के कारण ऐतिहासिक रूप से मध्यम वर्ग का विस्तार हुआ है। इसके पर्याप्त सबूत मौजूद हैं।

आज कर योग्य आय वालों की संख्या अधिक

सीतारमण ने कहा कि आज कर योग्य आय वाले लोगों की संख्या अधिक है। अब संगठित क्षेत्र में अधिक आय दिखाई देती है। उन्होंने कहा, अर्थव्यवस्था अब केवल कुछ गिने-चुने वर्ग तक सीमित नहीं है बल्कि इसमें भागीदारी बढ़ी है। मध्यम वर्ग का दायरा बढ़ रहा है। 2013-14 और 2024-25 के बीच, करदाताओं की संख्या, यानी रिटर्न दाखिल करने वाले या टीडीएस कटवाने वालों की संख्या, 5.26 करोड़ से बढ़कर 12.13 करोड़ हो गई है। पिछले 11 वर्षों में, करदाताओं की संख्या दोगुनी हो गई है। यह संचयी रूप से सालाना 7.9 प्रतिशत की वृद्धि है। वित्त मंत्री ने कहा, यह इस देश में मध्यम वर्ग का सबसे बड़ा संरचनात्मक विस्तार है। इसलिए, अगर कर का दायरा बढ़ रहा है तो दबाव नहीं हो सकता। लोग कर देने के लिए आगे आ रहे हैं और वे इसलिए आगे नहीं आ रहे हैं क्योंकि हम दरें बढ़ा रहे हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि इस विस्तार के बावजूद, आयकर सीमा सभी के लिए 12 लाख और वेतनभोगी वर्ग के लिए 12.75 लाख रुपये तक बढ़ाई गई है। अगर 12.75 लाख कमाने वाले वेतनभोगी वर्ग को कर नहीं देना पड़ता, तो फिर दबाने वाली बात कहां है? दूसरा, मानक कटौती भी बढ़ाई गई है। नई कर व्यवस्था ने कर रिटर्न भरने और जांच को सरल बना दिया है।

जीएसटी सुधारों से घरेलू खर्च हुए कम

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों और दरों को युक्तिसंगत बनाने से भी घरेलू खर्च कम हुए हैं। जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने से वस्तुओं के दाम कम होने से लोगों के मासिक खर्च कम हो रहे हैं। महंगाई भी ऐतिहासिक रूप से कम है। इसलिए, बढ़ती वास्तविक आय और रिकॉर्ड कम मुद्रास्फीति के साथ यह नहीं कहा जा सकता है कि मध्यम वर्ग दबाव में है। दोनों चीजें साथ नहीं चल सकती। कई कल्याणकारी योजनाओं में व्यय कटौती के आरोपों पर वित्त मंत्री ने कहा कि किसी भी योजना के लिए राज्यों को कोष आवंटन में कोई कमी नहीं है। उन्होंने सरकारी योजनाओं पर व्यय की तुलना करते कहा कि पिछले 10 साल में 14 सामाजिक क्षेत्र की योजनाओं में केवल 37,000 करोड़ ही बिना खर्च के रहे, जबकि संप्रग शासन के दौरान यह राशि 94,000 करोड़ थी।

सरकार अत्यधिक कर्ज नहीं ले रही

सीतारमण ने कहा कि कांग्रेस बढ़ते कर्ज पर मगरमच्छ के आंसू बहा रही है। वास्तविकता यह है कि सरकार अत्यधिक कर्ज नहीं ले रही है। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार ने डीबीटी (प्रत्यक्ष लाभ अंतरण) के माध्यम से लाभार्थियों के खातों में सीधे 48 लाख करोड़ से अधिक भेजे हैं और लीकेज यानी चोरी को रोककर 4.31 लाख करोड़ की बचत की है। बजट अतीत को नहीं भूलता। नाजुक स्थिति, दहाई अंक में मुद्रास्फीति को याद रखता है। वहीं आज भारत में मुद्रास्फीति का कोई संकट नहीं है। इसे काबू में कर लिया गया है।

देश ने वृहद आर्थिक संतुलन हासिल किया

वित्त मंत्री ने कहा कि देश एक ऐसे दुर्लभ संयोग से गुजर रहा है, जब उसने वृहद आर्थिक संतुलन हासिल किया है। यह अनूठी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि यह पूरे देश की उपलब्धि है। जीडीपी की वृद्धि दर अच्छी और ऊंची है तथा मुद्रास्फीति कम है, जो लगातार इसी स्तर पर बनी हुई है। सीतारमण ने कहा कि सरकार ने 2026-27 के बजट में शिक्षा से रोजगार और उद्यम स्थायी समिति का गठन करने का प्रस्ताव किया है ताकि युवाओं को सेवा क्षेत्र के लिए तैयार किया जा सके।

देश को परिधान उद्योग में बांग्लादेश की तरह मिलेगा लाभ

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत-अमेरिका समझौता

- उद्योग मंत्री गोयल बोले- इसका भारतीय कपास किसानों पर कोई असर नहीं पड़ेगा

घरेलू चिकित्सा उपकरण उद्योग को रियायती शुल्कों पर मिलेगा व्यापक बाजार

मेडटेक, इनोवेशन और स्टार्टअप कार्यक्रम में गोयल ने कहा कि भारत के अन्य देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों से घरेलू चिकित्सा उपकरण उद्योग को रियायती शुल्कों पर व्यापक बाजार पहुंच प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि कुछ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) में भारतीय चिकित्सा उपकरणों को शुल्क में छूट भी मिलेगी। मंत्री ने कहा कि हम नौ एफटीए के माध्यम से विकसित बाजारों के लिए द्वार खोल रहे हैं, जिनमें 38 ऐसे देश शामिल हैं जहां की आबादी समृद्ध है और प्रति व्यक्ति आय अधिक है। गोयल ने कहा कि राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास निगम (एनआईसीडीसी) देश में चिकित्सा उपकरण इकाइयों के लिए 50 से 100 एकड़ भूमि आरक्षित करने पर विचार कर सकता है।

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि भारत को अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते के तहत अमेरिकी धागा और कपास से बने परिधान पर वही रियायती शुल्क का लाभ मिलेगा, जो बांग्लादेश को वर्तमान में मिल रहा है। अमेरिका, बांग्लादेश की वस्तुओं पर जवाबी शुल्क घटाकर 19 प्रतिशत कर देगा, लेकिन वस्त्रों पर शून्य शुल्क तभी लगेगा जब वे अमेरिकी कपास और कृत्रिम रेशों से बने हों। वर्तमान में बांग्लादेशी परिधानों पर 31% शुल्क लगता है (12% तरजीही राष्ट्र शुल्क और 19% जवाबी शुल्क) और यदि उनमें अमेरिकी रेशों का उपयोग किया जाता है, तो शुल्क घटकर 12% हो जाता है।

गोयल ने कहा, बांग्लादेश को जो मिला है, वही भारत को भी अंतिम समझौते में मिलने वाला है। अगर कोई भारतीय कंपनी अमेरिका से धागा और कपास खरीदकर परिधान बनाती है और उन्हें अमेरिका को निर्यात करती है, तो उन परिधानों को भी बांग्लादेशी कंपनियों की तरह अमेरिका में शुल्क-मुक्त प्रवेश मिलेगा। गोयल ने कहा कि यह बात अमेरिका-बांग्लादेश समझौते में लिखी है और हमारे समझौते में भी होगी। इसका भारतीय कपास किसानों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। मंत्री ने बताया कि अमेरिका में कपास का उत्पादन सीमित है। उसका निर्यात केवल 50 लाख अमेरिकी डॉलर है, जबकि भारत का लक्ष्य 50 अरब डॉलर है। भारत और अमेरिका ने द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण के लिए एक रूपरेखा तैयार कर ली है। इसे मार्च में लागू किए जाने की संभावना है। ये टिप्पणियां महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौता पूरी तरह से आत्मसमर्पण है, जिसमें भारत की ऊर्जा सुरक्षा अमेरिका को सौंप दी गई है और किसानों के हितों से समझौता किया गया है।

इंटेल पर 27.38 करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी

- बीएमपी के संबंध में अलग वारंटी नीति पर सीसीआई ने की अमेरिकी कंपनी पर कार्रवाई

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने डेस्कटॉप कंप्यूटर के लिए बॉक्स्ड माइक्रो प्रोसेसर (बीएमपी) के संबंध में भारत के लिए एक अलग वारंटी नीति अपनाने को लेकर अमेरिकी कंपनी इंटेल कॉर्प पर 27.38 करोड़ का जुर्माना लगाया है। इंटेल अमेरिका की प्रमुख बहुराष्ट्रीय सेमीकंडक्टर कंपनी है, जो कंप्यूटर प्रोसेसर और चिप विनिर्माण के लिए जानी जाती है।

आयोग ने गुरुवार को कहा कि इंटेल ने भारत में बीएमपी के बाजार में अपनी दबदबे की स्थिति का दुरुपयोग किया है। प्रतिस्पर्धा आयोग की जांच में पाया गया कि भारत के लिए इंटेल की अलग वारंटी नीति चीन, ऑस्ट्रेलिया और अन्य देशों में लागू उसकी वारंटी नीतियों की तुलना में भेदभावपूर्ण थी। सीसीआई के अनुसार, अमेरिकी कंपनी की इस नीति ने उपभोक्ताओं और समानांतर आयातकों के विकल्प सीमित करने का काम किया, जिससे भारतीय उपभोक्ताओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। समानांतर आयात का मतलब ऐसे वैध उत्पादों के आयात से है, जो किसी कंपनी के आधिकारिक वितरण चैनल के बाहर से खरीदे जाते हैं।

आयोग ने कहा कि डेस्कटॉप कंप्यूटर के बीएमपी पर वारंटी संबंधी इंटेल की यह नीति आठ वर्षों तक लागू रही। इसको ध्यान में रखते हुए नियामक ने इंटेल के औसत प्रासंगिक कारोबार के आठ 8% के बराबर जुर्माना तय किया। 1 अप्रैल, 2024 से नीति वापस लेने को ध्यान में रखते हुए आयोग ने जुर्माने को घटाकर 27.38 करोड़ रुपये कर दिया। आयोग ने इंटेल को निर्देश दिया है कि वह भारत-केंद्रित इस विवादित वारंटी नीति को वापस लिए जाने का व्यापक प्रचार-प्रसार करे और इस पर अनुपालन रिपोर्ट भी पेश करे।

बीमा एक जरूरत पर अब भी बड़ी आबादी है दूर

भारत में हेल्थ और टर्म इंश्योरेंस की जरूरत आज पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गई है। तेजी से बढ़ते मेडिकल खर्च, बीमारियों का खतरा और अनिश्चित आर्थिक परिस्थितियां हर परिवार के लिए वित्तीय सुरक्षा को जरूरी बना रही हैं। इसके बावजूद देश की बड़ी आबादी अब भी बीमा कवरेज से दूर है। आंकड़े बताते हैं कि जीवन बीमा कवरेज बेहद सीमित है और हेल्थ इंश्योरेंस भी सभी तक नहीं पहुंच पाया है। महंगे प्रीमियम, जटिल पॉलिसी शर्तें और समझ की कमी इसके प्रमुख कारण हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि जब बीमा सबकी जरूरत है, तो आखिर क्यों आबादी का बड़ा हिस्सा इससे वंचित है और इस दूरी को कैसे कम किया जा सकता है।

शर्तें बनाती हैं प्रक्रिया जटिल

बढ़ती स्वास्थ्य लागत, गंभीर बीमारियों का जोखिम और कमाई करने वाले पर निर्भरता ने हर परिवार के लिए बीमा को अनिवार्य बना दिया है। फिर भी वास्तविकता ये है कि देश की बड़ी आबादी बीमा सुरक्षा से बाहर है। जीवन बीमा कवरेज सीमित है और हेल्थ इंश्योरेंस की पहुंच भी सार्वभौमिक नहीं हो पाई है। इसकी बड़ी वजह महंगा प्रीमियम और जटिल पॉलिसी है। जब बीमा उत्पादों में कई तरह के एड-ऑन, शर्तें और अपवाद जुड़े होते हैं, तो आम व्यक्ति के लिए उन्हें समझना मुश्किल हो जाता है। नतीजा यह होता है कि लोग फैसला टाल देते हैं या फिर न्यूनतम कवरेज पर ही रुक जाते हैं।

सरलीकरण में छिपा समाधान

विशेषज्ञों का मानना है कि समाधान प्रोडक्ट के सरलीकरण में छिपा है। आसान भाषा में तैयार की गई, सीमित लेकिन जरूरी कवरेज वाली योजनाएं नए ग्राहकों के लिए बेहतर एंट्री पॉइंट हैं। कम प्रीमियम वाली योजनाएं लोगों में भरोसा पैदा करती हैं। जब ग्राहक को स्पष्ट होता है कि वह किस जोखिम के लिए भुगतान कर रहा है, तो उसका आत्मविश्वास बढ़ता है और आगे चलकर वह अधिक व्यापक कवरेज लेने के लिए भी तैयार होता है। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स भी बीमा क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव ले आए हैं। ऑनलाइन तुलना, पारदर्शी शर्तें और तेज क्लेम प्रोसेस ने भरोसा बढ़ाया है।

एसएमई के लिए योजनाएं

छोटे और मध्यम उद्यमों (एसएमई) के लिए अनुकूलित बीमा योजनाएं महत्वपूर्ण हो सकती हैं। जरूरत आधारित कवरेज से गैर-जरूरी खर्च कम होते हैं और व्यवसाय अपने वास्तविक जोखिमों को बेहतर तरीके से कवर कर पाते हैं। टेक्नोलॉजी आधारित अंडरराइटिंग और क्लेम मैनेजमेंट से समय और लागत दोनों की बचत होती है। बीमा को व्यापक बनाने को कंपनियों को कम शर्तें, स्पष्ट कवरेज, किफायती प्रीमियम और सरल प्रक्रियाओं पर ध्यान देना होगा। जब बीमा समझने में आसान, खरीदने में सस्ता और भरोसेमंद बनेगा, तभी एलीट प्रोडक्ट से निकलकर लोगों की जरूरत का साधन बन पाएगा।

नई सीपीआई शृंखला के तहत खुदरा महंगाई जनवरी में 2.75 प्रतिशत रही

नई दिल्ली। वर्ष 2024 को आधार वर्ष मानकर जारी अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) की नई शृंखला के तहत जनवरी में खुदरा महंगाई 2.75 प्रतिशत रही। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय से जारी नई शृंखला में वस्तुओं की संख्या 259 से बढ़ाकर 308 तथा सेवाओं की संख्या 40 से बढ़ाकर 50 कर दी गई है।

- नई शृंखला में वस्तुओं की संख्या 259 से बढ़ाकर 308 तथा सेवाएं 40 से बढ़ाकर 50 की गई

नई शृंखला में प्रमुख सुधारों में ग्रामीण मकान किराया, ऑनलाइन मीडिया सेवाएं एवं ईंधन (सीएनजी/पीएनजी) को शामिल किया गया है। डिजिटल व प्रशासनिक स्रोतों से उपलब्ध आंकड़ों के बेहतर कवरेज के लिए टेलीफोन शुल्क, रेल किराया, हवाई किराया, ईंधन, डाक शुल्क तथा ऑनलाइन मीडिया एवं स्ट्रीमिंग सेवाएं (ओटीटी सब्सक्रिप्शन) को भी नई शृंखला में शामिल किया गया है। 2012 को आधार वर्ष मानने वाली पुरानी शृंखला के तहत जनवरी, 2025 में खुदरा मुद्रास्फिति 4.26 प्रतिशत जबकि दिसंबर में 1.33 प्रतिशत रही थी।

नई सार्वजनिक उद्यम नीति को बिना देरी के लागू करे सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

- संसदीय समिति ने राजकोषीय अनुशासन और संसाधनों के उपयोग की जरूरत पर दिया बल

संसद की वित्त संबंधी स्थायी समिति ने गुरुवार को आत्मनिर्भर भारत के तहत घोषित नई सार्वजनिक उद्यम (पीएसई) नीति को बिना देरी लागू करने की जरूरत पर जोर दिया है ताकि राजकोषीय अनुशासन और संसाधनों के कुशल उपयोग के लक्ष्य हासिल किए जा सकें।

नई पीएसई नीति के तहत घाटे में चल रहे गैर-रणनीतिक क्षेत्रों के सार्वजनिक उपक्रमों (पीएसयू) का निजीकरण करने या उन्हें बंद करने का प्रावधान है। हालांकि दिसंबर, 2021 में दिशानिर्देश जारी होने के बाद से किसी भी गैर-रणनीतिक केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रम (सीपीएसई) के विनिवेश प्रस्ताव को मंजूरी नहीं मिली है। चार फरवरी, 2021 को मंत्रिमंडल की स्वीकृति के साथ अधिसूचित इस नीति का उद्देश्य अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में सरकार की हिस्सेदारी को न्यूनतम करना है। भाजपा नेता भर्तृहरि महताब की अध्यक्षता वाली समिति ने कहा कि नई नीति राजकोषीय सुधार की दिशा में बड़ा बदलाव दर्शाती है, लेकिन इसके ठोस परिणाम सामने आने की गति धीमी है।

संसदीय समिति ने ठोस कदम उठाकर प्रक्रिया तेज करने और राज्यों को दिए जा रहे प्रोत्साहन पैकेज की व्यापक समीक्षा की सिफारिश की, ताकि सुधार प्रक्रिया में उनकी प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित हो सके। नई पीएसई नीति राष्ट्रीय सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा, महत्वपूर्ण अवसंरचना, वित्तीय सेवाओं और अहम खनिजों की उपलब्धता के आधार पर चार रणनीतिक क्षेत्रों को परिभाषित करती है। इन क्षेत्रों में न्यूनतम सरकारी हिस्सेदारी होल्डिंग कंपनी के स्तर पर बनी रहेगी, जबकि शेष इकाइयों के निजीकरण, उनके विलय या उन्हें बंद करने पर विचार किया जाएगा।

डिजिटल भुगतान का दायरा बढ़ने का सिलसिला जारी : आरबीआई

मुंबई, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने गुरुवार को कहा कि देश में डिजिटल भुगतान का दायरा बढ़ने का सिलसिला अप्रैल-सितंबर, 2025 के दौरान भी जारी रहा। आरबीआई ने कहा कि उसका डिजिटल भुगतान सूचकांक (आरबीआई-डीपीआई) सितंबर, 2025 में 516.76 पर पहुंच गया, जो सितंबर, 2024 में 465.33 और मार्च, 2025 में 493.22 पर था।

देशभर में डिजिटल भुगतान के प्रसार और दायरे को मापने वाला यह सूचकांक जनवरी, 2021 से प्रकाशित किया जा रहा है और मार्च, 2018 को आधार वर्ष मानता है। आरबीआई ने कहा कि सूचकांक में वृद्धि का मुख्य कारण भुगतान प्रदर्शन और भुगतान सक्षम कारकों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी है। आरबीआई-डीपीआई पांच प्रमुख मानकों पर आधारित है। इसमें भुगतान सक्षम कारक (25 प्रतिशत भार), मांग पक्ष का भुगतान ढांचा (10 प्रतिशत), आपूर्ति पक्ष का भुगतान ढांचा (15 प्रतिशत), भुगतान प्रदर्शन (45 प्रतिशत) और उपभोक्ता केंद्रीकरण (पांच प्रतिशत) शामिल हैं। इन सभी मानकों के कई उप-मानक और मापनीय संकेतक रखे गए हैं, जिनके आधार पर समय-समय पर डिजिटल भुगतान की प्रगति का आकलन किया जाता है।

केसीसी का दायरा बढ़ाने को मसौदा संशोधन जारी

मुंबई। आरबीआई ने किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना के दिशा-निर्देशों में संशोधन और एकीकरण के लिए बृहस्पतिवार को मसौदा जारी किया जिसका उद्देश्य कवरेज का विस्तार, परिचालन प्रक्रियाओं का सरलीकरण और कृषि क्षेत्र की उभरती जरूरतों का ध्यान रखना है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि विनियमित संस्थाएं, आम लोग और अन्य हितधारक छह मार्च, 2026 तक मसौदे पर टिप्पणियां और सुझाव दे सकते हैं। आरबीआई ने केसीसी ऋण की स्वीकृति और पुनर्भुगतान कार्यक्रम में एकरूपता लाने के लिए फसल सत्रों की अवधि को मानकीकृत करने का प्रस्ताव भी रखा है। इसके तहत कम अवधि में तैयार होने वाली फसलों को 12 माह के चक्र और लंबी अवधि वाली फसलों को 18 माह के चक्र के रूप में परिभाषित किया गया है। लंबी अवधि की फसलों के चक्र के अनुरूप ऋण अवधि तय करने के लिए किसान क्रेडिट कार्ड की कुल अवधि छह वर्ष करने का प्रस्ताव रखा गया है।

विशेष इंतजाम | रक्षा मंत्रालय ने तटरक्षक बल के लिए उन्नत डोर्नियर-228 विमानों का किया अनुबंध

एचएएल को आठ डोर्नियर विमानों के लिए 2,312 करोड़ का आर्डर

- समुद्री निगरानी, खोज और बचाव अभियान के साथ खुफिया मिशन में आएगा काम

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार : रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को नई दिल्ली में कानपुर स्थित हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के परिवहन विमान प्रभाग के साथ भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) के लिए आठ डोर्नियर-228 विमानों और परिचालन संबंधी उपकरणों की खरीद के लिए 2,312 करोड़ रुपये के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। यह अनुबंध भारतीय उत्पाद खरीद (बाय (इंडियन) श्रेणी के तहत हुआ। अनुबंध पर रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने हस्ताक्षर किए। डोर्नियर 228 विमान उन्नत सेंसर और आधुनिक एवियोनिक्स से लैस हैं, जिनमें पूर्ण ग्लास कॉकपिट, एकीकृत मिशन प्रबंधन प्रणाली तथा समुद्री निगरानी और टोही अभियानों के लिए विशेष इंतजाम शामिल किए गए हैं।

इस अनुबंध से न सिर्फ एचएएल का उत्पादन तंत्र मजबूत होगा, बल्कि लघु एवं मध्यम उद्यमों के नेटवर्क को भी समर्थन मिलने से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार भी सृजित होगा। एचएएल ने बताया कि यह अनुबंध आत्मनिर्भर भारत और मेक-इन-इंडिया के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करने के साथ समुद्री सुरक्षा संरचना को भी मजबूत बनाएगा।

पिछले माह के अंत में भारतीय तटरक्षक बल को दो डोर्नियर- 228 विमान ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट डिवीजन से सौंपे गए थे। तटरक्षक बल तटीय निगरानी, प्रदूषण पर नजर, खोज और बचाव अभियान और रियल टाइम खुफिया जानकारी जुटाना में इसका प्रयोग करेगी। डोर्नियर-228 की शॉर्ट टेकऑफ और लैंडिंग क्षमता से इन्हें छोटे और दूरदराज के रनवे से भी उड़ाया जा सकता है। इससे द्वीपों और आगे के इलाकों में तटरक्षक बल की पहुंच बढ़ेगी।

एचएएल कानपुर के परिवहन विमान प्रभाग ने 1983 में जर्मनी की मूल कंपनी के साथ प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समझौते के तहत डोर्नियर विमानों का उत्पादन शुरू किया था। अब तक यहां 124 से अधिक विमानों का निर्माण हो चुका है। यह विमान 19 यात्रियों या 2057 किग्रा तक माल ले जा सकते हैं। शार्ट टेक आफ एंड लैंडिंग परिचालन क्षमता वाले ये विमान छोटी तथा अविकसित हवाई पट्टियों और गर्म वातावरण में भी उतरने और उड़ान भरने में सक्षम है। डोर्नियर-228 का इस्तेमाल भारतीय वायु सेना, नौसेना और तटरक्षक बल द्वारा समुद्री गश्त और निगरानी के लिए किया जाता है। अब इसका उपयोग नागरिक क्षेत्रीय कनेक्टिविटी के लिए भी हो रहा है। एयर इंडिया एसेट्स होल्डिंग की सहायक कंपनी एलायंस एयर ने एचएएल से अपना पहला सिविल डीओ-228 विमान खरीदा था। एचएएल अब इसका उन्नत नागरिक संस्करण "हिंदुस्तान 228" भी बना रहा है, जो आत्मनिर्भर भारत की बड़ी उपलब्धि है।

वर्ल्ड ब्रीफ

भारत ने चुनाव में मदद के लिए उपहार में दिए नेपाल को 270 वाहन

काठमांडू। भारत सरकार ने बृहस्पतिवार को नेपाल को चुनाव से संबंधित सहायता की तीसरी खेप के तौर पर 270 वाहन सौंपे। नेपाल में भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने गृह मंत्रालय में आयोजित एक समारोह में यह तीसरी खेप नेपाल के गृह मंत्री ओम प्रकाश अर्याल को सौंपी। भारतीय दूतावास ने एक विज्ञप्ति में बताया कि इसमें 270 वाहन शामिल है, जिनमें 50 ट्रक नेपाल सेना के लिए हैं। साथ ही पांच मार्च को होने वाले चुनाव की तैयारियों के लिए नेपाल की मांग के अनुरूप अन्य सामग्री भी सौंपी गई है। भारत सरकार चुनाव में सहायता के लिए पहली दो खेप जनवरी में नेपाल को सौंप चुकी है, जिसमें 310 से अधिक वाहन और अन्य सामग्री शामिल थी। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि आने वाले दिनों में कुछ अतिरिक्त सामग्री भी प्रदान की जाएगी।

व्हाट्सएप का आरोप, रूस ने की एप को ठप करने की कोशिश

मास्को। रूस ने देश में व्हाट्सएप पर पूरी तरह से रोक लगाने का प्रयास किया है। सोशल मीडिया कंपनी ने एक बयान में कहा कि यह इंटरनेट पर नियंत्रण कड़ा करने के सरकार का नया प्रयास है। व्हाट्सएप के एक प्रवक्ता ने बुधवार देर रात बताया कि रूसी अधिकारियों की यह कार्रवाई 'उपयोगकर्ताओं को सरकारी स्वामित्व के निगरानी वाले ऐप की ओर धकेलने' के उद्देश्य से की गई है। यह रूसी सरकारी समर्थित 'मैक्स' मैसेजिंग एप की ओर इशारा है, जिसे आलोचक एक निगरानी उपकरण मानते हैं। व्हाट्सएप के प्रवक्ता ने बताया, "यह 10 करोड़ से अधिक लोगों को निजी और सुरक्षित संचार से अलग करने का प्रयास है और इससे रूस में लोगों की सुरक्षा में ही कमी आएगी। हम लोगों को आपस में जोड़े रखने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

नेतन्याहू के साथ बैठक में ट्रंप का ईरान से वार्ता जारी रखने पर जोर

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात की और ईरान के साथ वार्ता जारी रखने पर जोर दिया। अमेरिका ईरान के साथ परमाणु समझौते को आगे बढ़ाना चाहता है। ट्रंप और नेतन्याहू के बीच यह मुलाकात व्हाइट हाउस में हुई। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर पोस्ट में कहा, यह मुलाकात बहुत अच्छी रही और दोनों देशों के बीच शानदार रिश्ते जारी रहेंगे। उन्होंने कहा, कुछ भी निश्चित नहीं हुआ है, सिवाय इसके कि मैंने ईरान के साथ बातचीत पर यह देखने के लिए जोर दिया कि यह समझौता हो सकता है या नहीं।

भारतीय छात्रा की मौत के मामले में 2.9 करोड़ डॉलर में समझौता

सिएटल, एजेंसी

- **सिएटल में तेज रफ्तार गाड़ी की चपेट में आकर हुई थी मौत, आरोपी पुलिस अधिकारी बर्खास्त**

अमेरिका के सिएटल शहर ने 2023 में एक पुलिस अधिकारी की तेज रफ्तार गाड़ी की टक्कर लगने से जान गंवाने वाली भारत की 23 वर्षीय छात्रा जाह्नवी कंदुला के परिवार के साथ 2.9 करोड़ डॉलर (262.65 रुपये) के समझौते पर सहमति जताई है। कंदुला को अधिकारी केविन डेव की गाड़ी ने उस समय टक्कर मारी थी, जब वह 40 किमी घंटे की सीमा वाले क्षेत्र में 119 किमी की रफ्तार से जा रहे थे।

कंदुला सिएटल स्थित नॉर्थ ईस्टर्न यूनिवर्सिटी परिसर में इन्फॉर्मेशन सिस्टम्स में मास्टर डिग्री के लिए पढ़ाई कर रही थीं। कंदुला के परिवार के वकीलों ने तत्काल प्रतिक्रिया नहीं दी। दोनों पक्षों ने पिछले शुक्रवार को किंग काउंटी सुपीरियर कोर्ट में समझौते की सूचना दाखिल की। कंदुला की मौत के बाद व्यापक प्रदर्शन हुए थे।

लोगों का आक्रोश इस बात पर भड़का जब एक अन्य अधिकारी के बॉडी कैमरा की रिकॉर्डिंग सामने आई, जिसमें वह हंसते हुए कंदुला के जीवन को मामूली बताते और यह कहते सुनाई दिया कि शहर को सिर्फ एक चेक लिख देना चाहिए। डेनियल ऑडरर नाम के इस अधिकारी को बर्खास्त कर दिया गया था। पुलिस विभाग ने वाहन चला रहे अधिकारी को भी बर्खास्त कर दिया और उसे 5,000 डॉलर का जुर्माना भरने का आदेश दिया गया।

यौन अपराधी खादी कहीं संत के चोले में

जेफ्री एप्स्टीन की फाइल्स सार्वजनिक होने के साथ उसके घिनौने अपराधों पर दुनिया में नए सिरे से एक बहस छेड़ी है लेकिन एप्स्टीन को छोड़ भी दिया जाए तो दुनिया का इतिहास क्रूर यौन अपराधों से भरा हुआ है। अपनी संस्कृति और संस्कारों की वजह से जाने जाने वाले भारत में भी ऐसे अपराधों की कमी नहीं है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की अगस्त 2024 में जारी रिपोर्ट ऐसे ही घिनौने सच का पर्दाफाश करती है जिसके मुताबिक देश के 151 से ज्यादा मौजूदा सांसदों और विधायकों पर यौन अपराधों और महिलाओं के खिलाफ अपराधों के मामले दर्ज हैं। संत के चोले में भी तमाम यौन अपराधियों के क्रूर कारनामे जगजाहिर हैं। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि समाज में दबदबा रखने वाले कई यौन अपराधियों के खिलाफ पुलिस के भ्रष्टाचार या राजनीतिक दबाव की वजह से पीड़ितों को न्याय नहीं मिल पाया।

भारत के 'एप्स्टीन'

सफेदपोश यौन अपराधी

- देश के 151 मौजूदा सांसदों और विधायकों ने चुनावी हलफनामों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों से संबंधित मामलों की घोषणा की है।
- एडीआर की रिपोर्ट के अनुसार इनमें 16 सांसद और 135 विधायक शामिल हैं। दो सांसद, 14 विधायकों पर बलात्कार के आरोप दर्ज हैं।
- भाजपा के सबसे अधिक 54 सांसदों और विधायकों पर ऐसे मामले दर्ज हैं। 23 के साथ कांग्रेस दूसरे 17 के साथ टीडीपी तीसरे स्थान पर है।
- पश्चिम बंगाल में सबसे अधिक 25 जनप्रतिनिधि, आंध्र प्रदेश में 21 और ओडिशा में 17 जनप्रतिनिधियों पर यौन अपराधों के मामले दर्ज हैं।

सर्वाधिक चर्चित मामले

- पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा के पोते पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना के यौन शोषण के हजारों वीडियो वायरल हुए थे। उसे अगस्त 2025 में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई।
- उत्तर प्रदेश के पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को 2017 में एक नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार करने का दोषी पाया गया। उसे उम्रकैद की सजा दी गई।
- हरियाणा के पूर्व मंत्री गोपाल कांडा पर एयरहोस्टेस गीतिका शर्मा के यौन उत्पीड़न और आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगा, सुसाइड नोट में नाम आया।
- मध्य प्रदेश के पूर्व वित्त मंत्री पर उनके घरेलू पुरुष सहायक ने कुकर्म के आरोप लगाए थे, मामला सुर्खियों में आने के बाद उन्हें इस्तीफा देने को मजबूर होना पड़ा था।

दुनिया के सबसे क्रूर

- जापान के जुंको फुरुता में 1988 में 17 वर्षीय छात्रा को अगवा कर 44 दिनों में 400 से अधिक बार बलात्कार किया गया, उसकी मृत्यु हो गई।
- ऑस्ट्रेलिया में नर्स अनीता कोबी का अपहरण कर सामूहिक बलात्कार किया गया और फिर होश में रहते बेरहमी से उनकी गर्दन काट दी गई।
- दिल्ली में 2012 में चलती बस में छात्रा से हुई दरिंदगी ने दुनिया को झकझोरा जिसकी मृत्यु हो गई। ये मामला निर्भया कांड के नाम से मशहूर हुआ।

खौफनाक आंकड़ा | यूनिसेफ की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में 37 करोड़ से अधिक लड़कियां और महिलाएं बलात्कार या यौन हमले का शिकार हुई हैं।

संतों के चोले में यौन अपराधी

- आसाराम बापू नाबालिग लड़कियों से बलात्कार पर जोधपुर और गांधीनगर की अदालत से उम्रकैद।
- डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को दो महिला अनुयायियों से बलात्कार पर 20 साल जेल।
- आसाराम के बेटे नारायण साई को भी शिष्या से बलात्कार के जुर्म में सूरत की अदालत से उम्रकैद।
- तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली स्थित आश्रम संचालक प्रेमानंद ने 13 महिलाओं से बलात्कार किया।
- केरल का स्वयंभू संत अमृता चैतन्य नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण के मामले में दोषी पाया गया।

बांग्लादेश में हिंसा की घटनाओं के बीच 13वें आम चुनाव के लिए हुआ मतदान

भारी सुरक्षा तैनाती के बावजूद मतदान केंद्रों पर धमाके, देर शाम मतगणना शुरू

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश में आम चुनाव के लिए लोगों ने बृहस्पतिवार को हिंसा की घटनाओं के बीच मतदान किया। जटिल 84 सूत्री सुधार पैकेज पर जनमत संग्रह के साथ हुए 13वें आम चुनाव में देश भर में 300 में से 299 संसदीय सीट के लिए सुबह साढ़े सात बजे मतदान शुरू हुआ जो शाम साढ़े चार बजे तक जारी रहा। मतदान पूरा होने के बाद ज्यादातर जगहों पर मतगणना भी शुरू कर दी गई। एक उम्मीदवार की मृत्यु होने के कारण एक निर्वाचन क्षेत्र में मतदान रद्द कर दिया गया है।

हसीना की अब भंग हो चुकी अवामी लीग की गैरमौजूदगी में मुख्य मुकाबला बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और उसकी पूर्व सहयोगी जमात-ए-इस्लामी के बीच है। बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने शेख हसीना की अवामी लीग को पिछले साल भंग कर दिया था और पार्टी के चुनाव लड़ने पर रोक लगा दी थी। बांग्लादेश निर्वाचन आयोग के वरिष्ठ सचिव अख्तर अहमद के मुताबिक दोपहर दो बजे तक 48 प्रतिशत मतदान हुआ। देश भर में 299 निर्वाचन क्षेत्रों में 42,779 मतदान केंद्रों पर लगभग 12.7 करोड़ मतदाता पंजीकृत थे। बांग्लादेश की दो प्रमुख प्रतिद्वंद्वी पार्टियों के शीर्ष नेताओं के साथ मुख्य सलाहकार यूनुस ने शुरूआत में ही मतदान किया।

ढाका के एक मतदान केंद्र पर बृहस्पतिवार को अपना वोट डालकर लौटतीं महिलाएं।

कुल 50 राजनीतिक दलों के 1,755 उम्मीदवार और 273 निर्दलीय उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। बीएनपी के सर्वाधिक 291 उम्मीदवार हैं, चुनाव में 83 महिला उम्मीदवार हैं।

एक के बाद एक मतदान केंद्रों पर होते रहे बम के धमाके

मतदान के बीच कई जगहों से चुनावी हिंसा की खबरें आती रहीं। गोपालगंज में बम हमले में 13 वर्षीय लड़की सहित तीन लोग घायल हो गए। बृहस्पतिवार सुबह करीब नौ बजे निचुपाड़ा स्थित रेशमा इंटरनेशनल स्कूल में बने मतदान केंद्र में विस्फोट हुआ। इस घटना में चुनाव सुरक्षा के लिए जिम्मेदार अर्द्धसैनिक सहायक बल 'अंसार' के दो सदस्य भी घायल हुए हैं। घायलों को अस्पताल ले जाया गया है। मतदान केंद्र के पीठासीन अधिकारी जहिरुल इस्लाम ने बताया कि घायलों को मामूली चोट आई थी और मतदान थोड़ी देर बाद फिर शुरू हो गया। एक अन्य घटना में मुंशीगंज-3 निर्वाचन क्षेत्र के एक मतदान केंद्र के बाहर सिलसिलेवार बम विस्फोट हुए, जिससे मतदान अस्थाई रूप से बाधित हो गया। सुबह करीब 10 बजकर 15 मिनट पर मखाती गुरुचरण हाई स्कूल में बने मतदान केंद्र के सामने विस्फोट हुए। अधिकारियों ने बताया कि 10 से 12 देसी बमों में धमाका हुआ। केंद्र पर मतदान कुछ देर के लिए रोक दिया गया। पीठासीन अधिकारी मोहम्मद तितुमिर ने कहा कि विस्फोटों से मतदाताओं में दहशत फैल गई लेकिन कुछ देर बाद मतदान फिर से शुरू हो गया। इसके अलावा, खुलना में एक मतदान केंद्र के बाहर जमात-ए-इस्लामी कार्यकर्ताओं के साथ झड़प के दौरान एक बीएनपी नेता की मौत हो गई। बीएनपी का कहना है कि जमात के एक नेता के धक्का देने की वजह से पेड़ से टकराकर वह घायल हो गए थे, जिससे उनकी मौत हुई।

नतीजों में बीएनपी ने बनाई बढ़त, 175 सीटों पर आगे

ढाका। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) बृहस्पतिवार को हुए महत्वपूर्ण आम चुनाव में जमात-ए-इस्लामी पर बढ़त बनाए हुए प्रतीत हो रही है। नयी सरकार अंतरिम प्रशासन की जगह लेगी, जिसने अगस्त 2024 में अवामी लीग शासन के सत्ता से बेदखल होने के बाद कार्यभार संभाला था। मीडिया की खबरों में कहा गया है कि शुरुआती नतीजों में बीएनपी को बढ़त मिली है और उसके उम्मीदवार 175 से अधिक सीटों पर आगे हैं, जबकि जमात के उम्मीदवार 30 सीटों पर आगे हैं। संवैधानिक सुधारों पर जनमत संग्रह के साथ मतदान शाम 4.30 बजे समाप्त हो गया। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, अपराह्न दो बजे तक 48 प्रतिशत मतदान हुआ। गैर आधिकारिक परिणामों में, चुनाव आयोग के अधिकारियों ने कहा कि बीएनपी अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान ने ढाका-17 और बोगरा-6 निर्वाचन क्षेत्रों से जीत हासिल की। जमात-ए-इस्लामी के अध्यक्ष शफीकुर रहमान राजधानी की एक सीट से मुकाबले में सबसे आगे हैं, जबकि जमात महासचिव मिया गोलम पोरवार दक्षिण-पश्चिमी खुलना निर्वाचन क्षेत्र में अपने बीएनपी प्रतिद्वंद्वी अली असगर लॉबी से चुनाव हार गए हैं। बांग्लादेश में जटिल 84 सूत्री सुधार पैकेज पर जनमत संग्रह के साथ-साथ 13वां आम चुनाव कराया गया। सुधार पैकेज को 'जुलाई राष्ट्रीय घोषणापत्र' के नाम से भी जाना जाता है।

मतदान से पहले हिंदू मजदूर की हत्या

ढाका। पूर्वोत्तर बांग्लादेश के मौलवी बाजार इलाके में एक युवा हिंदू चाय बागान मजदूर का खून से लथपथ शव मिला जिसके हाथ-पैर रस्सियों से बंधे हुए थे। बांग्लादेश में आम चुनाव के लिए बृहस्पतिवार को मतदान से पहले यह लगातार दूसरे दिन किसी हिंदू व्यक्ति की हत्या का मामला है।

- **चाय बागान में मिला खून से लथपथ शव, रस्सी से बंधे थे हाथ-पैर**

पुलिस ने बुधवार को ढाका से लगभग 200 किमी उत्तर-पूर्व में स्थित मौलवी बाजार के कमलगांज उपजिले के एक चाय बागान से 28 वर्षीय रतन शुवो कार का शव बरामद किया। 'द डेली स्टार' ने कमलगांज पुलिस थाने के प्रभारी अब्दुल अवाल के हवाले से खबर दी कि मृतक रतन शुवो कार इस्लामपुर यूनियन के अंतर्गत चंपारा चाय बागान में बतौर मजदूर काम करता था। लोगों ने बुधवार पूर्वाह्न करीब 10:00 बजे बागान में शव को देखा और अधिकारियों को सूचना दी। स्थानीय लोगों के मुताबिक शव पर चोट के स्पष्ट निशान थे और वह खून से लथपथ था। रतन के बड़े भाई लक्ष्मण कार ने बताया कि परिवार मंगलवार रात से ही उसकी तलाश कर रहा था। उन्होंने बताया, बुधवार सुबह हमें सूचना मिली कि उसका शव बागान में पड़ा है। हम वहां गए और उसकी पहचान की। हमें नहीं पता कि उसकी हत्या क्यों की गई।

इतालवी तटों पर कड़ी नौसैनिक नाकाबंदी का विधेयक पारित

रोम। इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी के नेतृत्व वाली रूढ़िवादी सरकार ने अवैध आव्रजन से निपटने के लिए एक विधेयक को मंजूरी दी है जिसके तहत इतालवी तटों तक पहुंचने की कोशिश कर रहे प्रवासी पोतों के लिए नौसैनिक नाकाबंदी करने का प्रावधान भी शामिल है।

विधेयक को मंत्रिमंडल की बैठक में मंजूरी दे दी गई। यह विधेयक संसद के दोनों सदनों में चर्चा और मंजूरी के बाद प्रभावी होगा। इसमें सीमाओं पर कड़ी निगरानी और यूरोपीय एजेंसियों के साथ सहयोग का प्रावधान शामिल है। विधेयक प्रवासन और शरण संबंधी नए यूरोपीय संघ समझौते को मंजूरी दिए जाने के एक दिन बाद पारित किया गया है।

भारत के साथ समझौता ऐतिहासिक, विशाल ऊर्जा निर्यातक बनेंगे हम : ट्रंप

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के साथ व्यापार समझौते को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि अमेरिका भारत और उन देशों को कोयले का निर्यात बढ़ाएगा जिनके साथ उसने व्यापार समझौते किए हैं। ट्रंप ने 'चैंपियन ऑफ कोल' शीर्षक वाले एक कार्यक्रम के दौरान कहा, हमारे नेतृत्व में हम एक विशाल ऊर्जा निर्यातक बन रहे हैं। पिछले कुछ महीनों में ही हमने जापान, कोरिया, भारत और अन्य के साथ ऐतिहासिक व्यापार समझौते किए हैं ताकि हमारे कोयला निर्यात को बढ़ाया जा सके। अमेरिका और भारत ने पिछले सप्ताह घोषणा की थी कि वे व्यापार पर एक अंतरिम समझौते की रूपरेखा पर पहुंच गए हैं जिसके तहत नई दिल्ली सभी अमेरिकी औद्योगिक वस्तुओं, खाद्य एवं कृषि उत्पादों की एक व्यापक शृंखला पर शुल्क समाप्त करेगी या घटाएगी और अगले पांच साल में 500 अरब अमेरिकी डॉलर के अमेरिकी उत्पादों की खरीद करेगी।

- **अमेरिका के कोयला निर्यात में भारी वृद्धि होने का किया दावा**

ब्रिटिश शाही सेना के पायलटों को प्रशिक्षण देगी भारतीय वायुसेना

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना पहली बार ब्रिटेन की शाही वायुसेना के पायलटों को प्रशिक्षण देने जा रही है। यह निर्णय बृहस्पतिवार को नई दिल्ली में आयोजित 19वीं ब्रिटेन-भारत वायुसेना वार्ता में लिया गया। ब्रिटेन के मुताबिक, नवीनतम समझौते के तहत, भारतीय वायुसेना तीन योग्य उड़ान प्रशिक्षकों को ब्रिटेन में शाही वायुसेना ली में तैनात करेगी जो ब्रिटिश लड़ाकू विमानों के पायलटों के लिए प्रशिक्षण केंद्र है। यह पहली बार है कि भारतीय योग्य उड़ान प्रशिक्षक आरएएफ वैली में ब्रिटिश पायलटों को लड़ाकू विमानों का प्रशिक्षण देंगे।

मोदी का करियर बर्बाद नहीं करना चाहता... ट्रंप के वीडियो पर कार्रवाई करेगा भारत

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संबंधित अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस वीडियो से अनभिज्ञता जताई है जिसमें वह यह कहते सुने गए कि वह मोदी का राजनीतिक करियर बर्बाद नहीं करना चाहते। विदेश मंत्रालय ने यह भी कहा है कि अगर ऐसा वीडियो है तो उचित कार्रवाई की जाएगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने गुरुवार को कहा, आप जिस वीडियो की बात कर रहे हैं, मैंने उसे नहीं देखा है। सोशल मीडिया में ट्रंप का यह वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें वह यह कहते सुनाई दे रहे हैं कि वह मोदी से प्रेम करते हैं और उनका राजनीतिक करियर बर्बाद नहीं करना चाहते। एप्स्टीन फाइल से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा, जहां तक एप्स्टीन फाइल का प्रश्न है, आपने हमारा बयान देखा होगा। आप उस बयान का संज्ञान लें।

- **विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने वीडियो से जताई अनभिज्ञता**

कनाडा पर टैरिफः पहली बार अमेरिकी प्रतिनिधि सभा राष्ट्रपति के विरोध में

वाशिंगटन। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने देश के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से कनाडा पर लगाए गए टैरिफ को पलटने के लिए मतदान किया जो व्हाइट हाउस के एजेंडे की एक दुर्लभ आलोचना है। बुधवार को इस प्रस्ताव के पक्ष में 219 और इसके खिलाफ 211 मत पड़े। ऐसा संभवतः पहली बार है जब रिपब्लिकन पार्टी के नियंत्रण वाली प्रतिनिधि सभा ने किसी महत्वपूर्ण नीति को लेकर राष्ट्रपति का विरोध किया है।

प्रस्ताव का उद्देश्य उस राष्ट्रीय आपात स्थिति को समाप्त करना है, जिसे ट्रंप ने टैरिफ लगाने के लिए घोषित किया है लेकिन इस नीति को पलटने के लिए वास्तव में ट्रंप के भी समर्थन की जरूरत होगी जो असंभव प्रतीत होता है। यह प्रस्ताव अब सीनेट के पास जाएगा। ट्रंप का मानना है कि टैरिफ अमेरिकी व्यापार साझेदारों को बातचीत की मेज पर लाने के लिए असरदार हैं लेकिन सांसदों को अपने-अपने क्षेत्रों में व्यापार युद्धों के कारण जूझ रहे कारोबारियों एवं इनके जेब पर पड़ने वाले असर एवं ऊंची कीमतों से परेशान मतदाताओं की नाराजगी का सामना करना पड़ रहा है। प्रतिनिधि सभा की विदेश मामलों की समिति में डेमोक्रेटिक पार्टी के शीर्ष नेता एवं न्यूयॉर्क से सांसद ग्रेगरी मीक्स ने यह प्रस्ताव पेश किया।

कई वैश्विक हस्तियां आएंगी इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में

नई दिल्ली, एजेंसी

ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' के पूर्वावलोकन कार्यक्रम (कर्टेन रेजर) 'एआई फॉर ऑलः रीइमेजिनिंग ग्लोबल कोऑपरेशन' में वक्तव्य देंगे। सार्वजनिक नीति शोध संस्था कार्नेगी इंडिया ने यह घोषणा की। इस आयोजन के लिए अब तक 100 से अधिक देशों के 35,000 से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया है, जिनमें 500 से अधिक स्टार्टअप सम्मिलित हैं।

इसके अतिरिक्त, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर फ्रांस के राष्ट्रपति इमानुएल मैक्रों 17 से 19 फरवरी तक भारत की यात्रा पर रहेंगे और इस शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। अपनी यात्रा के दौरान राष्ट्रपति मैक्रों मोदी के साथ 'होराइजन 2047 रोडमैप' के अंतर्गत द्विपक्षीय सहयोग को सुदृढ़ करने के लिए व्यापक चर्चा करेंगे। वे मुंबई में संयुक्त रूप से 'भारत-फ्रांस नवाचार वर्ष 2026' का भी उद्घाटन करेंगे। नई दिल्ली के भारत मंडपम में 16 से 20 फरवरी तक आयोजित होने वाला 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' नीति, अनुसंधान, उद्योग और सार्वजनिक सहभागिता पर केंद्रित है। 'जनमानस, पृथ्वी और प्रगति' के तीन आधारभूत स्तंभों पर आधारित यह शिखर सम्मेलन वैश्विक नेताओं, नीति निर्माताओं, नवाचारियों और विशेषज्ञों को एक मंच पर लाएगा, ताकि शासन, नवाचार और सतत विकास में एआई की भूमिका पर विचार किया जा सके। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस भी इस शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे।

- **सौ देशों के 35,000 से ज्यादा प्रतिभागियों ने कराया पंजीकरण**
- **मैक्रो और सुनक भी आएंगे, भारत मंडपम में 16 से पांच दिनी कार्यक्रम**

एआई यानी अमेरिका-इंडिया, मोदी का यह कथन सटीक

इस सम्मेलन में यूएस-इंडिया स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फोरम (यूएएसआईएसपीएफ) की भागीदारी होगी। सम्मेलन से पूर्व यूएएसआईएसपीएफ ने ''बोर्ड एआई टास्क फोर्स'' के गठन की घोषणा की है जिसका नेतृत्व जॉन चैंबर्स करेंगे। कार्यबल के शुभारंभ पर जॉन चैंबर्स ने कहा, जैसा कि मोदी ने कहा है, एआई का अर्थ ''अमेरिका और इंडिया'' है। सिलिकॉन वैली के अपने अनुभव से मैं देख सकता हूं कि एआई हमारे समय की निर्णायक तकनीक बनेगी, ठीक वैसे ही जैसे भारत-अमेरिका संबंध इस युग की सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदारी है।

आज का भविष्यफल

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

आज की ग्रह स्थिति : 13 फरवरी, शुक्रवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-फाल्गुन, पक्ष-कृष्ण पक्ष, एकादशी 14.25 तक तत्पश्चात द्वादशी।

आज का पंचांग

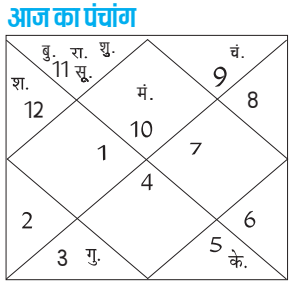

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- मिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुंभ, मीन।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- मूल 16.12 तक तत्पश्चात पूर्वाषाढ़ा।

मेष - आज मन में असंतोष का भाव रह सकता है। धार्मिक लोगों से सलाह लेना उत्तम होगा। प्रेम संबंधों को लेकर भावुक हो सकते हैं। आर्थिक निवेश को लेकर सावधान रहें। अनैतिक कार्यों से दूरी बनाकर रखें। सर्दी-खांसी से आपको परेशानी हो सकती है।

वृष - आज ऊंचाई वाली जगहों से दूरी बनाकर रखें। जीवनसाथी के प्रति आसक्ति का भाव बढ़ेगा। संतान से आपको लाभ प्राप्त हो सकता है। आप अपने मित्रों की काफी सहायता करेंगे। अविवाहित लोगों को विवाह प्रस्ताव मिल सकते हैं।

मिथुन - आज आपका दिन विशेष उन्नतिकारक रहेगा। आय की दृष्टि से भी दिन बहुत ही अच्छा है। दोपहर तक कोई शुभ समाचार मिल सकता है। आपके स्वभाव में विनम्रता बढ़ेगी। आप चुनौतियों को आसानी से निपटा लेंगे। अधूरे पड़े कार्य आप प्रारंभ कर सकते हैं।

कर्क - आज पुराने लोन को चुकाने के लिए दिन बहुत अच्छा है। आपके भीतर स्नेह और वात्सल्य की भावना रहेगी। पाचन तंत्र की सेहत का ध्यान रखें। कार्यक्षेत्र में मेहनत ज्यादा करनी पड़ सकती है। आप काफी अच्छा महसूस करेंगे।

सिंह - आज अचानक धन लाभ होने के योग बन रहे हैं। राजनीति से जुड़े लोगों को सावधानी रखनी चाहिए। घर के सदस्यों को महत्व दें। वाणी में संयम रखें। रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने का प्रयास करें। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

कन्या - आज जीवन की सच्चाइयों का सामना करना पड़ेगा। आपको कारोबार में अतिरिक्त प्रयास करने पड़ेंगे। आपको यात्रा कम से कम करनी चाहिए। भावनात्मक उतार-चढ़ाव पर नियंत्रण रखें। अपने स्वभाव में लचीलापन बनाकर रखें।

तुला - आज प्रतियोगिता और परीक्षा में आपको सफलता मिलने के योग बन रहे हैं। आपको पिछले अनुभवों का लाभ प्राप्त होगा। उच्च-अधिकारी आपके कार्यों से प्रसन्न रहेंगे। व्यापार में बदलाव करने की योजना बना सकते हैं।

वृश्चिक - आज आप अपनी आय बढ़ाने के लिए अत्यधिक प्रयत्नशील रहेंगे। परिवार में छोटों की चिंता रहेगी। प्रियजनों के व्यवहार को लेकर थोड़े परेशान रहेंगे। जीवनसाथी आपका मनोबल बढ़ाएगा। लोगों पर आपका प्रभाव काफी अच्छा पड़ेगा।

धनु - आज का दिन आपके लिए काफी अच्छा रहना वाला है। प्रेमीजन से अपने मन की बातें शेयर कर सकते हैं। आप दूसरों की सहायता करेंगे। नए कार्यों में आप रुचि ले सकते हैं। उच्च अधिकारी आपका सहयोग कर सकते हैं।

मकर - आज के दिन आपको तनाव का सामना करना पड़ेगा। दांपत्य जीवन में कड़वाहट हो सकती है। कुछ लोग आपकी तरक्की से ईर्ष्या कर सकते हैं। मेडिकल सेवा से जुड़े लोगों को परेशानी हो सकती है। अनावश्यक खर्चों को कम करने का प्रयास करें।

कुंभ - आज दार्शनिक लोगों के विचारों से आप प्रभावित रहेंगे। लोगों की बातों को अधिक महत्व न दें। जीवनसाथी की सलाह का अनुसरण करें, इससे आपको लाभ होगा। नया वाहन खरीद सकते हैं। व्यापार में लाभ प्राप्त होगा। पुराने लोन को चुकाने में आसानी होगी।

मीन - आज आपको शारीरिक श्रम अधिक करना पड़ सकता है। सरकारी कार्यों में ध्यान देने का प्रयास करें। गंभीरता से परिस्थितियों का अवलोकन करें। घर के वास्तु में कुछ परिवर्तन करने का विचार बना सकते हैं। पिता की सलाह से काम करना हितकर होगा।

सुडोकू-60

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			6			5		
3	8				2		7	
			4		7			1
8				5		1		
1								9
		2		7				6
6			3		9			
	1		2				3	8
		4			8			

सुडोकू - 59 का हल

5	3	1	2	8	4	9	7	6
8	9	4	6	3	7	2	1	5
2	6	7	5	1	9	8	3	4
6	5	2	9	7	3	4	8	1
4	7	9	1	2	8	6	5	3
3	1	8	4	6	5	7	9	2
1	4	3	7	9	6	5	2	8
9	2	5	8	4	1	3	6	7
7	8	6	3	5	2	1	4	9

विस्फोटक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा अभी पूरी तरह फिट नहीं है। वह एक-दो मैच में नहीं खेल पाएंगे। उन्हें पेट में इन्फेक्शन के कारण अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। बुधवार को उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल गई थी।
-सूर्यकुमार यादव, कप्तान

स्टेडियम

बरेली, शुक्रवार, 13 फरवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

आज के मैच

टीम	समय
ऑस्ट्रेलिया-जिम्बाब्वे	पूर्वाह्न 11 बजे
कनाडा-यूएई	दोपहर 3 बजे
नीदरलैंड्स-अमेरिका	शाम 7 बजे

हाईलाइट

चोटिल लियोनेल मेसी का खेलना संदिग्ध

फोर्ट लॉडरडेल (अमेरिका)। स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी की बायीं हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया है जिसके कारण उनका इंटर मियामी की तरफ से एमएलएस कप में 21 फरवरी को एलएएफसी के खिलाफ होने वाले सत्र के पहले मैच में खेलना संदिग्ध है। इंटर मियामी की टीम ने बुधवार को मेसी के चोटिल होने के बारे में जानकारी दी। एमएलएस के लगातार दो बार के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी मेस्सी ने पिछले सप्ताहांत इक्वाडोर में सत्र से पहले खेले गए मैच में एक गोल किया, लेकिन दूसरे हाफ के लगभग 12 मिनट बाद उन्हें संभवत: हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण मैदान छोड़ना पड़ा था। इंटर मियामी ने एक बयान में कहा अभ्यास में उनकी वापसी आने वाले दिनों में उनकी फिटनेस की प्रगति पर निर्भर करेगी।

फेडरर के समारोह के टिकट दो मिनट में बिके

न्यूपोर्ट (अमेरिका)। रोजर फेडरर ने भले ही टेनिस को अलविदा कह दिया हो लेकिन उनका जादू अब भी प्रशंसकों पर सर चढ़कर बोलता है जिसकी बानगी यहां उन्हें अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ़ फेम में शामिल करने के समारोह के टिकटों की भारी मांग में देखने में मिली। फेडरर से जुड़े इस समारोह के सभी टिकट दो मिनट में बिक गए। आयोजकों ने आउटडोर पार्टी के लिए अलग से अतिरिक्त टिकट जारी किए जो हाथों हाथ बिक गए। आखिर में आयोजकों को कहना पड़ा कि उनकी क्षमता सीमित है और वह अधिक टिकट जारी नहीं कर सकते हैं।

भारतीय घुड़सवारी महासंघ को नोटिस

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने आयकर अधिनियम 1961 की धारा 156 के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए भारतीय घुड़सवारी महासंघ (ईएफआई) को पहली बार 4.62 करोड़ रुपये का मांग नोटिस जारी किया है। आधिकारिक दस्तावेजों में यह जानकारी दी गई है। ईएफआई को नौ फरवरी, 2026 के नोटिस में कहा गया है कि इस खेल महासंघ को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 4,62,18,102 रुपये की राशि भुगतान करनी होगी। इस नोटिस की एक प्रति पीटीआई के पास भी है जिसमें कहा गया है कि निर्धारित की गई राशि नोटिस मिलने के 30 दिनों के भीतर किसी अधिकृत बैंक में जमा करनी होगी।

पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने सड़क पर बिताया समय

कराची। पाकिस्तान हॉकी टीम के सदस्यों को कैनबरा पहुंचने पर कई घंटे सड़क पर बिताने पड़े क्योंकि धन के अभाव में पाकिस्तान हॉकी महासंघ होटल के बिल का भुगतान नहीं कर सका जिससे होटल बुकिंग रद्द हो गई। पाकिस्तानी टीम होबर्ट में एफआईएच प्रो लीग के दूसरे चरण के मैच खेलने आस्ट्रेलिया में है। टीम के सूत्रों के अनुसार खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों को घंटों तक सड़क पर रहना पड़ा। एक सूत्र ने बताया खिलाड़ियों और अधिकारियों के लिये कैनबरा में एक चार सितारा होटल में कमरे बुक किये गए थे। उन्हें बताया गया था कि पाकिस्तान खेल बोर्ड और पीएचएफ ने कैनबरा में उनके रहने के लिये सारे भुगतान कर दिए हैं।

अर्जेंटीना ने हॉकी प्रो लीग में भारत को रौंदा

राउरकेला। भारत को बृहस्पतिवार को यहां एफआईएच पुरुष प्रो लीग के राउरकेला चरण में अर्जेंटीना से 0-8 से हार का सामना करना पड़ा। अर्जेंटीना के लिए टॉमस डोमेने ने चार गोल दागे। डोमेन (15, 20, 26, 60वें मिनट) के अलावा टॉमस रुइज (14वें मिनट), लुसियो मेंडेज (22वें मिनट), इग्नासियो इबारा (25वें मिनट) और निकोलस डेला टोरे (30वें मिनट) ने भी गोल किए। भारत ने शुरुआत में बढ़त बनाने की कोशिश की, लेकिन कुछ देर तक दबदबे के बाद उन्होंने पहले क्वार्टर के अंत में पेनल्टी स्ट्रोक मिलने पर बढ़त लेने का सुनहरा मौका गंवा दिया। हरमनप्रीत सिंह के प्रयास को अर्जेंटीना के गोलकीपर ने रोक दिया। अर्जेंटीना ने तुरंत गोल दाग दिया।

ईशान और हार्दिक की तूफानी पारियों से भारत की बड़ी जीत

टी-20 विश्व कप : नामीबिया को 93 रनों से हराया

नई दिल्ली, एजेंसी

सलामी बल्लेबाज ईशान किशन और हार्दिक पंड्या के तूफानी अर्धशतक के बाद वरुण चक्रवर्ती के फिरकी के जादू से भारत ने आईसीसी टी20 विश्व कप के ग्रुप ए के एकतरफा मैच में बृहस्पतिवार को यहां नामीबिया को 93 रन से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

ईशान (61 रन, 24 गेंद, पांच छक्के, छह चौके) और पंड्या (52 रन, 28 गेंद, चार छक्के, चार चौके) के अर्धशतक से भारत ने नौ विकेट पर 209 रन बनाए जिसके जवाब में नामीबिया की टीम चक्रवर्ती (सात रन पर तीन विकेट), (21 रन पर दो विकेट) और अक्षर पटेल (20 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने 18.2 ओवर में 116 रन पर सिमट गई। नामीबिया की ओर से सलामी बल्लेबाज लॉरेन स्टीनकैंप (29) और जेन फ्राइलिंक (22) के अलावा कोई अन्य बल्लेबाज 20 रन के आंकड़े को भी नहीं छू पाया। टीम ने अपने अंतिम आठ विकेट सिर्फ 30 रन जोड़कर गंवाए। भारतीय टीम अब अपना अगला मैच 15 फरवरी को कोलंबो में पाकिस्तान के खिलाफ खेलेगी जिस पर सभी की नजरें टिकी होंगी।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे नामीबिया ने पावर प्ले में एक विकेट पर 57 रन बनाकर अच्छी शुरुआत की। फ्राइलिंक ने पंड्या पर चौका और छक्का मारने के बाद अर्शदीप सिंह पर भी लगातार दो चौके जड़े लेकिन इसी तेज गेंदबाज की गेंद पर डीप मिडविकेट पर दुबे को कैच दे बैठे। स्टीनकैंप ने छठे ओवर में अर्शदीप पर दो चौके और एक छक्के से 17 रन बटोरे। चक्रवर्ती ने पहली ही गेंद पर स्टीनकैंप को बोल्ड करके नामीबिया को दूसरा झटका दिया। कप्तान इरास्मस ने अक्षर पटेल का स्वागत मिडविकेट पर दो छक्कों के साथ किया लेकिन जेन निकोल लॉफ्टी ईटन (13) चक्रवर्ती की गेंद को हवा में लहराकर लॉन्ग ऑफ पर अक्षर के हाथों लपके गए। चक्रवर्ती ने एक गेंद बाद जेजे स्मिट (00) को भी बोल्ड किया।

भारतीय टीम के लिए ईशान किशान और संजू सैमसन की जोड़ी ने तूफानी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए महज दो ओवर में 25 रन बना डाले। इसी दौरान दूसरे ओवर की आखिरी गेंद पर बेन शिकोंगो ने संजू सैमसन को अपना शिकार बना लिया। संजू सैमसन ने आठ गेंदों में तीन छक्के और एक चौका उड़ाते हुए 22 रन बनाए। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए तिलक वर्मा ने ईशान किशन के साथ दूसरे विकेट के लिए 79 रन जोड़े। ईशान किशन ने 24 गेंदों में छह चौके ओर पांच छक्के लगाते हुए 61 रनों की पारी खेली। उन्होंने महज 20 गेंदों में पांच चौके और चार छक्के उड़ाते हुए अपना अर्धशतक पूरा किया। 11वें ओवर में सूर्यकुमार यादव 12 रन बनाकर आउट हुये। तिलक वर्मा ने 21 गेंदों में तीन चौके लगाते हुए 25 रन बनाए। एक समय महज 20 रन जोड़कर भारत ने तीन विकेट गंवा दिए थे। ऐसे समय हार्दिक पंड्या और शिवम दुबे की जोड़ी ने एक बार फिर भारतीय पारी को संभाला और तेजी के साथ रन जोड़े। दोनों बल्लेबाजों के बीच पांचवें विकेट के लिए 81 रनों की उपयोगी साझेदारी हुई।

भारत

209/9 (20 ओवर)

ईशान का शिकोंगो बो इरास्मस	61
सैमसन का स्टीनकैंप बो शिकोंगो	22
तिलक वर्मा का स्मिट बो इरास्मस	25
सूर्यकुमार स्टं ग्रीन बो स्कोल्ट्ज	12
हार्दिक का स्थानापन्न बो इरास्मस	52
शिवम दुबे रन आउट	23
रिंकू सिंह का इरास्मस बो स्मिट	01
अक्षर पटेल बो इरास्मस	00
वरुण चक्रवर्ती नाबाद	01
अर्शदीप सिंह रन आउट	02

गेंदबाजी : ट्रंपलमैन 4-0-38-0, शिकोंगो 3-0-41-1, स्मिट 4-0-50-1, हेइंगो 1-0-18-0, गेरहार्ड इरास्मस 4-0-20-4, स्कोल्ट्ज 4-0-41-1

नामीबिया

116/10 (18.2 ओवर)

लॉरेन स्टीनकैंप बो चक्रवर्ती	29
जेन फ्राइलिंक का दुबे बो अर्शदीप	22
जेन निकोल का अक्षर को चक्रवर्ती	13
गेरहार्ड का तिलक बो अक्षर	18
जेजे स्मिट बो चक्रवर्ती	00
जेन ग्रीन हिट विकेट दुबे	11
मलान क्रूगर का बुमराह बो अक्षर	05
रूबेन ट्रंपलमैन बो बुमराह	06
स्कोल्ट्ज का अक्षर बो पंड्या	04
बेन शिकोंगो पगबधा बो पंड्या	00
मैक्स हेइंगो नाबाद	00

गेंदबाजी : पंड्या 4-0-21-2, अर्शदीप 3-0-36-1, दुबे 2.2-0-11-1, बुमराह 4-0-20-1, चक्रवर्ती 2-0-7-3, अक्षर 3-1-20-2

इटली ने नेपाल को रौंद आईसीसी टूर्नामेंट में जीत का खाता खोला

मुंबई, एजेंसी

इटली ने टी20 विश्व कप पदार्पण में अपने दूसरे ही मैच में शानदार प्रदर्शन किया और बृहस्पतिवार को यहां के ग्रुप सी मैच में नेपाल को 44 गेंद रहते 10 विकेट से रौंदकर आईसीसी टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की।

इटली के स्पिनरों ने अनुशासित गेंदबाजी करते हुए नेपाल की पूरी टीम को 19.3 ओवर में महज 123 रन पर समेट दिया। इसके बाद उसने एंथनी मोस्का (नाबाद 62 रन) और जस्टिन मोस्का (नाबाद 60 रन) के बीच अटूट साझेदारी से 12.4 ओवर में यह लक्ष्य हासिल कर शानदार जीत हासिल की। मोस्का बंधुओं में से बड़े भाई एंथोनी ने 32 गेंद की नाबाद पारी में छह छक्के और तीन चौके जड़े जबकि छोटे भाई जस्टिन ने 44 गेंद की नाबाद पारी के दौरान तीन छक्के और पांच चौके जमाए। यह इटली के लिए टी20 विश्व कप इतिहास का दूसरा ही मैच था। पिछले मैच में उसे कोलकाता में स्कॉटलैंड से 73 रन से हार का सामना करना पड़ा था। इस मुकाबले में नेपाल को जीत का दावेदार माना जा रहा था जिसने इसी स्थल पर इंग्लैंड को कड़ी चुनौती दी थी। लेकिन उनका कोई भी बल्लेबाज इटली की सटीक स्पिन गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण के सामने नहीं टिक सका। नेपाल ने अपने सर्वश्रेष्ठ स्पिनर संदीप लामिचाने को इस्तेमाल में भी बहुत बाद में किया। इंडियन प्रीमियर लीग सहित कई टी20 टूर्नामेंट खेल चुके लामिचाने को तब गेंदबाजी के लिए लगाया गया जब इटली के सलामी बल्लेबाज 58 रन बना चुके थे।

इटली के सलामी बल्लेबाजों ने प्रति ओवर करीब 10 रन बनाए और नेपाल किसी भी मौके का फायदा नहीं उठा सका जिससे वानखेड़े स्टेडियम में मौजूद बड़ी संख्या में उसके प्रशंसकों को काफी निराशा हुई। इससे पहले यहां स्पिनरों का दबदबा जारी रहा जिसमें इटली के लिए बेन मानेंटी ने नौ रन दकर दो जबकि कृशन कालुगामागे ने 18 रन देकर तीन विकेट झटके। सटीक लाइन एवं लेंथ के साथ इटली के क्षेत्ररक्षकों ने भी शानदार प्रदर्शन किया जिससे नेपाल के खिलाड़ी दबाव में रहे। नेपाल के लिए आरिफ शेख ने सर्वाधिक 27 रन और कप्तान रोहित पौडेल ने 23 रन बनाए।

इटली के बल्लेबाज एंथनी मोस्का और जस्टिन मोस्का। एजेंसी

- एंथनी और जस्टिन मोस्का ने नाबाद पारियां खेल आसानी से हासिल किया लक्ष्य

भारत-पाकिस्तान का मैच देखने जाएंगे बीसीबी प्रमुख

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के प्रमुख अमीनुल इस्लाम ने कहा है कि वह भारत और पाकिस्तान के बीच रविवार को होने वाले टी20 विश्व कप मैच देखने के लिए कोलंबो में जाएंगे। उन्हें उम्मीद है कि पिछले कुछ सप्ताह से चल रहे तनावपूर्ण माहौल के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के साथ उनके संबंध सुधरेंगे। इस्लाम ने बांग्लादेश के अखबार 'प्रथम आलो' से कहा कि इस हाई-प्रोफाइल मैच के लिए उन्हें अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की तरफ से निमंत्रण मिला है। उन्होंने कहा आईसीसी ने एक फैसला लिया है। आईसीसी के प्रमुख हितधारक ये पांच एशियाई देश हैं तथा वह चाहते हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच 15 फरवरी को होने मैच के लिए सभी पांच एशियाई देशों के प्रतिनिधि एक साथ स्टेडियम में मौजूद रहें, मैच देखें और एक-दूसरे से बात करें। भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान एशिया के आईसीसी में महत्वपूर्ण सदस्य हैं। इस्लाम से पूछा गया कि क्या इस बैठक से बीसीसीआई के साथ उसके तनावपूर्ण संबंध खत्म करने में मदद मिलेगी, उन्होंने कहा, आप इसे कुछ इसी तरह मान सकते हैं।

मेंडिस, रत्नायके व शनाका की पारी से श्रीलंका की बड़ी जीत

पल्लीकल, एजेंसी

कप्तान दासुन शनाका सहित तीन बल्लेबाजों के अर्धशतक और बाद में धारदार गेंदबाजी की मदद से श्रीलंका ने टी20 विश्व कप के ग्रुप बी के मैच में गुरुवार को यहां ओमान को 105 रन से करारी शिकस्त देकर सुपर आठ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को मजबूत किया। कुसल मेंडिस (45 गेंद पर 61 रन), पवन रत्नायके (28 गेंद पर 60) और शनाका (20 गेंद पर 50) ने अर्धशतक जमाए और ओमान के कमजोर गेंदबाजी आक्रमण के धुर्रे उड़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। श्रीलंका ने इनके शानदार प्रदर्शन की मदद से पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद पांच विकेट पर 225 रन का मजबूत स्कोर बनाया।

ओमान के बल्लेबाजों के पास श्रीलंका के तेज और स्पिन आक्रमण का कोई जवाब नहीं था और उसकी टीम नौ विकेट पर 120 रन ही बना सकी। उसकी तरफ से केवल मोहम्मद नदीम ही संघर्ष कर पाए जिन्होंने 56 गेंद पर नाबाद 52 रन बनाए। श्रीलंका की तरफ से दुष्मंत चामीरा और महीश तीक्षणा ने दो दो विकेट लिए। श्रीलंका की यह लगातार दूसरी जीत है जिससे वह चार अंक लेकर ग्रुप बी में शीर्ष पर पहुंच गया है। ओमान को लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले श्रीलंका के बल्लेबाजों ने अंतिम ओवरों में तेजी से रन बनाकर बड़ी जीत की नींव रखी। जितेन रामानंदी ओमान के सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 41 रन देकर दो विकेट लिए। मेंडिस ने अपनी अच्छी फॉर्म जारी रखी जबकि रत्नायके और शनाका ने महत्वपूर्ण समय पर अपनी लय हासिल की। आयरलैंड के खिलाफ केवल पांच रन बनाकर आउट होने वाले रत्नायके ने 24 गेंद पर टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना पहला अर्धशतक पूरा किया।

उन्होंने अपनी पारी में आठ चौके और एक छक्का लगाया। इस 23 वर्षीय खिलाड़ी ने 12वें ओवर में तेज गेंदबाज रामानंदी पर पारी का पहला छक्का लगाया और सुफयान महमूद को लगातार तीन चौके लगाकर यह अपना अर्धशतक पूरा किया। रत्नायके और मेंडिस ने केवल 52 गेंद पर 94 रन की साझेदारी की। इस बीच उन्होंने स्ट्राइक रोटेट करने पर ध्यान दिया।

विस्फोटक पारी के दौरान शॉट लगाते श्रीलंका के बल्लेबाज पवन रत्नायके। एजेंसी

- ओमान को 105 रनों से हराकर सुपर आठ में पहुंचने की अपनी उम्मीदें मजबूत कीं

उम्मीद जीवंत रखने की कोशिश करेगा नीदरलैंड्स

चेन्नई, एजेंसी

पिछले मैच में जीत हासिल करके वापसी करने वाले नीदरलैंड्स को शुक्रवार को यहां टी20 विश्व कप के ग्रुप ए के मैच में अमेरिका के खिलाफ जीत हासिल करने के लिए आक्रामक बल्लेबाजी और अनुशासित गेंदबाजी करनी होगी जो सुपर आठ में पहुंचने की उसकी उम्मीदों को जीवित रखने के लिए जरूरी है। नीदरलैंड को टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में पाकिस्तान से मामूली अंतर से हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन इसके बाद उसने अपने अगले मैच में नामीबिया को हराकर शानदार वापसी की। नीदरलैंड ने 157 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दो ओवर शेष रहते सात विकेट से जीत हासिल की। नीदरलैंड्स की टीम के पास शीर्ष क्रम में विस्फोटक बल्लेबाज हैं लेकिन उसके मध्य और निचले क्रम के बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत है।

अमेरिका ने गेंदबाजी में तो अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन बल्लेबाजी में वे लड़खड़ा गए और खराब फील्डिंग ने भी उन्हें नुकसान पहुंचाया। अमेरिका के गेंदबाजों में शैडली वैन शालविक ने पावरप्ले में शानदार प्रदर्शन किया है।

- अमेरिका को करनी होगी वापसी बल्लेबाज नहीं दिखा पाए जलवा

नीदरलैंड्स के बल्लेबाज मैक्स ओडॉउड।

हमारे बल्लेबाज स्पिन गेंदबाजी खेलने में सक्षम : हैरी ब्रूक

मुंबई। इंग्लैंड के बल्लेबाजों की टी20 विश्व कप के दौरान स्पिन गेंदबाजों को खेलने की कमजोरी भले ही खुलकर सामने आ गई हो लेकिन उसके कप्तान हैरी ब्रूक ने कहा कि उनके बल्लेबाज स्पिनरों को खेलने में पूरी तरह से सक्षम है। इंग्लैंड को अपने पिछले मैच में वेस्टइंडीज से 30 रन से हार का सामना करना पड़ा था।

वेस्टइंडीज ने छह विकेट पर 196 रन बनाए जिसके जवाब में इंग्लैंड की टीम 19 ओवर में 166 रन पर आउट हो गई। इंग्लैंड के छह बल्लेबाजों को स्पिन गेंदबाजों ने आउट किया। जब ब्रूक से पूछा गया कि क्या इंग्लैंड को स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ संघर्ष करना पड़ रहा है, तो उन्होंने कहा मुझे ऐसा नहीं लगता। उन्होंने विश्व कप से ठीक पहले स्पिन गेंदबाजों की प्रमुखता वाली टीम श्रीलंका पर मिली 3-0 की जीत का उदाहरण दिया।

टी20 विश्व कप | ग्रुप बी मैच में जिम्बाब्वे के खिलाफ मुकाबला आज, मार्श की फिटनेस पर होगी निगाह

बड़ी जीत दर्ज करने उतरेगा ऑस्ट्रेलिया

कोलंबो, एजेंसी

कई प्रमुख खिलाड़ियों के चोटिल होने की समस्या से जूझ रही ऑस्ट्रेलिया की टीम जब शुक्रवार को यहां टी20 विश्व कप के ग्रुप बी मैच में जिम्बाब्वे पर बड़ी जीत दर्ज करने के उद्देश्य से मैदान पर उतरेगा तो कप्तान मिचेल मार्श की फिटनेस पर निगाह टिकी रहेगी।

मार्श बुधवार को आयरलैंड के खिलाफ मैच में नहीं खेल पाए थे और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अनुसार इस ऑलराउंडर को मैदान पर वापसी करने से पहले काफी आराम की जरूरत होगी। मार्श के कवर के रूप में स्टीव स्मिथ को ऑस्ट्रेलिया की टीम में लिया गया है। उनकी टीम को हालांकि आयरलैंड के खिलाफ पिछले मैच में मार्श की कमी नहीं खली। ऑस्ट्रेलिया ने खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करके 67 रन से जीत हासिल की थी। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया के किसी भी बल्लेबाज ने अर्धशतक नहीं लगाया लेकिन इसके बावजूद उन्होंने 180 से अधिक रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। इसके बाद तेज गेंदबाज नाथन एलिस और लेग स्पिनर एडम जम्पा ने मिलकर आठ विकेट लिए और अपनी टीम को पूरे दो अंक दिलाए। लेकिन ऑस्ट्रेलियाई टीम जिम्बाब्वे के खिलाफ अपने प्रदर्शन को और बेहतर करना चाहेगी। उसे सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड और ग्लेन मैक्सवेल से बड़ी पारियों की उम्मीद होगी। मार्श अगर टूर्नामेंट में आगे नहीं खेल पाते हैं तो ऑस्ट्रेलिया को बहुत अधिक चिंता करने की जरूरत नहीं पड़ेगी क्योंकि स्मिथ ने हाल में खेल के सबसे छोटे प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन किया है।

जिम्बाब्वे ने अपनी पिछले मैच में ओमान को आसानी से हराया था। उसके पास ब्रैड इवांस, ब्लेसिंग मुजरबानी और रिचर्ड नगारवा जैसे तेज गेंदबाज हैं जो अपने दिन में सबसे मजबूत बल्लेबाजों को भी कड़ी टक्कर दे सकते हैं। सिकंदर रजा की ऑफ और लेग ब्रेक गेंदों का मिलाजुला रूप उनकी गेंदबाजी को एक नया आयाम देता है। टी20 के बेहद अनुभवी खिलाड़ी रजा को ब्रायन बेनेट, डियोन मायर्स और 40 वर्षीय ब्रेंडन टेलर के साथ बल्लेबाजी में भी योगदान देना होगा।

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मिचेल मार्श।

कनाडा-यूएई की निगाह पहली जीत पर

नई दिल्ली। अपने शुरुआती मैच में करारी हार झेलने वाले कनाडा और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) शुक्रवार को यहां जब टी20 विश्व कप के ग्रुप डी के मुकाबले में आमने-सामने होंगे तो उनका लक्ष्य टूर्नामेंट में पहली जीत हासिल करना होगा। तीन शीर्ष 10 टीमों न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान के साथ 'ग्रुप ऑफ डेथ' में शामिल होने के कारण यूएई और कनाडा दोनों को सुपर आठ चरण में जगह बनाने के लिए कड़ी और असंभव चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। दोनों टीमों के अभियान की शुरुआत निराशाजनक रही। जहां कनाडा को दक्षिण अफ्रीका से हार का सामना करना पड़ा, वहीं यूएई को न्यूजीलैंड ने करारी शिकस्त दी।